ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सिद्धरामैया समर्थकों के आक्रोश के कारण डीके शिवकुमार गुट में असमंजस @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 20 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-50

अमेरिकी षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस विकिपीडिया को देता है धन

भारत और हिंदुओं के खिलाफ दुष्प्रचार का जरिया विकिमीडिया

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। विकिमीडिया फाउंडेशन और उसका संदर्भ-माध्यम विकिपीडिया भारत और हिंदू समुदाय के खिलाफ दुष्प्रचार और षडयंत्र में लिप्त पाया गया है। विकिमीडिया और इसके संदर्भ-माध्यम विकिपीडिया को भारत और हिंदू विरोधी अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस से धन मिलता है। विकिमीडिया और विकिपीडिया को लेकर किए गए विस्तृत शोध से यह बात उजागर हुई है। इसके अलावा विकिपीडिया के सह-संस्थापक लैरी सैंगर ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि विकिपीडिया एक स्पष्ट वामपंथी झुकाव का वाला माध्यम है। लैरी सैंगर ने ही यह बताया है कि विकिपीडिया संतुलन के पैमाने को असंतुलित और विकृत करता है, जिससे मिली जानकारी वास्तविकता का सटीक प्रतिनिधित्व नहीं करती और वामपंथी पक्षपात से

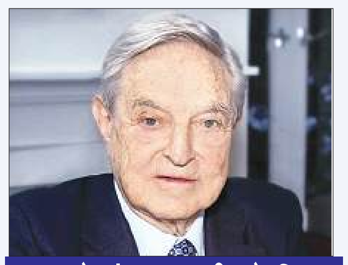

भारत से संबद्ध सामग्री को विकृत कर प्रकाशित करता है

ग्रस्त होती है। शोध के आधार पर तैयार किए गए दस्तावेज बताता है कि विकिपीडिया के पूरी दुनिया में केवल 435 सक्रिय प्रशासक हैं, जिनके पास संपादकों को प्रतिबंधित करने, स्रोतों को ब्लैकलिस्ट करने, योगदानकर्ताओं पर प्रतिबंध लगाने और लेखों पर किए गए संपादन को स्वीकृत या अस्वीकृत करने की शक्ति है। शोध में पाया गया है कि इनमें से कई संपादक और प्रशासक विकिमीडिया फाउंडेशन द्वारा विकिमीडिया से संबंधित परियोजनाओं के लिए अनुदान के रूप में भुगतान प्राप्त करते हैं। यह निर्णायक रूप से सिद्ध हुआ है कि विकिपीडिया सभी के लिए स्वतंत्र रूप से संपादन योग्य मॉडल नहीं है। यह शोध विशेष रूप से भारत के संदर्भ में विकिमीडिया फाउंडेशन को मिलने वाले धन और उसके व्यय के विश्लेषण पर केंद्रित है। ▶10 पर

छत्रपति संभाजी पर बेजा सामग्री विकिपीडिया पर होगी कार्रवाई

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। विकिपीडिया पर छत्रपति संभाजी महाराज के खिलाफ दिए गए आपत्तिजनक कटेंट को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने सीधी कार्रवाई का आदेश दिया है। सीएम फडणवीस ने राज्य के साइबर सेल के आईजी को कंटेंट हटाने के लिए देश के बाहर से संचालित ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म विकिपीडिया से तत्काल संपर्क करने का निर्देश दिया है। सीएम फड़नवीस ने कहा, ▶10 पर

अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकालने का क्रम जारी

35 लाख भारतीयों को निकालेगा अमेरिका!

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकाले जाने का सिलसिला जारी है। अमेरिका में कई वर्षों से अवैध रूप से रह रहे लाखों भारतीयों के सपने टूटने वाले हैं। अब सौ, दो सौ या पांच सौ नहीं बल्कि 35 लाख भारतीयों के निष्कासन (डिपोर्टेशन) का खतरा दिख रहा है। इनमें 14 लाख लोग तो अकेले पंजाब के हैं। भारत के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इस मसले का कूटनीतिक और कानूनी हल निकालने की कोशिशें चल रही हैं।

अमेरिका अपनी जमीन से अवैध प्रवासियों को निकालने में जुटी है। इसमें केवल भारतीय ही नहीं हैं। अवैध तरीके से अमेरिका गए 332 भारतीयों को डिपोर्ट कर अलग-अलग तारीखों में वापस भेजा जा चुका है। इनमें सबसे ज्यादा 128 लोग पंजाब के हैं, जो अमेरिका से निकाले जा चुके हैं। अब खबर आ रही है कि अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लाखों भारतीयों के निष्कासन की तैयारियां शुरू हो गई हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रत्याशित रूप से 20 इमिग्रेशन जजों को बिना किसी पूर्व सूचना के बर्खास्त कर दिया है। इस फैसले से उन 35 लाख लोगों में चिंता बढ़ गई है, जिन्होंने शरणार्थी दर्जे के लिए आवेदन किया था। इन जजों की बर्खास्तगी के कारण मामलों में और देरी होने की संभावना है, जिससे वर्षों से अमेरिका में रह रहे पंजाबी मूल के लगभग 14 लाख लोगों के निर्वासन का खतरा बढ़ गया है। अमेरिका में रहने वाले राणा टुट के अनुसार इस कारण काफी पंजाबी युवाओं को काफी नुकसान होगा।इमिग्रेशन कोर्ट सिस्टम पहले से ही लंबित मामलों के भारी बोझ से दबा हुआ है, जिससे कानूनी प्रक्रियाओं में वर्षों की देरी हो रही है। पंजाबी समुदाय के लिए अमेरिका में लंबे समय से कार्यशील वरिष्ठ लेखक बलविंदर सिंह बाजवा के अनुसार, इन लंबित मामलों में 40 प्रतिशत मामले पंजाबी मूल के लोगों से संबंधित हैं। लिहाजा, केसों के लटकने से उनको डिपोर्ट भी किया जा सकता है। जून 2024 में पांच लाख अप्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की पेशकश की थी। इन आव्रजन न्यायाधीशों को तकनीकी रूप से बाइडेन प्रशासन की ओर से लाया गया था।

अवैध प्रवासियों में अकेले पंजाब के हैं 14 लाख लोग

कूटनीतिक और कानूनी हल निकालने का प्रयास जारी

ट्रंप प्रशासन ने मामलों को तेजी से निपटाने के प्रयास में इमिग्रेशन जजों पर दबाव बढ़ा दिया था। पिछले महीने, न्याय विभाग ने निर्वासन का सामना कर रहे लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करने वाले गैर-सरकारी संगठनों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता भी रोक दी थी। यह बर्खास्तगी ट्रंप की दो प्रमुख प्राथमिकताओं सामूहिक निर्वासन और संघीय सरकार के ▶10 पर

कई हार के बाद कांग्रेस अब झाड़ रही अपनी आस्तीन

कांग्रेस अध्यक्ष ने कांग्रेस नेताओं से दो टूक कहा

चुनाव परिणामों के लिए नेता जवाबदेह होंगे

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। कई राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की अपमानजनक हार के बाद अब कांग्रेस ने अपने गिरेबान में झांकना शुरू किया है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह कहने का साहस किया किया है कि चुनाव परिणामों के लिए कांग्रेस के नेता जिम्मेदार होंगे। खड़गे ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं को जिम्मेदार बनने की सलाह भी दी और हिदायत भी दी।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए शीर्ष पार्टी नेताओं को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सभी महासचिव और प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन और चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। खड़गे ने बुधवार को पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की अहम बैठक की। इसमें नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के मुद्दे का भी जिक्र किया गया। खड़गे ने कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से साफ है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भरोसा नहीं है।

खड़गे ने अपने पिटारे से फिर मतदाता सूची में गड़बड़ी का पुर्जा निकाला और कहा कि इस चुनौती से निपटना होगा। खड़गे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा, कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है, लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं। असल फिसल पड़े और नकल चल पड़े, यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हमें दूर रहना चाहिए। आपको ऐसे लोगों को लाना चाहिए, जो वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हों और जो मुश्किल समय में पार्टी के पीछे चट्टान की तरह खड़े रहें। खड़गे की यह टिप्पणी दिल्ली चुनाव में पार्टी की करारी हार को लेकर आई है।कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैंने कार्य समिति की पिछली दो बैठकों में संगठनात्मक सृजन बात की थी। उस कड़ी में कई फैसले लिए जा चुके हैं। कुछ और फैसले जल्दी ही किए जाएंगे। इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में नए पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी नेताओं से जमीनी स्तर पर काम करने, ▶10 पर

भारत ने सुरक्षा परिषद में डंके की चोट पर कहा

आतंकवाद का अड्डा है पाकिस्तान

न्यूयॉर्क, 19 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने डंके की चोट पर पाकिस्तान को आतंकवाद का अड्डा बताया। पाकिस्तान ने रटे-रटाए तरीके से जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया तो भारत के प्रतिनिधि दूत ने पाकिस्तान के धागे खोल दिए। भारत ने कहा, हम जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों की दहशतगर्दी से पहले से जूझ रहे हैं। जैश-ए-मोहम्मद जैसे कई पाकिस्तान पोषित आतंकी संगठनों ने भारत में कई आतंकी हमले किए हैं। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने पाकिस्तान को आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बताया और कहा कि पाकिस्तान में 20 से ज्यादा प्रतिबंधित आतंकी संगठन मौजूद हैं। इसके बावजूद जब पाकिस्तान खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताता है, तो यह सबसे बड़ी विडंबना है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विस्तार जरूरी

भारत की तरफ से यह बयान तब आया जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। इस पर भारत ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर ▶10 पर

सुरक्षा परिषद का विस्तार न होने से भारत नाराज

न्यूयॉर्क, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की मांग उठाई है। इस बार भारत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जो देश स्थिति को जस का तस बनाए रखना चाहते हैं और यूएनएससी में विस्तार नहीं होने दे रहे, वे दूर की नहीं सोच पा रहे है। वे प्रतिगामी (उल्टी) सोच वाले देश हैं। भारत ने कहा कि इसे अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। चीन की अध्यक्षता में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और वैश्विक प्रशासन को बेहतर बनाने के मुद्दे पर खुली बहस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश शामिल हुए। ▶10 पर

संगम के दूषित पानी पर एनजीटी ने लगाई फटकार

उत्तर प्रदेश सरकार से एक हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और उत्तर प्रदेश सरकार को इस बात के लिए फटकार लगाई है कि उसने प्रयागराज में गंगा नदी के पानी में फीकल कोलीफॉर्म और ऑक्सीजन के निम्न स्तर के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं दी। ट्रिब्यूनल ने यूपीपीसीबी को गंगा यमुना में पानी की गुणवत्ता को लेकर एक हफ्ते में ताजा रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।एनजीटी के अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य सुधीर अग्रवाल और एक्सपर्ट सदस्य ए सेंथी वेल की बेंच दिसंबर के आदेश के अनुपालन पर मामले की सुनवाई कर रही थी। इसमें उसने उत्तर प्रदेश सरकार और सीपीसीबी को यह निश्चित करने का निर्देश दिया था कि कुंभ के दौरान गंगा और यमुना नदियों का पानी पीने और नहाने लायक हो। सोमवार को दिसंबर के आदेश के अनुपालन में सीपीसीबी ने एक रिपोर्ट पेश की। इसमें दिखाया गया कि जनवरी के दूसरे हफ्ते में की गई निगरानी के दौरान फेकल कोलीफॉर्म और बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड का लेवल नहाने के मानदंडों को पूरा नहीं करता था। एनजीटी बेंच ने सोमवार को सीपीसीबी की रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लिया और कहा कि यूपीपीसीबी ने 23 दिसंबर के आदेश के अनुपालन में कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल नहीं की।बुधवार को यूपीपीसीबी ने कहा कि उसने रिपोर्ट दाखिल कर दी है, लेकिन उसने सीपीसीबी से उन सटीक जगहों के बारे में भी जानकारी मांगी है, जहां से उन्होंने पानी के सैंपल इकट्ठे किए थे। इस पर पीठ ने पूछा कि क्या वे सीपीसीबी की रिपोर्ट पर विवाद कर रहे हैं। हालांकि, पीठ ने सीपीसीबी के वकील से उन बिंदुओं की भी जानकारी मांगी जहां से पानी के नमूने इकट्ठे किए गए थे और साथ ही लैब टेस्ट की रिपोर्ट भी मांगी। ▶10 पर

रेखा गुप्ता होंगी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। रेखा गुप्ता दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री होंगी। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, आतिशी के बाद रेखा दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी। इससे पहले भाजपा विधायक दल की बैठक में 48 विधायक, दिल्ली के 7 सांसद, 2 पर्यवेक्षक, 3 प्रभारी और सह प्रभारी के अलावा दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष, दिल्ली महासचिव, संगठन मंत्री समेत कुल मिलाकर 65 लोग मौजूद थे। गौर करने वाली बात यह है कि 11 फरवरी को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 10 नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाकात की थी। इन विधायकों में विजेंद्र गुप्ता, रेखा गुप्ता, अरविंदर सिंह लवली, अजय महावर, सतीश उपाध्याय, शिखा राय, अनिल शर्मा और डॉ. अनिल गोयल, कपिल मिश्रा और कुलवंत राणा शामिल थे। शपथ ग्रहण समारोह दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित किया जाएगा, जिसमें भाजपा के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह कल सुबह 11 बजे शुरू होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति

कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई स्थगित कर दी है, जिसमें चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि वह मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 19 फरवरी को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को एक गैर सरकारी संगठन की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने बताया था कि संविधान पीठ के 2023 के फैसले में कहा गया था कि मुख्य

निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियां ऐसा पैनल करेगा, जिसमें भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) भी शामिल होंगे। इसके बावजूद सरकार ने सीजेआई को इसमें शामिल नहीं किया और इस तरह से लोकतंत्र का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, यह मामला 19 फरवरी के लिए सूचीबद्ध है, लेकिन इसे आइटम नंबर 41 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। सरकार ने संविधान पीठ के दृष्टिकोण की अनदेखी करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त, निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की है। कृपया इसे पहले उठाएं, क्योंकि मामले पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है। याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से पेश हुए अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने कहा था कि सरकार ने नए कानून के तहत तीन नियुक्तियां की हैं, जिन्हें चुनौती दी गई है। इस पर पीठ ने भूषण और अन्य पक्षों को आश्वासन दिया था कि कुछ अत्यावश्यक सूचीबद्ध मामलों के बाद वह 19 फरवरी को सुनवाई के लिए याचिकाओं पर विचार करेगी।

इससे पहले सरकार ने सोमवार को ज्ञानेश कुमार को अगला मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया है। वे जनवरी 2024 में सहकारिता मंत्रालय में सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए थे। उन्हें मार्च 2024 में उन्हें निर्वाचन आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया। ▶10 पर

सनातन के बाद अब उदयनिधि हिंदी के विरोध में उतरे

हिंदी लागू हुई तो तमिल का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा

चेन्नई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। सनातन धर्म पर अनाप शनाप बोलने वाले तमिलनाडु सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन अब हिंदी भाषा के खिलाफ अनर्गल बयान जारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी के कारण तमिल भाषा विलुप्त हो सकती है। अगर हिंदी को तमिलनाडु में लागू किया गया, तो यहां भी अन्य उत्तर भारतीय भाषाओं की तरह तमिल का भी अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। उदयनिधि ने यह भी आरोप लगाया कि हिंदी ने उत्तर भारत में कई स्थानीय भाषाओं, जैसे राजस्थानी, हरियाणवी, भोजपुरी आदि को समाप्त कर दिया है और अब हिंदी प्रमुख भाषा बन गई है। उनका कहना था कि तमिल लोग ऐसे स्कूलों में पढ़ते हैं जहां हिंदी नहीं पढ़ाई जाती। स्टालिन ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर तमिलनाडु को केंद्रीय फंड मिलना बंद कर दिया, तो राज्य स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो सकते हैं। ▶10 पर

छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण

छत्रपति शिवाजी महाराज स्वाभिमान के प्रतीक हैं: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उन्होंने बुधवार को सदाशिवनगर के बश्याम सर्किल में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज हिंदू साम्राज्य का निर्माण करने वाले महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती है। पराक्रम एक योद्धा थे जिन्होंने भाषा और सीमाओं से परे एक हिंदू साम्राज्य बनाने का संकल्प लिया और ऐसा करने में सफल भी हुए। उन्होंने बताया कि ऐसे नायक की जयंती समारोह के तहत देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज इस देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि जब तक सूर्य और चंद्रमा रहेंगे, शिवाजी महाराज की प्रेरणा युवाओं में बनी रहेगी। इस मौके पर एमपी पी.सी. मोहन, पूर्व मंत्री गोपालैया, सी.टी. रवि, पूर्व उपमुख्यमंत्री अश्वथ नारायण, राज्य के मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण और पार्टी नेता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री चंद्रू सामाजिक न्याय के अभाव में बजट पूर्व बैठकों से नाखुश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मुख्यमंत्री चंद्रू ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित पूर्व-बजट बैठकों में सभी अल्पसंख्यक नेताओं को आमंत्रित नहीं किया जाना सामाजिक न्याय की अवधारणा को साकार करने के लिए खतरा है।

उन्होंने पहले ही दलित और पिछड़े वर्गों के कई संगठनों और नेताओं के साथ बैठकें की हैं, उनकी कई मांगों को सुना है और बजट पूर्व तैयारियां की हैं। लेकिन तथ्य यह है कि राज्य के अल्पसंख्यकों की अब तक कोई बैठक नहीं हुई है, जिससे सामाजिक न्याय की अवधारणा कमजोर होती प्रतीत होती है। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उनके मंत्रिमंडल में केवल एक प्रमुख मंत्री को ही सभी अल्पसंख्यकों की आवाज माना जाता है। हाल के दिनों में शासक यह भूलते जा रहे हैं कि राज्य के अल्पसंख्यकों में मुसलमानों के साथ-साथ ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी और सिख भी शामिल हैं। इसलिए मुख्यमंत्री चंद्रू ने अपने पत्र में आग्रह किया है कि अल्पसंख्यकों के सभी वर्गों के नेताओं को तुरंत अपनी पूर्व-बजट बैठक में बुलाया जाना चाहिए और उन्हें अपनी लंबे समय से चली आ रही सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक मांगों को पूरा करने के लिए कदम उठाने चाहिए तथा एक वास्तविक सामाजिक अवधारणा को कायम रखना चाहिए।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कर्नाटक राज्य भवन निर्माण एवं असंगठित कार्मिक संगठन द्वारा तुमकुरु की सरकारी महिला महाविद्यालय के सभागार में कार्मिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। काली मठ के ऋषि कुमार स्वामी एवं महेंद्र मुणोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में लंबे समय से प्रमाणिक सेवा देने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया गया एवं उनके बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई। संगठन के देवराज एवं श्रीनिवास ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

7 दिवसीय योग शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित फिट युवा हिट युवा के अन्तर्गत ध्यान की यात्रा के तहत तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा प्रथम दिवस प्रातः स्थानीय धोबी घाट पार्क में खुले आसमान के नीचे एवं द्वितीय दिवस से तेरापंथ सभा भवन में सकल समाज के सहयोग से तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया के नेतृत्व में योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रथम दिवस प्रेक्षा प्रशिक्षक रेणु कोठारी एवं बाकी के 6 दिन योग प्रशिक्षक उत्तम चंद गन्ना द्वारा कायोत्सर्ग, महाप्राण ध्वनि का प्रयोग, सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, पर्वत आसन आदि विभिन्न प्रकार के आसनों द्वारा सप्तदिवसीय शिविर का समापन किया गया।

योग शिविर में 32 लोगों की उपस्थिति रही।

ज्ञानार्थियों के लिए स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी हनुमंतनगर ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों के शिशु संस्कार बोध की परीक्षा के बाद ज्ञानार्थियों और प्रशिक्षिकाओं का स्नेह मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ज्ञानशाला संयोजिका मंजु दक के नेतृत्व में 87 ज्ञानार्थियों एवं 15 प्रशिक्षिकाओं ने हनुमंतनगर सभा भवन से 2 बसों द्वारा रिसॉर्ट के लिए प्रस्थान किया। रिसॉर्ट में बच्चों ने सभी प्रकार के खेलों का लुत्फ उठाया। प्रशिक्षिकाओं द्वारा ज्ञानार्थियों को धार्मिक प्रवृत्ति के खेल खिलाए गए। जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर आने वाले ज्ञानार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। हनुमंतनगर श्रावक समाज से सभा अध्यक्ष गौतम दक, मंत्री हेमराज मांडोत समेत अन्य लोगों का सहयोग रहा।

आर. मंजूनाथ निर्विरोध राज्य ठेकेदार संघ के नए अध्यक्ष चुने गए

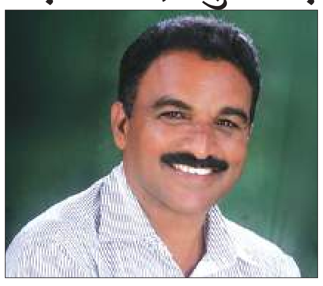

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आर. मंजूनाथ को बुधवार को हुए चुनावों में कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ का अध्यक्ष चुना गया। मंजूनाथ को निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया गया, जो केम्पन्ना के निधन से रिक्त हुए पद पर नियुक्त होंगे। पता चला है कि केम्पन्ना के करीबी रहे मंजूनाथ सभी कार्यों में शामिल थे और सरकारी स्तर पर नेकधारियों की ओर से काम करते थे, इसलिए उन्हें निर्विरोध चुना गया।

मुडा घोटाला मामला : लोकायुक्त ने सीएम सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों को दी क्लीन चिट

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक लोकायुक्त ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों को क्लीन चिट दे दी है। सिद्धरामैया को मामले में पहला आरोपी बनाया गया था, जबकि उनकी पत्नी बी एम पार्वती और उनके साले मल्लिकार्जुनस्वामी को क्रमशः दूसरा और तीसरा आरोपी बनाया गया था। भूस्वामी जे देवराजू को चौथा आरोपी बनाया गया था। आरोपों में दावा किया गया था कि सिद्धरामैया ने 3.16 एकड़ भूमि के बदले में मुडा से अपनी पत्नी के नाम पर 14 साइटों का आवंटन धोखाधड़ी से हासिल किया। हालांकि, जांच के बाद लोकायुक्त ने सभी आरोपियों को गलत काम करने से मुक्त कर दिया। लोकायुक्त ने याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को एक नोटिस के माध्यम से यह निर्णय सुनाया, जिसमें उन्हें सूचित किया गया कि यदि वे निष्कर्षों को चुनौती देना चाहते हैं तो वे एक सप्ताह के भीतर मजिस्ट्रेट से संपर्क कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक टी जे उदेश ने नोटिस में कहा कि जांच से यह निष्कर्ष निकला है कि मामला दीवानी प्रकृति का है और इसमें आपराधिक कार्यवाही की आवश्यकता नहीं है। आरोप या तो गलत धारणा या कानून की गलत व्याख्या पर आधारित पाए गए, और कोई कार्रवाई शुरू नहीं की जा सकी। नोटिस में आगे कहा गया है कि सिद्धरामैया और अन्य आरोपियों के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है और अंतिम रिपोर्ट को अदालत ने स्वीकार कर लिया है। हालांकि, मुडा द्वारा 50:50 अनुपात के तहत साइटों के आवंटन में कथित अनियमितताओं की आगे जांच की जाएगी, जिसमें सीआरपीसी की धारा 173(8) के तहत अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए स्नेहमयी कृष्णा ने कहा पूरा देश इस रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहा था और अब लोकायुक्त अधिकारी, जो इसे अदालत में प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहे हैं, ने मुझे नोटिस जारी किया है। ऐसा लगता है कि मेरे आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है। केवल वे अधिकारी ही ऐसी रिपोर्ट पेश कर सकते हैं जिन्होंने अपनी अंतरात्मा से समझौता किया हो। उन्होंने आरोप लगाया यह मामला इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे जांच अधिकारी 'दबाव' में ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे कि उन्हें आरोपों का समर्थन करने वाले सबूतों के बारे में पता ही न हो।

सीएम सिद्धरामैया अंग्रेजों की तरह 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपना रहे: शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर ''फूट डालो और राज करो'' की नीति अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने उनकी शासन शैली की तुलना अंग्रेजों से की है। उन्होंने मुख्यमंत्री से हर मुद्दे के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराने के बजाय प्रभावी प्रशासन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। बुधवार को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शोभा करंदलाजे ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया कर्नाटक में प्रमुख समुदायों को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया वह लिंगायत, वोक्कालिगा और ब्राह्मण समुदायों को उप-जातियों में विभाजित करने का काम कर रहे हैं। उनका दृष्टिकोण ब्रिटिश शासकों की मानसिकता को दर्शाता है। राज्य सरकार के प्रदर्शन की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कर्नाटक में कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ है। केंद्र सरकार पर उंगली उठाने के बजाय, सीएम सिद्धरामैया को शासन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अगर वह ऐसा करने में असमर्थ हैं, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमत राज्य के लोगों को प्रभावित कर रही है। कांग्रेस अपनी गारंटी योजनाओं के साथ सत्ता में आई, लेकिन उनमें से किसी को भी ठीक से लागू नहीं किया गया। गृह लक्ष्मी योजना, जिसमें बीपीएल परिवारों की महिला मुखियाओं को 2,000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया गया था, लाभार्थियों तक नहीं पहुंच रही है। जबकि उन्होंने महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का आश्वासन दिया, बस सेवाएं बाधित हो गई हैं, कई बसें डिपो से बाहर नहीं निकल रही हैं। मुख्यमंत्री पर अपनी सरकार की विफलताओं से अनभिज्ञ होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा जब गारंटी योजनाओं के बारे में पूछा गया, तो सिद्धरामैया ने दावा किया कि उन्हें कोई जानकारी नहीं है। वह वित्त मंत्री भी हैं, उन्हें कैसे नहीं पता हो सकता है? लोग ऐसे बयानों पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना की कि उसने बीपीएल परिवार को 10 किलो चावल देने का वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया भले ही केंद्र सरकार कम कीमत पर चावल देने को तैयार है, लेकिन राज्य सरकार इसे खरीदने से इनकार कर रही है। नौ नए विश्वविद्यालय बंद कर दिए गए हैं, और मौजूदा विश्वविद्यालयों को अनुदान नहीं मिल रहा है। अब बंद हो चुके विश्वविद्यालयों से प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले छात्रों के भाग्य पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा सरकार ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। इस बीच, राजस्व विभाग के कर्मचारियों को उनके वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर बेंगलूरु में नया कर बोझ थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया अगर कोई इमारत बनाना चाहता है, तो उसे 100 रुपये प्रति वर्ग फुट की रिश्वत देने के लिए मजबूर किया जाता है।

मेट्रो किराया वृद्धि पर उन्होंने कहा सीएम सिद्धरामैया ने यह दावा करके जनता को गुमराह किया कि टिकट की कीमत में वृद्धि में राज्य की कोई भूमिका नहीं है। यह वृद्धि राज्य सरकार की सिफारिश पर आधारित थी। मेट्रो अधिकारियों ने राज्य को संशोधन का अनुरोध करते हुए पत्र लिखा और राज्य के दबाव में केंद्र सरकार ने इसे मंजूरी दे दी। कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कांग्रेस सरकार गायों को नुकसान पहुंचाने वालों को मानसिक रूप से अस्थिर बता रही है। पुलिस स्टेशनों पर हमले हो रहे हैं और अस्पतालों में मातृ मृत्यु दर में वृद्धि जारी है। अगर केंद्र सरकार को हर चीज के लिए कदम उठाना है, तो सिद्धरामैया अभी भी सत्ता में क्यों हैं? उन्होंने कांग्रेस सरकार पर अपनी गारंटी का बखान करते हुए नागरिकों पर बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया। आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तीन गुना हो गई हैं। हर चीज के लिए केंद्र को दोष देना बंद करें। आपकी सरकार दिवालिया हो चुकी है। उन्होंने कहा हर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेना बंद करें। कितने मंत्रियों ने जिलों का दौरा किया है? कितनी समीक्षा बैठकें हुई हैं? केंद्र पर उंगली उठाने के बजाय, कुशलता से शासन करें या पद छोड़ दें।

राज्य सरकार भूमि अतिक्रमण के आरोपों को लेकर मुझे निशाना बना रही: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार 14 एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के आरोपों को लेकर उन्हें निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए कुमारस्वामी ने दावा किया कि राज्य सरकार उन्हें फंसाने के लिए जानबूझकर विवादित केतगनहल्ली जमीन का सर्वेक्षण कर रही है। मैं किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। मेरे पास यह साबित करने के लिए सभी दस्तावेज हैं कि यह जमीन मेरी संपत्ति है। उन्होंने कहा मैंने 40 साल पहले केतगनहल्ली जमीन खरीदी थी। संपत्ति का 10 से अधिक बार सर्वेक्षण किया जा चुका है और कई बार जांच की जा चुकी है। मुझे सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया है। मैं किसी भी जांच के लिए तैयार हूं, लेकिन कुछ स्थानीय कांग्रेस नेता इसे मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए, मुझे निशाना बनाया जा रहा है। वे कब तक मेरी जांच करते रहेंगे? चल रही जांच के बारे में बोलते हुए कुमारस्वामी ने कहा मेरी संपत्ति की जांच मंगलवार को पूरी हो गई। उन्हें रिपोर्ट जमा करने दीजिए। मुझे डरने की कोई बात नहीं है। वे चार दशक पहले खरीदी गई जमीन को मुद्दा बना रहे हैं। मुझे इस मामले को लेकर सीएम सिद्धरामैया की बैठकों की श्रृंखला के बारे में पता है, और मुझे पता है कि उनमें कौन-कौन शामिल हुए थे। उन्होंने पांच सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। शुरू में यह पुलिस के नेतृत्व वाली एसआईटी थी, लेकिन अब उन्होंने आईएएस अधिकारियों वाली एसआईटी गठित की है। मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और मैं किसी भी जांच का स्वागत करता हूं।

सत्ता बंटवारे का फॉर्मूला

सिद्धरामैया समर्थकों के आक्रोश के कारण डीके शिवकुमार गुट में असमंजस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चर्चा है कि राज्य में गुटबाजी तेज हो गई है और आरोप-प्रत्यारोप सामने आ रहे हैं, क्योंकि आलाकमान ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सत्ता बंटवारे के फार्मूले पर कायम रहने का निर्देश दिया है।

2023 के विधानसभा चुनावों के बाद विधायक दल का नेता चुनने के लिए दिल्ली में आयोजित सात दिवसीय समझौता अभ्यास के अंतिम भाग के रूप में, एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने घोषणा की कि सिद्धरामैया को मुख्यमंत्री चुना जाएगा, डीके शिवकुमार कैबिनेट में एकमात्र उपमुख्यमंत्री होंगे और लोकसभा चुनाव तक केपीसीसी अध्यक्ष की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगे। अनाधिकारिक सूत्रों के अनुसार सिद्धरामैया ढाई साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। कहा गया कि बाद में इसमें बदलाव होगा। सभी पार्टी नेता बार-बार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि मुख्यमंत्री में कोई बदलाव नहीं होगा और सिद्धरामैया अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, क्योंकि इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। लोकसभा चुनाव से पहले सत्ता-बंटवारे के फार्मूले पर कुछ चर्चाएं हुई थीं। डी.के. शिवकुमार के गुट ने सार्वजनिक बयानों के माध्यम से ढाई साल के लिए अघोषित सत्ता-साझाकरण फार्मूले पर चर्चा की। इसके जवाब में सिद्धरामैया गुट ने जाति के आधार पर पांच अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पदों के सृजन की मांग रखी थी। चूंकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे, इसलिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया और सख्त लहजे में कहा कि किसी को भी किसी भी स्थिति पर खुले तौर पर चर्चा नहीं करनी

चाहिए। कुछ समय के लिए सारी चर्चाएं शांत हो गईं। हालांकि, इससे चुनाव प्रभावित हुए और कांग्रेस के राज्य से 22 लोकसभा सीटें जीतने के लक्ष्य को झटका लगा। के.एन.राजन्ना सहित कई मंत्रियों ने अपने पिछले बयानों का बचाव करते हुए कहा कि यदि उपमुख्यमंत्री का पद जाति के आधार पर बनाया गया होता तो वे अधिक सीटें जीत सकते थे। बताया जा रहा है कि हाल ही में दिल्ली में हुई एक अहम बैठक में आलाकमान ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सत्ता बंटवारे के फार्मूले पर कायम रहने की हिदायत दी है।

आरोप यह भी हैं कि इससे नाराज सिद्धरामैया ने अपने समर्थकों को अपने प्रतिद्वंद्वी डी.के. शिवकुमार के खिलाफ लामबंद कर दिया है। खड़गे की बार-बार चेतावनी के बावजूद कि किसी को भी पार्टी के मुद्दों पर सार्वजनिक बयान नहीं देना चाहिए और उन्हें चुप रहकर दी गई जिम्मेदारी को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए, के.एन. राजन्ना और सतीश जारकीहोली ने मैदान में उतरने में संकोच नहीं किया और सीधे डी.के. शिवकुमार को घेरने की कोशिश की। उपमुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा के साथ परमेश्वर अप्रत्यक्ष रूप से पर्दे के पीछे की गतिविधियों में शामिल हैं। डी.के. शिवकुमार और उनके समर्थक कई भड़काऊ बयानों के बावजूद अधिक सहिष्णुता से व्यवहार कर रहे हैं और शांति से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। केएन राजन्ना का कहना है कि वह पार्टी के विरोध में काम नहीं कर रहे हैं, लेकिन केपीसीसी अध्यक्ष में बदलाव होना चाहिए, प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक पद होना चाहिए, लेकिन 2023 के बातचीत के फॉर्मूले पर आलाकमान का क्या रुख है? वे ये सब बयान देकर भ्रम पैदा कर रहे हैं। इससे पहले जब परमेश्वर जेडीएस-कांग्रेस गठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री थे, तब के.एन. राजन्ना ने एक भाषण में उन्हें अपशब्द कहकर अपमानित करके विवाद खड़ा कर दिया था। वहीं, अल्पसंख्यक समुदाय के वरिष्ठ नेता रोशन बेग, जो विधायक भी हैं, ने समन्वय समिति के अध्यक्ष सिद्धरामैया की आलोचना की। इन दोनों घटनाओं में आलाकमान ने रोशन बेग के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की। बाद में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता और अपने बेटे को विधान परिषद के लिए निर्वाचित किया। वह मंत्री बन गये। उन्होंने अपने बेटे को लोकसभा चुनाव में टिकट देने की कोशिश की। इस घटना के बाद कांग्रेस में सिद्धरामैया के विरोधियों के पास बचने का कोई मौका नहीं बचा है। इससे यह संदेश गया कि अन्य कोई भी नेता उतना प्रभावशाली नहीं था। अब राजन्ना सार्वजनिक बयान देकर हाईकमान के निर्देशों की अवहेलना कर रहे हैं और कह रहे हैं कि सिद्धरामैया ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। डी.के. शिवकुमार कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों, वे राजन्ना पर लगाम लगाने में असमर्थ हैं और उत्तेजित हो रहे हैं। राजन्ना को उम्मीद थी कि सिद्धरामैया स्वयं उन्हें इस बारे में सूचित करेंगे और उन्हें खुश करेंगे। लेकिन मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि वह किसी भी विवादास्पद बयान पर टिप्पणी नहीं करेंगे, जबकि राजन्ना और डी.के. शिवकुमार ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने यह कहकर स्थिति को और जटिल बना दिया है कि सत्ता-साझेदारी के फार्मूले की निगरानी हाईकमान करेगा। कांग्रेस के भीतर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। आलाकमान ने सिद्धरामैया को सत्ता-साझेदारी फार्मूले का पालन करने का निर्देश दिया है। इस प्रकार, ऐसी अफवाहें हैं कि सिद्धरामैया ने हर रणनीति के तहत समर्थकों को आगे रखा है। अगर हाईकमान सत्ता-बंटवारे के फार्मूले को लागू करने वाला है, तो सिद्धरामैया जाति जनगणना रिपोर्ट का खुलासा करेंगे और खुद को पिछड़े वर्गों के नेता के रूप में पेश करेंगे। इसके अलावा, वे यह आम धारणा बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि हाईकमान द्वारा अन्याय किया गया है। कुछ मंत्रियों की इस बात का ढिंढोरा पीटने के लिए आलोचना की जा रही है।

राज्य की वित्तीय स्थिति गंभीर बिन्दु पर पहुंच गयी

राज्य में कांग्रेस सरकार सभी क्षेत्रों में कीमतें बढ़ाने के लिए मशहूर: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि सभी क्षेत्रों में बढ़ती कीमतों का श्रेय कांग्रेस सरकार को जाता है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में बुधवार को मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि संपत्ति पंजीकरण शुल्क में वृद्धि हुई है। परिसंपत्ति मार्गदर्शन मूल्य में भी 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जहां वाहन पंजीकरण शुल्क में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वहीं अस्पताल सेवा शुल्क में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बिजली की कीमतों में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पानी की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने दूध की कीमतों में 15 प्रतिशत की वृद्धि की आलोचना की। राज्य की जनता को इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि उन पर 1,90,000 करोड़ रुपये का कर्ज है। ऊर्जा मंत्री जॉर्ज ने स्वयं कहा कि विभिन्न सरकारी विभागों पर 6,000 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है और उन्होंने इसकी वसूली के लिए संबंधित मंत्रियों से चर्चा की है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि राज्य ऐसी विकट स्थिति में पहुंच गया है जहां वेतन और बिजली बिल का भुगतान नहीं किया जा सकता है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया बताएं कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। बस किराये में भी 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने मेट्रो किराए में अधिकतम वृद्धि की आलोचना करते हुए इसे एक दुस्साहसपूर्ण कदम बताया। विजयेन्द्र ने कहा कि राज्य सरकार के आग्रह पर मेट्रो किराया अधिकतम स्तर तक बढ़ा दिया गया है। चेन्नई, लखनऊ, मुंबई, कोलकाता और दिल्ली में मेट्रो किराए में कोई वृद्धि नहीं हुई है। हमारे ध्यान में लाया गया कि यह सब राज्य सरकार के अनुरोध पर हुआ। सरकार गारंटी को वित्तपोषित करने में असमर्थ है। इसके कारण बेंगलूरु के लोग सबसे अधिक संपत्ति कर का भुगतान कर रहे हैं। उन्हें वाहनों और पानी के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि वे बहुत अधिक आयकर भी दे रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस पार्टी ने मेट्रो किराया वृद्धि के मुद्दे पर भी केंद्र पर उंगली उठाने का अपना सिलसिला जारी रखा है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद दो साल में दूसरी बार दूध के दाम और बिजली के दाम बढ़ाने पर सरकारी स्तर पर चर्चा शुरू हो गई है। एक तरफ मुख्यमंत्री कहते हैं कि राज्य समृद्ध है और राज्य की जनता खुश है। किसान और गरीब खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह बहस का विषय है कि राज्य के मुख्यमंत्री इस भ्रम में हैं कि गारंटी के क्रियान्वयन से सभी वर्गों के लोग खुश हैं। राज्य की वित्तीय स्थिति गंभीर बिन्दु पर पहुंच गयी है। दूसरी ओर, गृहलक्ष्मी योजना का भुगतान नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि 5 किलो चावल का भी भुगतान नहीं किया जा रहा है। अनुभवी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 7 मार्च को अपना 16वां बजट पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया सबसे बड़ा बजट पेश करने का कीर्तिमान स्थापित करेंगे। इस मौके पर एमपी पी.सी. मोहन, पूर्व मंत्री गोपालैया, विधायक उदय गरुड़ाचार, राज्य के मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण और पार्टी नेता उपस्थित थे।

कई विश्वविद्यालयों को बंद करने का राज्य सरकार का रुख सही: एच. विश्वनाथ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में कई विश्वविद्यालयों को बंद करने के राज्य सरकार के रुख का समर्थन करने वाले भाजपा विधान परिषद सदस्य एच. विश्वनाथ ने कहा है कि यह एक अच्छा निर्णय है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा यदि किसी जिले को विश्वविद्यालय दे दिया जाए तो क्या होगा? पिछली भाजपा सरकार ने विश्वविद्यालय के कुलपति पद के लिए 5 करोड़ रुपए फीस तय की थी। यह अभी भी जारी है। यह सबको पता है। उन्होंने कहा कि कई विश्वविद्यालयों को बंद करने का राज्य सरकार का रुख सही है। उन्होंने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि राज्य में साक्षरता और स्वास्थ्य दोनों ही बेकार हो गए हैं। ऐसा लगता है कि राज्य में शांति के लिए कोई जगह नहीं है। हर जगह अशांति, दंगे, हत्याएं और आत्महत्याएं हो रही हैं। इस

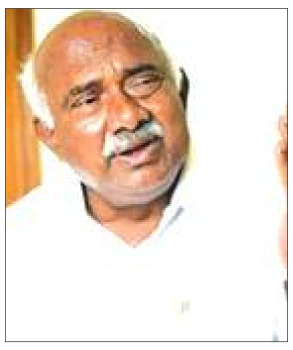

सब के लिए कौन जिम्मेदार है? यह लोगों की वजह से नहीं है, यह उस सरकार की वजह से है जिसे हमने चुना है। उन्होंने मांग की कि सरकार के मुखिया सिद्धरामैया को इन सब बातों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने राज्य में वर्तमान घटनाओं पर दुख व्यक्त किया। बजट पूर्व बैठक कर रहे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया सरकार में विधायिका का कोई महत्व नहीं है। विधानमंडल बजट को मंजूरी देता है। लेकिन विधानमंडल द्वारा अनुमोदित बजट के कार्यान्वयन के संबंध में सरकार ने क्या किया है? पिछले बजट का क्या हुआ? प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ मेले के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाएं उत्कृष्ट हैं। कुछ छोटी-मोटी घटनाओं को छोड़कर, पूरा कुंभ मेला अच्छी तरह से आयोजित हो रहा है। कुंभ मेला, जिसमें करोड़ों लोग शामिल हुए, सफल रहा। उन्होंने इसके लिए उचित व्यवस्था करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना की। राज्य सरकार की गृहलक्ष्मी योजना की महिला लाभार्थी और अन्नभाग्य योजना के लाभार्थी अपने खातों में पैसा जमा नहीं होने की शिकायत कर रहे हैं, उनका कहना है कि गृहलक्ष्मी योजना का पैसा नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि मकान टूटकर गिर रहे हैं।

कलबुर्गी में प्रवासी श्रमिकों के साथ कारखानों के व्यवहार पर आक्रोश

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मृत प्रवासी श्रमिक के शव को फैक्ट्री परिसर में घसीटा गया। घटना का एक वायरल वीडियो सामने आया है, जिसने मजदूर के शव के साथ अमानवीय व्यवहार को लेकर व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है। मृतक, चंदन सिंह (35), बिहार का एक प्रवासी श्रमिक था, जो सेदम शहर के पास कोडला गाँव में श्री सीमेंट कंपनी में कार्यरत था। मंगलवार को, कथित तौर पर उसे ड्यूटी के दौरान दिल का दौरा पड़ा और वह कार्यस्थल पर ही गिर पड़ा। जबकि डॉक्टरों ने शुरू में उसकी स्थिति को निम्न रक्तचाप से जोड़ा था, अधिकारी पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

बुधवार को सामने आए 18 सेकंड के वीडियो में चार फैक्ट्री कर्मचारी श्रमिक के शव को परिसर में घसीटते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि असहाय साथी मजदूर चुपचाप देख रहे हैं। फुटेज की जनता और विभिन्न संगठनों ने कड़ी निंदा की है, जिसमें फैक्ट्री प्रबंधन की असंवेदनशील कार्रवाई पर सवाल उठाए गए हैं। यह घटना सेदम पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आती है, और जवाबदेही निर्धारित करने के लिए जांच चल रही है। कर्नाटक में प्रवासी मजदूरों की मौत का यह पहला मामला नहीं है। दिसंबर 2023 में, विजयपुरा में राजगुरु ज्वार प्रसंस्करण इकाई में मक्का बैगिंग मशीन के गिरने से सात प्रवासी मजदूरों की जान चली गई थी और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। यह दुर्घटना उस समय हुई जब मजदूर मशीन की मरम्मत कर रहे थे, जिसके बाद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), अग्निशमन बल और आपातकालीन सेवाओं को शामिल करते हुए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाना पड़ा। विजयपुरा त्रासदी के बाद, राज्य के उद्योग मंत्री और जिला प्रभारी मंत्री एमबी पाटिल ने प्रत्येक मृतक मजदूर के परिवार को 7 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की। मृतक सभी मजदूर बिहार के थे। कलबुर्गी फैक्ट्री की घटना की जांच जारी रहने के साथ ही, औद्योगिक कार्यस्थलों पर मजदूरों की स्थिति और प्रवासी मजदूरों के साथ व्यवहार को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

रेणुकास्वामी हत्या मामला : वरिष्ठ वकील सुप्रीम कोर्ट में दर्शन के लिए करेंगे बहस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चित्रदुर्ग रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले में अभिनेता दर्शन की जमानत को चुनौती देते हुए बेंगलूरु पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है।

अगले महीने याचिका की सुनवाई से पहले दर्शन की कानूनी टीम ने कथित तौर पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से संपर्क किया है। सुप्रीम कोर्ट में अपील की सुनवाई 18 मार्च को होगी। सूत्रों से पता चला है कि दर्शन परिवार ने सुप्रीम कोर्ट के साथ-साथ हाई कोर्ट में भी जीत

सुनिश्चित करने के लिए प्रसिद्ध वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल को नियुक्त किया है।

दर्शन के परिवार ने कपिल सिब्बल से मुलाकात की और उन्हें हाई कोर्ट और मामले में दलीलों और बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। वरिष्ठ अधिवक्ता सीवी नागेश ने कर्नाटक हाई कोर्ट में दर्शन के लिए दलीलें रखी थीं।

अभिनेता दर्शन को 131 दिनों की हिरासत के बाद 30 अक्टूबर को चिकित्सा कारणों का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था। बाद में, हाई कोर्ट ने 13 दिसंबर को दर्शन और मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा सहित अन्य आरोपियों को सामान्य जमानत दे दी।

बेंगलूरु पुलिस ने हाई कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाते हुए दिसंबर के अंत में सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। सरकार ने वकील अनिल निशानी के माध्यम से अपनी अपील में 1,492 पन्नों की फाइलें पेश की थीं। सितंबर में बेंगलूरु पुलिस ने इस मामले में 3,991 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की थी।

विधानमंडल के दोनों सदनों का संयुक्त सत्र 3 मार्च से

7 मार्च को पेश होगा राज्य का बजट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का संयुक्त सत्र 3 मार्च से शुरू होगा। 3 मार्च को राज्यपाल थावर चंद गहलोत विधानसभा भवन में दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करेंगे। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा 4 से 6 मार्च तक होगी। इसके अलावा सरकारी समारोह भी आयोजित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 7 मार्च को

2025-26 का बजट पेश करेंगे। 10 मार्च से बजट और सरकारी गतिविधियों पर चर्चा होगी। यह सत्र 3 मार्च से 21 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पहले ही कह चुके हैं कि वह मार्च के अंत तक बजट पर बहस का जवाब देंगे। इसलिए, सत्र शुरू होने के बाद, सदन की व्यावसायिक सलाहकार समिति की बैठक में सत्र की अवधि पर निर्णय लिया जाएगा। दोनों सदनों के मंत्रालयों की ओर से जारी सूचना के अनुसार सत्र कुल 15 दिनों तक चलेगा।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

पीडब्ल्यूडी परिसंपत्तियों के माध्यम से राजस्व सृजन की योजना: मंत्री सतीश जारकीहोली

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की संपत्तियों का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग कर राजस्व उत्पन्न करने की योजना बनाई जा रही है और इस मामले पर अंतिम निर्णय छह महीने के भीतर लिया जाएगा। मंगलवार शाम को डिप्टी कमिश्नर कार्यालय में आयोजित विभागीय प्रगति समीक्षा बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि नेल्लिकट्टे, पुत्तूर में पीडब्ल्यूडी की जमीन पर 17.6 करोड़ रुपये की लागत से एक व्यावसायिक परिसर (जीप्लस 3) बनाने की योजना है। पूरा होने पर इस परियोजना से 1.40 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब इस तरह की पहल की जा रही है। मंत्री ने राज्य राजमार्गों पर आठ पुलों की मरम्मत के लिए 58.75 करोड़ रुपये और जिले की मुख्य सड़कों पर 20 पुलों की मरम्मत के लिए 67.85 करोड़ रुपये की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। मरम्मत का काम चरणों में किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, जिले भर में 426 फुटब्रिजों के निर्माण के लिए 89.46 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। यातायात की भीड़ को कम करने के लिए, बाईपास सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव किया गया है, जिसमें पुत्तूर में नेहरू नगर जंक्शन से बन्नूर होते हुए पडिल तक 2.77 किलोमीटर लंबा मार्ग और केपुलु जंक्शन से जीदेकल्लू होते हुए बेद्राल तक 3.78 किलोमीटर लंबा मार्ग शामिल है।

चारमाडी घाट सड़क सुधार कार्यों में देरी को लेकर चिंता जताई गई। विधायक हरीश पूंजा ने चिंता व्यक्त की कि ठेकेदार द्वारा प्रगति की कमी आगामी मानसून के दौरान समस्याओं का कारण बन सकती है। उन्होंने बताया कि उसी ठेकेदार ने श्रृंगेरी और होरानाडु में काम पूरा करने में वर्षों लगा दिए। एमएलसी मंजूनाथ भंडारी ने सवाल उठाया कि ठेकेदार, जिसने 300 करोड़ रुपये की अनुमानित परियोजना लागत से 40 प्रतिशत कम बोली लगाई थी, इतने कम बजट में काम कैसे पूरा कर पाएगा। सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने अधिकारियों से शिरडी घाट राजमार्ग, मेंगलूरु में बाहरी रिंग रोड विकास और अन्य प्रमुख सड़क उन्नयन के लिए लंबित डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) में तेजी लाने का आग्रह किया। विधायक हरीश पूंजा ने बेल्टांगडी में अधूरे निरीक्षण बंगले (आईबी) को पूरा करने की भी मांग की। बैठक में विधायक उमानाथ कोटियन, वेदव्यास कामथ और डिप्टी कमिश्नर भी मौजूद थे। इसी बीच मुख्यमंत्री बनने की अपनी संभावित महत्वाकांक्षाओं के बारे में अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, जारकीहोली ने कहा कि उनके समर्थक ऐसी इच्छाएं व्यक्त कर सकते हैं, लेकिन सीएम बनना आसान नहीं है। उन्होंने कहा हर जगह लोग कहते हैं कि उनके नेता को सीएम होना चाहिए। यह सिर्फ उनका स्नेह है, लेकिन सीएम पद हासिल करना इतना आसान नहीं है। पार्टी के अंदरूनी कलह की खबरों के बारे में, जारकीहोली ने कहा कि राज्य कांग्रेस नेतृत्व दिल्ली हाईकमान को एक मंदिर की तरह मानता है, जहां पार्टी से जुड़े सभी मुद्दे सुलझाए जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि केपी-सीसी अध्यक्ष डी के शिवकुमार को हटाने का कोई इरादा नहीं है। इस मामले पर हमारा कोई सख्त रुख नहीं है, केवल एक अनुरोध है।

कन्नड़ लोगों के आत्मसम्मान को ठेस न पहुंचाए सरकार: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि कांग्रेस सरकार कन्नड़ लोगों के आत्मसम्मान को ठेस न पहुंचाएं। कांग्रेस पार्टी पहले ही पूरे देश में खुद को खो चुकी है।

उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि यदि कन्नड़ लोगों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई गई तो कर्नाटक में भी कांग्रेस पार्टी का सफाया होना तय है।

उन्होंने इस बारे में एक्स पर पोस्ट किया, ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज, आपने कहा कि गृहलक्ष्मी, अन्नभाग्य का पैसा मासिक वेतन नहीं है। क्या यही वह सम्मान है जो आप मतदाताओं को देते हैं? मतदाता आपसे गृहलक्ष्मी धन या अन्नभाग्य धन की भीख नहीं मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने इन गारंटी योजनाओं के बारे में सुना भी नहीं था। अब आप अपनी कांग्रेस पार्टी की सत्ता के नाम पर गारंटी योजनाओं की घोषणा करके मतदाताओं को क्यों ठग रहे हैं? यदि आप कर सकें तो वादे के अनुसार गारंटी योजनाओं का सम्मान करें। यदि आप इसे संभाल नहीं सकते तो हार मान लीजिए। गारंटी योजनाएं लागू होने से पहले ही लोग जीविका चला रहे थे। वे उनके बिना जीवित रहने में कामयाब हो जाएंगे। अशोक ने सरकार पर कड़ा हमला करते हुए कहा कि कन्नड़ लोग यह कहने की स्थिति में नहीं पहुंचे हैं कि अगर कांग्रेस का मुर्गा बांग देगा तो कर्नाटक में रोशनी आएगी।

लक्ष्मी हेब्बालकर ने किसानों के अनुरोध पर

मालप्रभा जलाशय से अगले 15 दिनों के लिए पानी छोड़ने का आदेश दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, जो मालप्रभा परियोजना सिंचाई सलाहकार समिति की अध्यक्ष भी हैं, ने किसानों की मांग के मद्देनजर मालप्रभा जलाशय से नहरों में 1 मार्च तक पानी छोड़ने का आदेश दिया है। मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विधायकों, महामंडल अध्यक्ष और किसान नेताओं ने चर्चा कर निर्णय लिया था कि चालू वर्ष 2024-25 में मालप्रभा जलाशय से मानसून सीजन के लिए सिंचाई के लिए 14.87 टीएमसी पानी और मानसून के बाद के सीजन के लिए 16 टीएमसी पानी उपलब्ध कराया जाएगा, यानी कुल 30.842 टीएमसी पानी मालप्रभा जलाशय से सिंचाई के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। तदनुसार, उन्होंने कहा कि मालप्रभा जलाशय से सिंचाई के लिए नहरों के माध्यम से 14 फरवरी तक किसानों को सिंचाई के लिए 16 टीएमसी पानी छोड़ा गया है। हालांकि दोनों सीजन समाप्त हो चुके हैं, लेकिन नरगुंड और बादामी के विधायकों और किसान नेताओं ने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर से 15 मार्च तक नहरों में पानी की आपूर्ति जारी रखने की अपील की है। जिसके बाद किसानों के हितों की रक्षा के लिए 15 फरवरी को रोका गया पानी एक मार्च तक सिंचाई नहरों के माध्यम से छोड़ने का आदेश दिया गया। मंत्री ने आवश्यक पेयजल के लिए जून के अंत तक 15 टीएमसी पानी आरक्षित करने और उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, संबंधित जिला कलेक्टरों, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली झीलों को एक मार्च तक पेयजल के लिए भरने के लिए कदम उठाएं।

विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री से आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि मुख्यमंत्री को सब ठीक है का नाटक छोड़ देना चाहिए। राज्य की आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र जारी किया जाना चाहिए।

यहां पत्रकारो से वार्ता में उन्होंने पूछा क्या राज्य में जमा धन का उपयोग किया जा रहा है या उसका दुरुपयोग किया जा रहा है? हमें गारंटी पर कोई आपत्ति नहीं है। इसे अवश्य लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह युवा कोष को लेकर कोई हंगामा नहीं कर रहे हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति निधि का उपयोग गारंटी के रूप में किया गया। उन्होंने इस ओर ध्यान दिलाया कि उस समाज के नेताओं ने मुख्यमंत्री से मिलकर इसके खिलाफ एक याचिका प्रस्तुत की है, जिसमें उनसे आग्रह किया गया है कि हमारे साथ अन्याय न किया जाए। मुख्यमंत्री झूठे हैं। सरकार बेंगलूरु में एक भी गड्ढा बंद करने में असमर्थ है। उन्होंने भूमिगत सुरंगों के बारे में बात करने के लिए उनकी आलोचना की। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि विधायकों को विकास अनुदान नहीं दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। कई लोग यह अनुमान लगा रहे हैं कि सिद्धरामैया ही पूर्णकालिक मुख्यमंत्री होंगे।

उन्हें इस भ्रम से बाहर निकलने की जरूरत है कि वे सभी सिद्धरामैया के पक्ष में हैं। विजयेन्द्र ने कहा कि वे सभी मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी हैं। एक ओर कांग्रेस आलाकमान को सुप्रीम कहा जाता है।

दूसरी ओर सिद्धरामैया के समर्थकों ने आलाकमान को ही चेतावनी दे दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी बात नहीं मानी गई तो वे अपना रास्ता अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में तेजी से राजनीतिक घटनाक्रम घटित होंगे। जब लोकसभा चुनाव आएंगे तो वे गारंटी राशि उपलब्ध कराएंगे। यह गारंटी तब भी लागू रहेगी जब उपचुनाव आएंगे। विजयेन्द्र ने कहा कि जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनाव आने पर पैसा दिए जाने की संभावना है। उन्होंने पूछा क्या आपको लगता है कि राज्य के लोग भिखारी हैं? राज्य में गंभीर सूखे के संकेत पहले से ही दिखाई देने लगे हैं। मुख्यमंत्रियों और सरकार को जाग जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सोई हुई सरकार पेयजल समस्या का तुरंत समाधान करे।

बीपीएल कार्ड लाभार्थियों को अब नकदी के बजाय चावल वितरित किया जाएगा: खाद्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने कांग्रेस सरकार की महत्वाकांक्षी गारंटी योजना अन्नभाग्य के तहत लाभार्थियों को नकद के बजाय चावल देने का फैसला किया है।

विधानसभा में बोलते हुए मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि केंद्र सरकार से चावल मिलने के कारण उन्होंने ओएमएसएस योजना के तहत अतिरिक्त 5 किलो चावल खरीदने और इसी महीने से चावल वितरित करने का फैसला किया है।

चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने घोषणा की थी कि वह अन्नभाग्य योजना के तहत बीपीएल कार्ड लाभार्थियों को 10 किलो चावल देगी। बाद में पर्याप्त चावल न मिलने के कारण लाभार्थियों को 5 किलो चावल दिया गया और शेष 5 किलो चावल के बदले 170 रुपये दिए गए। अन्नभाग्य योजना के तहत कुछ अंत्योदय और बीपीएल कार्डधारकों को अतिरिक्त 5 किलो चावल पिछले तीन महीने से उनके बैंक खातों में जमा नहीं हुआ है। इससे लाभार्थियों में गुस्सा है। बेंगलूरु समेत राज्य के कुछ जिलों में दिसंबर का पैसा जनवरी में ही कुछ लाभार्थियों के खातों में पहुंचा। हालांकि, कई लोगों को तीन महीने से डीबीटी के जरिए पैसा नहीं मिला है। अन्नभाग्य के पैसे का इंतजार करते-करते थक चुकी कई महिला लाभार्थियों ने खाद्य विभाग की लापरवाही पर निराशा जताई है।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां चेम्पिया विश्वकर्मा सभा भवन, सालिगराम के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर एक घातक दुर्घटना हुई, जब एक स्कूटर एक मालवाहक रिक्शा से टकरा गया। इस दुर्घटना में स्कूटर सवार गुंडमी अनंत हेगड़े (40) की मौत हो गई। उनके सह-सवार, चेम्पी मंदिर के प्रबंधक विश्वनाथ नायक को गंभीर चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए ब्रह्मवारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। मालवाहक रिक्शा उडुपी से कुंदापुर जा रहा था, जबकि स्कूटर सालिगराम से गुंडमी की ओर जा रहा था। सभा भवन के पास दोनों वाहन आमने-सामने टकरा गए। दुर्घटना के प्रभाव से अनंत हेगड़े सड़क पर गिर गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों और एम्बुलेंस की तत्काल सहायता के बावजूद, अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई। कोटा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जांच की और मामला दर्ज किया।

बर्ड फ्लू अलर्ट : कर्नाटक ने पड़ोसी राज्यों से पोल्ट्री आयात पर प्रतिबंध लगाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में बर्ड फ्लू के प्रकोप की रिपोर्ट के बाद कर्नाटक ने पड़ोसी राज्यों से पोल्ट्री आयात पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि कर्नाटक में एवियन इन्फ्लूएंजा के किसी भी मामले की सूचना नहीं मिली है, लेकिन इसके प्रसार को रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए गए हैं।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि तेलंगाना में पोल्ट्री की मौत के लिए एच5एन1 वायरस जिम्मेदार है, जिससे कर्नाटक के सीमावर्ती जिलों में चिंता बढ़ गई है। बेंगलूरु में पोल्ट्री व्यापारी भी हाई अलर्ट पर हैं और संक्रमित पक्षियों के प्रवेश को रोकने के लिए सख्त निगरानी लागू की गई है। आंध्र प्रदेश के गुडूर, सुल्लुरपेट, नायडूपेट और वेंकटगिरी क्षेत्रों में सैकड़ों पोल्ट्री की मौत की सूचना मिली है, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई है।

कर्नाटक सरकार को डर है कि पोल्ट्री आयात के माध्यम से वायरस फैल सकता है, जिसके कारण बीदर, बेलगावी और बल्लारी जैसे सीमावर्ती जिलों में प्रतिबंध लगाए गए हैं। निवारक उपाय के रूप में, कर्नाटक ने प्रभावित राज्यों से पोल्ट्री और अंडों के आयात को रोक दिया है। हालांकि, राज्य के भीतर बर्ड फ्लू के मामले न होने के बावजूद, बढ़ते तापमान के कारण पोल्ट्री की बिक्री में गिरावट आई है। महाराष्ट्र के लातूर में बर्ड फ्लू का पता चलने के बाद कर्नाटक के बीदर जिले को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पशुपालन विभाग ने महाराष्ट्र से पोल्ट्री और अंडे के परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया है और कड़ी निगरानी के लिए भालकी, कमलनगर, बसवकल्याण और औरद तालुकों में चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। मनुष्यों में बर्ड फ्लू के लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, मांसपेशियों में दर्द, मतली, सर्दी और सांस संबंधी समस्याएं शामिल हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इन लक्षणों के दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेने की सलाह देते हैं। बर्ड फ्लू या एवियन इन्फ्लूएंजा एक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से पक्षियों को प्रभावित करता है लेकिन यह मनुष्यों में भी फैल सकता है। वायरस के कई प्रकारों ने हाल के वर्षों में वैश्विक चिंता पैदा की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एच5एन1 वायरस का पहली बार मनुष्यों में 1997 में पता चला था और इसकी मृत्यु दर लगभग 60 प्रतिशत है। हालांकि यह वायरस पक्षियों और जानवरों के बीच अत्यधिक संक्रामक है, लेकिन मनुष्य से मनुष्य में इसके संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। एच5एन5 स्ट्रेन अभी तक मनुष्यों में नहीं पाया गया है। अधिकारी कर्नाटक में किसी भी तरह के प्रकोप को रोकने के लिए स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

हमारा लक्ष्य जिले को झोपड़ी मुक्त बनाना है: सांसद सागर खंड्रे

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीदर लोकसभा क्षेत्र के सांसद सागर खंड्रे ने बताया कि जिले को झोपड़ी मुक्त बनाने के उद्देश्य से इस बार 50,000 घरों को मंजूरी दी गई है। अधिक मकान उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय आवास मंत्री शिवराज सिंह को पत्र लिखा गया है।

उन्होंने मंगलवार को राजीव गांधी आवास निगम (नि), जिला प्रशासन और जिला पंचायत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भालकी तालुका के लंजवाड़ गांव में आवास प्लस 2024 ऐप के माध्यम से आवास और बेघरों का सर्वेक्षण और आवास सुविधा पाने का सुनहरा अवसर नामक अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने बी.आर. अंबेडकर और बसवा

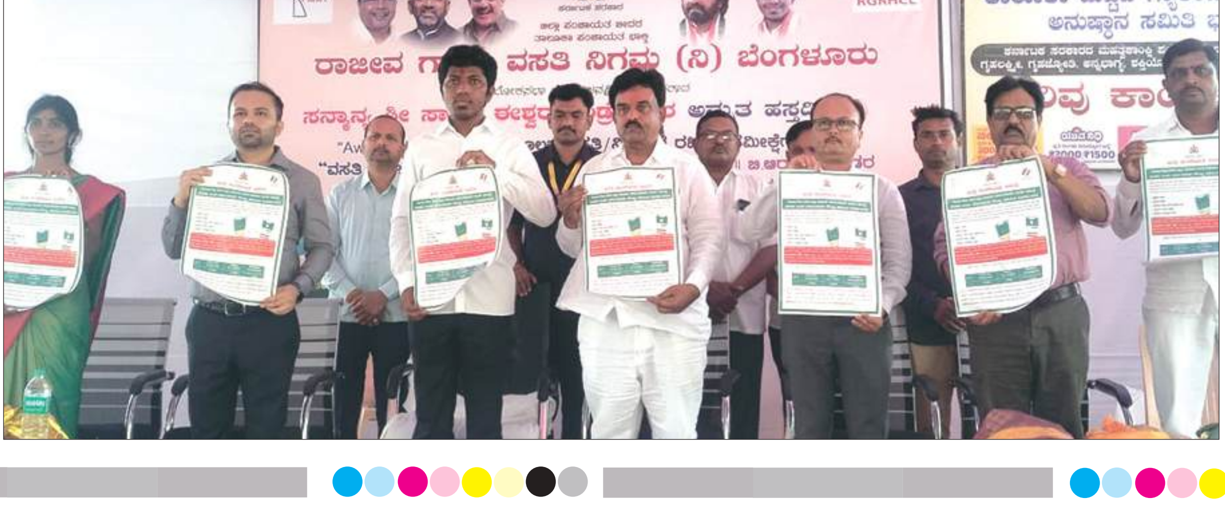

आवास योजना के लाभार्थियों को सूचना पत्र वितरित करने के कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

आवास प्लस 2024 ऐप को प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण आवास योजना के तहत लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य बेघर लोगों को बिना किसी बिचौलियों की परेशानी के आवास उपलब्ध कराना है।

आने वाले दिनों में इस ऐप के माध्यम से सर्वेक्षण किया जाएगा और लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। जिनके पास घर नहीं है, उन्हें इस ऐप पर अपनी जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि लंजवाड़ ग्राम पंचायत के सोमपुरा गांव की लाभार्थी गयाबाई जिले की पहली लाभार्थी है, जिसकी जानकारी आवास प्लस ऐप में शामिल की गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. गिरीश बडोले ने कहा सरकार ने पूर्व में लाभार्थियों के चयन प्रक्रिया में उत्पन्न होने वाली भ्रांतियों को दूर करने के लिए आवास प्लस 2024 ऐप लागू किया है।

इसके माध्यम से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सर्वेक्षण करने के लिए पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को न केवल बिना किसी कमी के सर्वेक्षण करना चाहिए, बल्कि लोगों को भी अधिकारियों के साथ सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में विभिन्न आवास योजनाओं के अंतर्गत चयनित 91 लाभार्थियों को सूचना पत्र वितरित किये गये।

निकट भविष्य में कश्मीर बर्फ के लिए तरसेगा

जम्मू, 19 फरवरी (ब्यूरो)। अगर बदलते मौसम चक्र पर एक नजर दौड़ाएं तो यही लगता है कि कश्मीर निकट भविष्य में बर्फ के लिए तरसेगा। ऐसे में कम बर्फबारी उस स्टडी को चेतावनी के तौर पर लेने को मजबूर कर रही है जिसमें कहा गया है कि भविष्य में कश्मीर बर्फ से वंचित रह सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने यह पूर्वानुमान भी व्यक्त किया है कि फरवरी के अंत तक कश्मीर में कोई भारी बर्फबारी की संभावना कम है। कश्मीर वादी भले ही इन सर्दियों में शीतलहर की चपेट में रही हो मगर कम बर्फबारी ने सभी को निराश किया है जिसका प्रभाव दिखने लगा है।

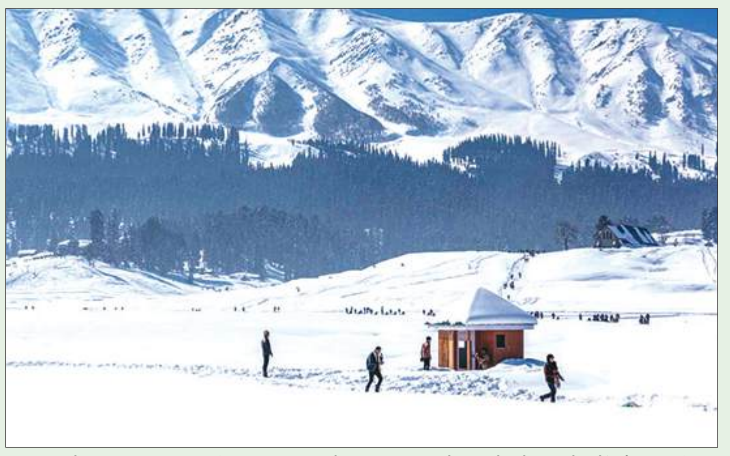

माना कि कश्मीर में सूखे और शुष्क सर्दी से बचने की खातिर अदा की जाने वाली नमाजे इस्तशाका को खुदा ने कई बार सुना और कश्मीरियों की कबूल हुई दुआ हमेशा बर्फ के रूप में गिरी। पर कश्मीरियों को खुश नहीं कर सकी थी क्योंकि दो साल पहले श्रीनगर शहर में गिरने वाली बर्फ 3.4 मिमी बारिश के ही बराबर ही थी। दो साल पहले कश्मीरियों को करीब पांच सालों के अरसे के बाद सूखे और बर्फ से निजात पाने की खातिर नमाजे इस्तशाका का सहारा लेना पड़ा था। पांच साल पहले ऐसा हुआ था। उसके अगले दो साल भी इतनी खुशी तो नहीं दे पाए थे लेकिन तीसरा साल बर्फीले सुनामी के तौर पर सामने जरूर आया था। वर्ष 2007 खुशियों से भरा था क्योंकि सर्दी और बर्फ समय से पहले आ गई थीं।

अगर कुछ इसे भगवान का चमत्कार मान रहे हैं तो कुछ ग्लोबल वार्मिंग का नतीजा। लेकिन कश्मीर के मौसम पर स्टडी कर रिपोर्ट तैयार करने वाले रिसर्च स्कालर अर्जिमंद तालिब हुसैन की रिपोर्ट एक छुपी हुई चेतावनी दे रही है। यह चेतावनी कश्मीर से बर्फ के पूरी तरह से गायब हो जाने के बारे में है। तालिब हुसैन की रिसर्च कहती है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है। यह औसतन कश्मीर में 1.450 डिग्री ऊपर गया है और जम्मू में 2.320 डिग्री। हालांकि मौसम विभाग कहता है कि जम्मू कश्मीर में 0.050 डिग्री की दर से प्रतिवर्ष तापमान में वृद्धि हो रही है। इस स्टडी रिपोर्ट की चेतावनी सच्चाई में भी बदल रही है। कश्मीर में अभी तक कम बर्फबारी तथा साल में 9 महीने बंद रहने वाले जोजिला दर्रे के पिछले बार लंबे समय तक खुले रहने की सच्चाई चेतावनी ही थी। याद रहे जोजिला दर्रे पर हमेशा 20 फुट बर्फ जमी रहती थी और साल के 9 महीने इसे बंद रखना पड़ता था पर पिछले कुछ सालों से इसके खुलने का समय लगातार बढ़ता जा रहा है और वर्ष 2008 में तो इसने हद ही कर दी क्योंकि सर्दियों में इसे पूरी तरह बंद इसलिए नहीं किया जा सका क्योंकि हैवी स्नोफाल ही नहीं हुआ था। इस बार भी यही हाल है।

स्टडी रिपोर्ट कहती है कि मौसम का चक्र भी ग्लोबल वार्मिंग ने बदल दिया है। यहां पहले दिसम्बर और जनवरी में बर्फ गिरा करती थी वह अब फरवरी और मार्च में होने लगा है। कश्मीर में स्नो सुनामी अगर इसकी पुष्टि करता है तो वर्ष 2007 के मई के पहले सप्ताह में ऊंचे पहाड़ों पर गिरने वाली बर्फ भी इसकी पुष्टि करती है। ऐसे में इस रिपोर्ट की चेतावनी कश्मीरियों को डरा जरूर रही है जो कह रही है कि अगर ग्लोबल वार्मिंग को थामा नहीं गया तो कश्मीर आने वाले सालों में बर्फ से पूरी तरह से वंचित हो सकता है और फिर कोई भी ऐसा नहीं कहेगा कि कश्मीर धरती का स्वर्ग है। हालांकि बर्फ से वंचित होने की चेतावनी के साथ ही कश्मीर में खाद्य सामग्री की किल्लत की भी चेतावनी यह स्टडी रिपोर्ट दे रही है।

कई साल से मांगी जा रही किराएदारों की जानकारी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 19 फरवरी।

सांबा और जम्मू जिलों के उपायुक्तों द्वारा पुलिस के निवेदन पर एक बार फिर इन जिलों में रह रहे किराएदारों का सत्यापन करवाने और तीन दिनों के भीतर ऐसा न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। इस आदेश की सच्चाई यह है कि पिछले 10 सालों के दौरान पुलिस और प्रशासन द्वारा ऐसे कितने आदेश निकाले जा चुके हैं अब दोनों को भी शायद याद नहीं हैं।

अगर देखा जाए तो साल में दो से तीन बार ऐसा आदेश निकाला जा रहा है। पर किराएदारों के सत्यापन करवाने वालों का आंकड़ा एक से दो परसेंट से आगे ही नहीं बढ़ पाया है। दरअसल ऐसा न कर पाने वालों पर भारतीय संविधान की धारा 188 के तहत कार्रवाई की जो चेतावनी दी गई है उसमें अधिकतम जुर्माना 200 रुपया है। कल भी देर शाम सांबा व जम्मू के उपायुक्तों द्वारा ऐसा ही एक आदेश जारी किया गया। पर वे इसके प्रति चुप्पी साधे हुए हैं कि इतने सालों से इस आशय के जो आदेश निकाले गए उनका परिणाम क्या हुआ। कितने डिफाल्टरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

जम्मू में किराएदारों का सत्यापन करने की आवश्यकता पुलिस ने वर्ष 2014 में उस समय महसूस की थी जब एक आतंकी कमांडर अब्दुल्ला कारी शहर के बीचो बीच जानीपुर इलाके में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। वह उस मकान में कई महीनों से किराए पर रह रहा था। सिर्फ अब्दुल्ला कारी ही नहीं बल्कि उसके बाद के वर्षों में भी किराएदारों के तौर पर रह रहे कई आतंकी मारे गए। कई आतंकी पकड़े गए और कई ओवर ग्राउंड वर्कर भी दबोचे गए। हर घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने किराएदारों के सत्यापन करवाने का फरमान तो जारी किया पर डिफाल्टरों के विरुद्ध कोई कार्रवाई न होने के कारण ही मकान मालिकों ने इसे बहुत ही हल्के तौर पर लिया। यह अभी भी जारी है। एक अधिकारी के बकौल, अगर मकान मालिकों ने पहले के आदेशों को गंभीरता से लिया होता तो हर छह महीनों के बाद ऐसा फरमान जारी करने की नौबत ही नहीं आती।

पुलिस और अपराधी के बीच हुआ मुठभेड़, पुलिस ने खदेड़कर दबोचा

गया, 19 फरवरी (एजेंसियां)। गया में बुधवार की देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस घटना में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि एक अन्य को पुलिस ने खदेड़कर दबोच लिया। घायल अपराधी की पहचान गुरुआ थाना क्षेत्र के सकल बीघा निवासी धर्मेंद्र पासवान के रूप में हुई। उसे मगध मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। दूसरे पकड़े गए बदमाश की पहचान को लेकर पुलिस ने कोई खुलासा नहीं किया है। घटना डोभी थाना क्षेत्र की है।

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि गुप्त सूचना मिली थी कि चतरा मोड़ के पास कुछ अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए जुटे हैं। टेक्निकल सेल की रिपोर्ट पर एसएसपी ने त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए। डोभी और बहेरा पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। जैसे ही पुलिस ने घेराबंदी की, अपराधी भागने लगे। अपराधियों को भागते देख पुलिस ने उनको रुकने का आदेश दिया, लेकिन अपराधी लगातार भागते रहे। पुलिस ने भी तुरंत उनका पीछा किया।

पुलिस ने बताया कि पीछा करने पर अपराधी भारत गैस एजेंसी रोड की ओर भागे लगे। इस दौरान उन अपराधियों ने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। गोली लगते ही वह गिर पड़ा, जिसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। फिर एक अन्य अपराधी को पुलिस ने खदेड़कर दबोच लिया। घायल अपराधी की पहचान गुरुआ थाना क्षेत्र के सकल बीघा निवासी धर्मेंद्र पासवान के रूप में हुई। उसे मगध मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। दूसरे पकड़े गए बदमाश की पहचान को लेकर पुलिस ने कोई खुलासा नहीं किया है। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही एसएसपी, सिटी एसपी और शेरघाटी डीएसपी मौके पर पहुंचे। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ जारी है। पुलिस इस गिरोह के नेटवर्क को खंगाल रही है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर के घर पर पहुंची एनआईए तो पाकिस्तान से जुड़े तार

देश में खपाता था जाली नोट

भागलपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार सुबह भागलपुर में जाली नोट के कारोबार से जुड़े आरोपितों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई इशाकचक थाना क्षेत्र के भीखनपुर इलाके में की गई, जहां एनआईए की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से नजरे सद्दाम के घर की तलाशी ली और परिजनों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी बिहार के मोतिहारी में पिछले साल सितंबर 2024 में हुए एक बड़े खुलासे के बाद की गई, जब भारत-नेपाल सीमा के पास पुलिस ने दो लाख रुपये के जाली नोटों के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें भागलपुर निवासी नजरे सद्दाम भी शामिल था, जो एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर होने के बावजूद जाली नोटों के नेटवर्क का हिस्सा बना हुआ था।

जांच एजेंसी को ऐसे पुख्ता सबूत मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि जाली नोटों का नेटवर्क पाकिस्तान और कश्मीर में सक्रिय देशविरोधी संगठनों से जुड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि नजरे सद्दाम नेपाल के भोरे गांव में दो स्थानीय तस्करों के जरिए पाकिस्तानी एजेंटों से मिला था और उन्हीं की मदद से जाली नोटों को भारत में सप्लाई करता था।

एनआईए की जांच में यह भी सामने आया है कि नजरे सद्दाम पहले भी दिल्ली होते हुए कश्मीर के अनंतनाग तक जाली नोटों की खेप पहुंचा चुका था। वहां उसकी मुलाकात उग्रवादी संगठनों से जुड़े लोगों से हुई थी। वह नेपाल के संतोष सहनी के माध्यम से रुपये लेकर कश्मीर के सरफराज तक पहुंचाता था, जो इन पैसों का इस्तेमाल उग्रवादी गतिविधियों में करता था।

एनआईए की टीम ने छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए हैं, जिनसे इस रैकेट के और विस्तार की जानकारी मिलने की संभावना है। हालांकि, अधिकारियों ने फिलहाल जांच से जुड़ी अधिक जानकारी साझा करने से इनकार किया है। एनआईए की इस कार्रवाई से जाली नोट कारोबार में लिप्त बड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसने की उम्मीद है। जांच एजेंसी अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके संपर्कों को ट्रैक कर रही है।

एकता कपूर से पद्मश्री वापस लेने की मांग

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर को दिया गया पद्मश्री वापस लेने की मांग उठी है। भारत के अलग-अलग हिस्सों के 108 वकीलों ने पद्मश्री वापस लेने की अपील राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की है। उन्होंने इसको लेकर एक पत्र भी राष्ट्रपति मुर्मू को लिखा है।

इन वकीलों ने एकता कपूर पर वेब सीरीज के जरिए समाज में अश्लीलता फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एकता कपूर की बनाई वेब सीरीज नैतिक मूल्यों के पतन का काम कर रही हैं और पवित्र समझे जाने वाले रिश्तों पर भी कलंक लगा रही हैं। उन्होंने अपने पत्र में एकता कपूर द्वारा बनाई ऐसी तमाम वेब सीरीज की जानकारी भी राष्ट्रपति को दी है। वकीलों ने आरोप लगाया है कि एकता कपूर का बनाया यह कंटेंट भारतीय युवाओं और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है।

वकीलों ने मांग की है कि इससे पद्मश्री पुरस्कार की भी गरिमा खतरे में हैं, ऐसे में इसे वापस लिया जाए। गौरतलब है कि एकता कपूर को 2021 में पद्मश्री पुरस्कार दिया गया था। यह पुरस्कार उनके टीवी एवं सिनेमा में योगदान के चलते दिया गया था।

विपक्ष पर योगी आदित्यनाथ का कटाक्ष

भाजपा से लड़ते-लड़ते भारत से लड़ने लगे

राजनीतिक स्वार्थ के लिए सनातन और भारत को बदनाम न करें

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों से कहा कि आप भारत को क्यों बदनाम कर रहे हैं। मुझे अफसोस है कि आप भाजपा से लड़ते-लड़ते भारत से लड़ने लगे। सीएम ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के वक्तव्य 'हमारा देश कभी विकसित भारत नहीं बन सकता' को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए अखबार में छपी यह खबर दिखाई। बोले कि एक राजनीतिक दल अपने देश के प्रति इतनी दुर्भावना रखता है। अब तो लोग भी कहने लगे कि राहुल गांधी की उपस्थिति देश और अखिलेश यादव की उपस्थिति उत्तर प्रदेश में भाजपा के जीत की गारंटी है। यह गारंटी उपचुनाव ने दे दी है। सीएम ने कहा कि महाकुंभ पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। शालीनता व मर्यादा से अपनी बात रखिए, लेकिन जीवित लोगों को मृतक न बताइए। तीर्थयात्रा में लोग श्रद्धा के साथ जाते थे। आस्था को कैसे कोई रोक सकता है, उन्हें बदनाम न कीजिए।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों से मार्मिक अपील की कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए सनातन व भारत को बदनाम न कीजिए। शासन पर प्रश्न खड़ा कीजिए, लेकिन महाकुंभ और आस्था पर नहीं। पहले आपने कहा कि संख्या बढ़ाचढ़ा कर कही जा रही है। उसे देखने स्वयं सपा मुखिया पहुंच गए कि वास्तव में भीड़ हो रही है कि नहीं। अब कह रहे कि भीड़ बहुत अधिक हो रही है, लोगों को स्नान का मौका नहीं मिल रहा है। तिथि आगे बढ़ा दीजिए। यह इनका दोहरा चरित्र है। पहले विरोध करते हैं, फिर कहते हैं कि तिथि आगे बढ़ा दीजिए। यही बात अभी चच्चू (शिवपाल यादव) भी कह रहे थे, लेकिन तिथि हम नहीं तय करते। यह आयोजन पौष पूर्णिमा से शिवरात्रि तक होना है। शिवरात्रि की तिथि तय है। यह शास्त्रीय ज्योतिषीय गणना के अनुरूप ही होगी। इससे आगे नहीं बढ़ सकते।

मुख्यमंत्री ने शिवपाल यादव की चुटकी लेते हुए धन्यवाद दिया कि आपने मिल्कीपुर में सहयोग किया। सीएम ने राहुल गांधी व अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि नाम का असर होता ही है। पप्पू और टप्पू में बहुत अंतर नहीं होता। चच्चू ने वैसे ही नाम नहीं रखा है। अभी चच्चू शांत हैं, लेकिन समय आने पर अपना रंग दिखाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन, पूज्य संतों के सानिध्य में यह आयोजन विराट बना है। यह एकात्मता का महाकुंभ है। एकात्मता के भाव ने हमें और दुनिया को एकता के सूत्र में

जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने सपा सदस्यों को इंगित करते हुए कहा कि आपकी परेशानी समझ सकता हूं। आपकी राजनीति विभाजनकारी और जाति-जाति के बीच में विखंडन की है। इसका जवाब देश व उत्तर प्रदेश ने भी दे दिया। देश ने हरियाणा, महाराष्ट्र व दिल्ली और प्रदेश ने मीरापुर, गाजियाबाद, कुंदरकी, खैर, फूलपुर, मझवा, मिल्कीपुर व कटेहरी के विजय के माध्यम से दिया है। आप करहल जीत जाएं तो आपकी विजय, भाजपा कुंदरकी और कटेहरी जीत रही है तो आप स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं यानी भारत की संवैधानिक व्यवस्था में आपका विश्वास नहीं है। वोट देने वाली जनता-जनार्दन का आप उपहास उड़ा रहे हैं। उसका अपमान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुष्प्रचार की भी सीमा होता है, उस सीमा को भी सपा ने पार करके इस आयोजन को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सपा के लोग पूरी व्यवस्था को झुठलाने का कार्य कर रहे थे। डिजिटल कुंभ पर सवाल खड़ा हुआ। उन्होंने बताया कि 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अलग-अलग समय में परिवारजनों से बिछड़े थे। समाजवादी पार्टी ने लिखा है कि महाकुंभ में मची भगदड़, सरकारी अव्यवस्था, कुप्रबंधन के कारण हजारों लोग लापता हैं। कौन मरा, कौन जिंदा, कुछ पता नहीं चल रहा है। सिर्फ गोरखपुर क्षेत्र के दो मंडलों में ही 35 लोग लापता हैं। मुख्यमंत्री ने विभिन्न अखबारों के समाचारों को दिखाकर इसका जवाब दिया। सीएम ने बताया कि मौनी अमावस्या को 8725, 13 से 15 जनवरी तक 598 व 2 से 4 फरवरी तक 813 श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्र के जरिए परिजनों से मिलाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है। जर्मनी के अक्टूबर फेस्ट में 72 लाख पर्यटक और ब्राजील के रियो कॉर्निवाल में 70 लाख पर्यटक पहुंचते हैं। हज में भी लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। अभी एक सप्ताह बाकी है, फिर भी महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या ने 56 करोड़ की सीमा लांघ चुकी है। भारत और चीन के अलावा किसी अन्य देश की आबादी इससे अधिक नहीं है। यूरोपीय संघ की कुल आबादी 44.90 करोड़, संयुक्त राज्य अमेरिका की आबादी 34.66 करोड़ है। पाकिस्तान, बांग्लादेश की कुल आबादी को भी जोड़ देंगे, उससे अधिक लोग प्रयागराज महाकुंभ में आ चुके हैं। आप सदन में मुद्दा उठा सकते हैं, लेकिन शब्दों की मर्यादा का ध्यान अवश्य रखिए। बताया गया कि हजारों मौत हो गई। सपा-कांग्रेस के नेताओं ने गैर जिम्मेदाराना बयान दिए।

सीएम ने अखबार की कटिंग दिखाते हुए प्रयागराज का एक किस्सा सुनाया। बोले कि जिन्हें आप मृत बता रहे थे 'भगदड़ में जिसे मृत माना, वह तेरहवीं के दिन घर पहुंचा' (अखबार की हेडिंग) जीरो रोड के वह खूंटी गुरु मौनी अमावस्या के बाद से लापता थे, जिस दिन उनका ब्रह्मभोज था, वह अचानक पहुंच गए। आयोजन निरस्त करना पड़ा। सपा सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए योगी ने कहा कि आप जैसे कुछ महापुरुष कैमरा लेकर खड़े होंगे। लोगों से बुलवाएंगे कि सरकार व्यवस्था नहीं कर पाई होगी, लेकिन वे खुद ही प्रकट हुए और बोले होंगे कि इन नमूनों पर विश्वास न कीजिए। यह झूठ के सौदागर हैं, मैं अभी जीवित हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में कोई भूखे नहीं रह सकता है। गुरुद्वारे, मठ-मंदिर में निशुल्क लंगर चलते हैं। वहां जाति-पंथ, क्षेत्र, भाषा नहीं पूछी जाती, बल्कि लोग अतिथि मानकर भोजन कराते हैं। यह भारत है। सीएम ने कहा कि स्थानीय स्तर पर लोगों को थोड़ी-बहुत कठिनाई हो रही होगी, लेकिन वे आनंदित भी हो रहे हैं। सीएम ने तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, गोरखपुर, प्रयागराज का उदाहरण दिया। बोले कि प्रयागराज में भगदड़ या सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों के परिवार के साथ सरकार खड़ी है। इन सभी घटनाओं की जांच के लिए गठित ज्यूडिशियल कमीशन काम कर रहा है। सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि प्रयागराज भगदड़ का गुनहगार कोई भी होगा, कहीं भी छिपा होगा, कितना भी बड़ा क्यों न होगा, वह बचेगा नहीं।

विवाहिता की संदिग्ध मौत के बाद शव गायब

मुजफ्फरपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद शव को गायब करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या कर सबूत मिटाने का आरोप लगाया है। घटना के बाद मृतका के ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हालांकि पुलिस का कहना है कि अब तक मृतका के परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

जानकारी के मुताबिक, 25 वर्षीय मृतका मनीषा कुमारी की शादी वर्ष 2021 में साहेबगंज थाना क्षेत्र के धर्मपुर निवासी जितेंद्र भगत से हुई थी। शादी के बाद उसके दो बेटियां (तीन वर्ष और दो वर्ष) हैं। मृतका के मायके पक्ष का आरोप है कि ससुराल-वालों ने मनीषा की हत्या कर दी और हत्या के बाद शव का आनन-फानन में दाह संस्कार भी कर दिया, ताकि सबूत मिटाया जा सके। जब मायके पक्ष के लोग ससुराल पहुंचे तो वहां ससुराल-वाले पहले ही फरार हो चुके थे। मृतका के परिजनों ने बताया कि उन्हें जब मनीषा की मौत की खबर मिली, तो वे तुरंत उसके ससुराल पहुंचे। लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया था। इस बात से वे स्तब्ध रह गए और हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलते ही साहेबगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस संबंध में थाना प्रभारी सिकंदर कुमार ने बताया कि एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। हालांकि अब तक मृतका के परिजनों ने कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। अगर आवेदन दिया जाता है, तो पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और ससुराल पक्ष के फरार लोगों की तलाश में जुटी है।

विधानसभा में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संगम का जल नहाने योग्य, अफवाह फैला रहा विपक्ष

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन को लेकर अफवाह फैलाने वाले करोड़ों लोगों की आस्था का अपमान कर रहे हैं। अब तक महाकुंभ में 56 करोड़ से भी ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि संगम का जल साफ है और डुबकी लगाने योग्य है। विपक्ष के लोग इसमें मानव मल होने का दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन किसी सरकार का आयोजन नहीं है। यह सनातन संस्कृति का आयोजन है। महाकुंभ पर अफवाह फैलाने वाले और अनर्गल आरोप लगाने वाले सनातन आस्था का अपमान कर रहे हैं। इस पर राजनीति नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी विधानसभा में महाकुंभ पर संक्षिप्त चर्चा में जवाब दे रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के लोग महाकुंभ का पहले दिन से ही विरोध कर रहे हैं। इनकी एक सहयोगी ममता बनर्जी ने महाकुंभ को मृत्युकुंभ कहा है। इसी तरह राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने इसे फालतू की बात कहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि महाकुंभ की भगदड़ में हजारों लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि अगर सनातन संस्कृति का पालन करना अपराध है तो हम से अपराध हजार बार करेंगे। उन्होंने सपा पर हमला करते हुए कहा कि संक्रमित व्यक्ति का उपचार हो सकता है संक्रमित सोच का कोई उपचार नहीं है। महाकुंभ महान आयोजन है। महान कार्य को तीन अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। उपहास से, विरोध से और स्वीकृति से। स्वीकृति का इससे अधिक प्रमाण क्या हो सकता है कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुद चुपचाप जाकर महाकुंभ में डुबकी लगा आए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ किसी पार्टी विशेष और सरकार का नहीं, बल्कि समाज का आयोजन है। सरकार पीछे है। सरकार सहयोग और उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिए सेवक के रूप में है। सेवक के रूप में उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना हमारी जिम्मेदारी है। हम तत्परता के साथ ऐसा करेंगे, क्योंकि हमें अपनी जिम्मेदारियों का अहसास है। हमारे मन में भारत की सनातन परंपराओं के प्रति श्रद्धा का भाव है और उन श्रद्धाओं को सम्मान देना हमारा दायित्व है। सौभाग्य है कि सदी के महाकुंभ के साथ सरकार को जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। तमाम दुष्प्रचार को दरकिनार करते हुए देश-दुनिया ने इस आयोजन के साथ सहभागी बनकर इसे सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया है।

प्रतिपक्ष के सदस्य डॉ. आरके पटेल, संग्राम सिंह यादव, आराधना मिश्रा मोना का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे जिम्मेदारियों का अहसास है। 29 जनवरी के भगदड़ के शिकार श्रद्धालुओं और प्रयागराज कुंभ के दौरान सोनभद्र, अलीगढ़ या अन्य जगहों पर महास्नान में आने और वापस जाने के दौरान जो श्रद्धालु सड़क दुर्घटना के शिकार हुए हैं। हम उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। हमारी संवेदना परिवारजनों के प्रति है। सरकार उनके साथ खड़ी है और हरसंभव मदद करेगी। प्रश्न यह है कि इस पर राजनीति करना कितना उचित है। मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा सदस्य मनोज पांडेय को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अफवाहों का उल्लेख किया। सीएम ने कहा कि काहिरा, नेपाल, झारखंड व देश की अन्य दुर्घटनाओं को महाकुंभ व झूंसी के साथ जोड़कर दुष्प्रचार करके अफवाह फैलाने का कार्य हो रहा है, ऐसा करने वाले आखिर कौन लोग थे।

मुख्यमंत्री योगी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए एक शेर सुनाया, बड़ा हसीन है इनकी जुबान का जादू, लगाकर आग बहारों की बात करते हैं। जिन्होंने रात में चुन-चुन के बस्तियों को लूटा, वही नसीबों के मारों की बात करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, यह उर्दू नहीं, हिंदी है। जब प्रदेश की स्थानीय बोलियों को सदन में महत्व मिला तो उन्होंने विरोध किया। हर अच्छे कार्य का विरोध करना समाजवादी संस्कार है। उन्होंने कहा कि हिंदी इस सदन की भाषा है। हिंदी को तो हटाया नहीं, बल्कि सदस्यों को छूट दी गई है कि वे इन बोलियों में बोल सकते हैं। यह थोपा नहीं गया, बल्कि सुविधा है। भोजपुरी, ब्रज, अवधी व बुंदेलखंडी की लिपि भी देवनागरी है। सभी कार्य संविधान द्वारा घोषित व्यवस्था के दायरे में हुआ है। इसका आपको स्वागत करना चाहिए और इस कार्य के साथ सकारात्मक भाव के साथ जुड़ना चाहिए। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को संबोधित करते हुए कहा कि आपके विरोध का मैं उपहास नहीं उड़ाता, क्योंकि आपकी आदत मुझे मालूम है। सीएम ने तंज कसा कि आज के समाजवादियों के बारे में मान्यता है कि जिस थाली में खाते हैं, उसमें ही छेद करते हैं।

फेकल कोलीफॉर्म से दूषित हो रही गंगा, बीमार हो रहे लोग

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने अपनी हालिया रिपोर्ट में पानी में फैली गंदगी को लेकर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गंगा और यमुना का जल फिलहाल नहाने के लायक नहीं है। प्रयागराज में जारी महाकुंभ इन दिनों दुनियाभर के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। भारत ही नहीं, विश्व के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। अब तक के आंकड़ों के अनुसार 56 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। हालांकि यहां इकट्ठा होती भीड़ और रोज करोड़ों लोगों के संगम में डुबकी लगाने के कारण जल प्रदूषण बढ़ता जा रहा है।

सीपीसीबी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि संगम समेत कई जगहों पर फेकल कोलीफॉर्म (खतरनाक बैक्टीरिया) बढ़ गया है। इसका स्तर 2,500 यूनिट प्रति 100 मिलीलीटर की तय सीमा से बहुत ज्यादा हो गया है, जिससे गंभीर प्रदूषण का संकेत मिलता है। चूंकि अभी भी रोजाना बड़ी संख्या में यहां लोग स्नान कर रहे हैं इससे प्रदूषण का स्तर बढ़ने और इसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने का जोखिम हो सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया है कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में विभिन्न स्थानों पर फेकल कोलीफॉर्म का स्तर बढ़ गया है। ये जल स्नान के लिए अनुरूप नहीं है।

गौरतलब है कि पानी की गुणवत्ता के आकलन के लिए फेकल कोलीफॉर्म का परीक्षण किया जाता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि पानी पीने, तैरने या अन्य गतिविधियों के लिए सुरक्षित है या नहीं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यहां से संभावित रूप से जलजनित बीमारियों के फैलने का जोखिम बढ़ सकता है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि फेकल कोलीफॉर्म से दूषित पानी में नहाने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। ये गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण जैसे दस्त, उल्टी और पेट में एंठन की दिक्कतों को बढ़ा सकता है। इतना ही नहीं दूषित जल के संपर्क के कारण त्वचा और आंखों में संक्रमण का भी खतरा रहता है।

दूषित जल के कारण चकत्ते, आंखों में जलन और फंगल इंफेक्शन का जोखिम बढ़ जाता है। जिन लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है उनमें फेफड़ों में संक्रमण का भी जोखिम हो सकता है, जिसको लेकर संगम जाने वाले सभी लोगों को अलर्ट किया जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, तीर्थयात्रियों के लिए तत्काल जोखिम के अलावा, यह प्रदूषण स्थानीय लोगों के लिए भी एक बड़ा खतरा है जो अपनी दैनिक जरूरतों के लिए गंगा पर निर्भर हैं। पानी में बैक्टीरिया की वृद्धि के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, जिसको ध्यान में रखते हुए स्थानीय लोगों को पीने के पानी की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते रहने की जरूरत है। इधर प्रयागराज महाकुंभ से बनारस लौटे बड़े संख्या में नागा साधुओं में एलर्जी की समस्या देखी जा रही है।

माफियाओं और बाहुबलियों में पाप धोने की होड़

संगम में डुबकियां लगा रहे बेजोड़

महाकुंभ नगर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में पवित्र संगम में स्नान कर सारे पाप धोने की होड़ में माफिया और बाहुबलि भी पीछे नहीं हैं। वे भी खूब डुबकियां लगा रहे हैं। बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह, पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह, रामू द्विवेदी, विधायक सुशील सिंह, अभय सिंह समेत बिहार के कई बाहुबलि संगम में लगातार डुबकी लगा रहे हैं। महाकुंभ में हर दिन कोई न कोई बड़ी हस्ती संगम में डुबकी लगाकर खुद को धन्य मान रहा है। मगर इस बार का महाकुंभ कई मायनों में विशिष्ट रहा है। पुण्य कमाने की होड़ में इस बार पूर्वांचल और बिहार के बाहुबली भी पीछे नहीं हैं। सियासत के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह, पूर्व एमएलसी ब्रजेश सिंह, रामू द्विवेदी, विधायक सुशील सिंह और अभय सिंह समेत बिहार के कई बाहुबलियों ने भी संगम में डुबकी लगाई है। साथ ही वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। गंगा, यमुना और सरस्वती का त्रिवेणी संगम धर्म के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के लिए भी चर्चा में है। राजनीति, उद्योग और फिल्म जगत के दिग्गजों का संगम स्थल पर जमावड़ा हुआ है।

सभी ने महाकुंभ का हिस्सा बनकर खुद को धन्य माना। दबंग और बाहुबली कहे जाने वाले लोग भी संगम पर पुण्य कमाने चले आ रहे हैं। बाहुबली कहे जाने वाले यह लोग सफेदपोश हो चुके हैं।

एक बाहुबली तो हेलीकॉप्टर से आए, कई के प्रोटोकॉल का वीडियो वायरल हो गया। इनकी गाड़ियों का काफिला पांटून पुल से गुजरा तो श्रद्धालु देखकर हैरान हो गए। सियासत के बाहुबली लाव-लश्कर के साथ वीआईपी प्रोटोकॉल में आए तो उन्होंने साधु-संतों के शिविर में जाकर उनका पैर छूकर आशीर्वाद लिया और फोटो भी खिंचवाई, सभी ने उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया। महाकुंभ में जनता भले ही जाम से परेशान है, उनकी गाड़ियां दस किमी दूर ही रोक दी जा रही हैं, लेकिन बाहुबलियों की गाड़ियां किसी ने नहीं रोकी।

प्रयागराज में अतीक गिरोह का सभी कुंभ में ठेका आदि में हस्तक्षेप रहता था। अतीक अपना पोस्टर भी लगवाता था। लेकिन उसके खात्मे के बाद न तो उसके गुर्गे कहीं नजर आए और न ही उसके नाम पर किसी ने अफसरों को धमकी ही दी। अलबत्ता उसके खिलाफ कुछ लोगों ने पोस्टर जरूर लगाए, जिसे प्रशासन ने बाद में हटवा दिया।

मुख्तार अब्बास नकवी की पत्नी सीमा सिंह नकवी ने किया संगम स्नान

महाकुंभ नगर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की पत्नी सीमा सिंह नकवी अपने परिवार के साथ महाकुंभ पहुंचीं और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस अवसर पर उन्होंने जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि समेत अन्य संत-महात्माओं से मुलाकात की और आशीर्वाद लिया।

सीमा सिंह नकवी ने महाकुंभ को भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह अध्यात्म और श्रद्धा का भव्य संगम है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महाकुंभ के आयोजन के लिए की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यहां की सुरक्षा, सफाई और यातायात प्रबंधन अत्यंत प्रभावी है। संगम स्नान के बाद परिवार के अन्य सदस्यों ने भी धार्मिक स्थलों का दर्शन किया। महाकुंभ में अपनी उपस्थिति को आध्यात्मिक अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि इस आयोजन से पूरे विश्व को भारत की सांस्कृतिक महानता का संदेश मिलता है। स्नान और संत दर्शन के पश्चात वे परिवार सहित लखनऊ के लिए रवाना हो गईं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में आज षस्टमयाम तिथि पर प्रयागराज कुंभ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने संगम में डुबकी लगाई। स्नान के बाद मां गंगा का पूजन अर्चन कर अजय राय ने लोक कल्याण की कामना की एवं समूचे देश की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

यूपी-बिहार तक फैला धंधा : काली मिर्च में मिला रहे पपीते के बीज

हर महीने खप रही 40 करोड़ की मिलावटी काली मिर्च

गोरखपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के गोरखपुर में धंधेबाज हर महीने 40 करोड़ की मिलावटी काली मिर्च खपा रहे हैं। शाहजहांपुर, दिल्ली और कानपुर के धंधेबाज गोरखपुर की मंडी में मिलावटी काली मिर्च पहुंचा रहे हैं। यह माल गोरखपुर के रास्ते बिहार और नेपाल तक जा रहा है।

धंधबाजों ने मुनाफे के लिए खाने-पीने की हर चीज में मिलावट कर रखा है। शहर में बिक रहे मसालों में ज्यादातर मिलावटी हैं। शाहजांपुर और कानपुर के धंधेबाज काली मिर्च में बारीकी से मिलावट कर उसे गोरखपुर पहुंचा रहे हैं। शहर में हर महीने करीब 40 करोड़ की मिलावटी काली मिर्च खपाई जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को लालडिग्गी क्षेत्र स्थित स्वास्तिक ट्रांसपोर्ट फाउंडेशन के गोदाम से काली मिर्च और खड़ी हल्दी का नमूना लिया। गोदाम में 16 बोरी काली मिर्च रखी हुई थी, जिसमें रंग और तेल के मिलावट होने की आशंका थी।

कानपुर से मिलावटी काली मिर्च की सप्लाई की जा रही है। कानपुर में ही काली मिर्च में पपीते और भिंडी के बीज मिलाए जाते हैं। इसके रंग में फर्क न आए इसके लिए कुछ केमिकल भी मिलाते हैं। मिलावटी माल पकड़ में न आए इसके लिए ट्रांसपोर्ट की बिलिंग कर मंडी तक लाया जाता है।

इसमें शाहजहांपुर, कानपुर और दिल्ली के धंधेबाज जुड़े हुए हैं। गोरखपुर की मंडी में हर महीने करीब 25 हजार क्विंटल काली मिर्च की खपत है। इसमें 10 हजार क्विंटल मिलावटी रहता है। मिलावटी मिर्च की कीमत 375 से 410 रुपए प्रति किलो है। वहीं असली काली मिर्च का रेट 670 से 800 रुपए प्रति किलो है। व्यापारियों की मानें तो मिलावटी मिर्च से धंधेबाज मोटी कमाई करते हैं। हर महीने इसका धंधा करीब 40 करोड़ तक हो रहा है। सहालग और सर्दी में यह और भी ज्यादा हो गया था।

धंधेबाज कानपुर से नकली काली मिर्च को पहले गोरखपुर पहुंचाते हैं। यहां से इसे छोटी गाड़ियों में लादकर आसपास के जिलों, नेपाल और बिहार तक सप्लाई की जाती है। सूत्रों ने बताया कि गोरखपुर से निकलने के बाद ये कहीं भी पकड़े नहीं जाते। इनका नेटवर्क काफी बड़ा है। साहबगंज किराना कमेटी के व्यापारियों की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जांच की थी और नमूने लिए गए थे। व्यापारियों की मौजूदगी में अधिकारियों ने गोदाम में गिरी हुई काली मिर्च को पानी में डाला तो दाने ऊपर आ गए और रंग भी सफेद हो गया। इसमें आशंका हुई कि काली मिर्च में भिंडी के बीज हैं, लेकिन मंगलवार को गोदाम खुला तो नीचे गिरे हुए दाने साफ कर दिए गए थे।

मिलावटखोर हल्दी में चमक बरकरार रखने के लिए लेड क्रोमेट लगाते हैं, इसकी जांच के लिए हल्दी का नमूना लिया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने शेषपुर मोहल्ले स्थित दीपक कुमार भट्ट के ट्रांसपोर्टर फाउंडेशन में आई काली मिर्च का नमूना लिया। व्यापारियों की सूचना के अनुसार गोदाम में 125 बोरी काली मिर्च कानपुर से आई थी, लेकिन मौके पर 16 बोरी ही मिली। इस कारण ट्रांसपोर्टर को नोटिस देकर बिल मांगा गया है कि किसने माल मंगाया था। उसके आधार पर जांच की जाएगी।

साहबगंज किराना कमेटी के मंत्री गोपाल जायसवाल ने बताया कि गोरखपुर से शहर के अलावा बिहार और नेपाल तक काली मिर्च जाती है। असली काली मिर्च कर्नाटक से आती है। असली काली मिर्च का रेट 670 से 800 रुपए किलो है, जबकि यह मिलावटी काली मिर्च थोक में 375 से 410 रुपए किलो बिक रही है। बाजार में मिलावटी काली मिर्च को भी असली के रेट से बेचा जा रहा है। इससे अच्छे व्यापारियों को काफी नुकसान होता है।

जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि काली मिर्च एक आम मसाला है जो विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में उपयोग किया जाता है।

मिलावटी काली मिर्च खाने से कई नुकसान हो सकते हैं। इसमें केमिकल पदार्थों के मिलाने से पाचन संबंधित समस्याएं आ सकती हैं। मिलावटी काली मिर्च में मौजूद अन्य पदार्थों से एलर्जी या संवेदनशीलता हो सकती है, जो त्वचा पर चकत्ते, खुजली या अन्य प्रतिकूल प्रभावों का कारण बन सकती है। इससे लिवर की समस्याएं भी हो सकती हैं।

मिलावटी काली मिर्च की तरह नौसढ़ में 20 दिन पहले चमड़ा रंगने वाले रंग के साथ पकड़ी गई चायपत्ती को भी खपा दिया गया था। बिल के अनुसार 32 बोरी चाय पत्ती देवरिया सहित अन्य स्थानों पर बेची गई थी। देवरिया में जांच हुई तो वहां भी मिलावटी चाय पत्ती का नमूना लिया गया था। खाद्य सुरक्षा विभाग ने चायपत्ती का नमूना लिया है, जिसकी रिपोर्ट का इंतजार है। सहायक खाद्य आयुक्त डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने कहा, मिलावटी खाद्य पदार्थों की जांच के लिए अभियान जारी है। ट्रांसपोर्टर के गोदाम में काली मिर्च और खड़ी हल्दी का नमूना लिया गया है। नोटिस देकर बिल मांगा गया है कि कानपुर से आई काली मिर्च को कहा कहां भेजा गया। पहले दिन गोदाम में गिरी काली मिर्च में भिंडी के बीज की मिलावट थी, लेकिन उसे अगले दिन हटा दिया गया था। काली मिर्च में रंग और तेल के मिलावट होने की आशंका है।

संपादकीय

बदलते कद, बदलते पद

कांग्रेस अपने नए अवतार में फैसलों के द्वंद्व से बाहर निकल रही है और इसी परिप्रेक्ष्य में पार्टी ने हिमाचल के प्रभारी को बमुश्किल हटाते हुए रजनी पाटिल को पुनः आजमाया है। जाहिर है साख के सौदे में पूर्व प्रभारी राजीव शुक्ला का दौर लंबा रहा, लेकिन इस दौरान पार्टी ने जो खोया उसे पाने की तफ्तीश नहीं हुई। सत्ता तक पहुंची कांग्रेस ने अपना जोरदार विघटन करते हुए जो कुछ किया, उसके चश्मदीद गवाह रहे शुक्ला अपनी भूमिका को अप्रासंगिक बनाते रहे। यह दीगर है कि इस दौरान वह राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को अति महत्त्वपूर्ण बनाते हुए, बीसीसीआई के हर करिश्मे में एक सिद्ध पुरुष साबित हुए। किसी कांग्रेसी नेता को वह बीसीसीआई सहज स्वीकार कर रहा है, जहां सारे अहम पद भाजपाई परिवारों की संपत्ति की तरह हैं। इतना ही नहीं राजीव शुक्ला ने भले ही कांग्रेस की अहम बैठकें चंडीगढ़ में आयोजित कीं, लेकिन वह धर्मशाला के क्रिकेट स्टेडियम में अहम मैचों की वीआईपी गैलरी में मौजूद रहे। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी की दक्षता में शिमला विश्वविद्यालय की मानद डाक्टरेट डिग्री उन्हें तब मिलती है जब प्रदेश की सत्ता में भाजपा होती है। आश्चर्य यह कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने पार्टी की नब्ज टटोली होती, तो कई वरिष्ठ नेता आज न तो भाजपा में होते और न ही राज्यसभा की एक सीट पार्टी से लूटी गई होती। बहरहाल कांग्रेस का अपना दरबार है और इसी पसंद के हकदारों की जवाबदेही कहां तय होती। यह दीगर है कि पार्टी तुलनात्मक दृष्टि से अब युवा चेहरों को प्रमुख भूमिकाओं में पेश कर रही है। रजनी पाटिल इस संदर्भ में एक ऊर्जावान व राहुल गांधी की भरोसेमंद टीम से आ रही हैं। भले ही कांग्रेस के गिने चुने राज्यों में से हिमाचल भी एक है, लेकिन यहां सत्ता के ढाई साल अगले ढाई साल से मुकाबिल हैं। यहां आर्थिक बुनियाद और सियासत की हर चाल के कब्जे में प्रदेश का भविष्य फंसा है। पिछला चुनाव गारंटियां गिनता रहा, लेकिन अब यथार्थ के सब पहलू भारी हैं। हो गईं बहुत सारी नियुक्तियां। नेताओं के वजन बढ़ और सत्ता के बीच कद बढ़ गए, लेकिन इसी बीच पार्टी के कई धड़े और हारे हुए संकल्प चुभने लगे हैं। बेशक सत्ता की अपनी पसंद में पार्टी का रुतबा दिखाई दे रहा है, लेकिन जमीन पर हल कौन चलाएगा। कुछ दिन पूर्व प्रदेश के दो बुजुर्ग, जिन्हें पार्टी के नेता या सरकार के मंत्री मानें, उन्होंने संगठन के दाग दिल्ली से शिमला तक देखे हैं। ये दोनों नेता जातीय समीकरणों में भी बहुत कुछ कहते हैं और पार्टी के कर्म को भी परिभाषित करते हैं। पिछले ढाई साल की सत्ता के सामने पार्टी का मुंहफुलाए बैठना, संतुलन तो नहीं था और संतुलन की खामियां सरकार की बनावट को भी मिलावट कर गईं, नतीजतन रजनी पाटिल को सत्ता में संलिप्त और सत्ता से दूर रह गई कांग्रेस और कांग्रेसियों को मिलाना होगा। पार्टी के भीतर ज्यादा अपने रखे गए या सत्ता में अपने खोजे गए, यह भी देखना होगा। क्या अगला अध्यक्ष क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों की दुरुस्ती करेगा। क्या पार्टी अपनी क्षमता में सुधार लाकर मिशन रिपीट की राह पर निकलने के लिए परिवर्तन करेगी या गारंटियों के बोझ से बाहर खींच लाएगी सत्ता की सवारी। फिलवक्त हिमाचल में विपक्षी भाजपा अपनी भूमिका का इतना विस्तार तो कर ही चुकी है कि कांग्रेस को विरोध के अतिक्रमण से सरकार के विविध पहलुओं को जनता तक पहुंचा कर जवाब देना होगा। हिमाचल में कांग्रेस का नेतृत्व अब तक कठपुतली नृत्य दिखाता रहा है। इसके भीतर सत्ता की ऊर्जा का समावेश और राष्ट्र के सामने उदाहरण बनने की कोई भी तकरीर सफल नहीं मानी जा सकती। भाजपा ने मंडलों का विस्तार करते, 171 नेताओं का चयन करते हुए अपनी शक्ति और संगठन की भक्ति का मतलब समझाया। क्या कांग्रेस कुछ कड़े फैसले ले सकती है या हाशिए से बाहर हुए नेताओं को गले से लगा सकती है। क्या कांग्रेस अपनी सरकार और मंत्रियों के प्रदर्शन पर जिरह कर सकती है। क्या राहुल गांधी के सपनों की कांग्रेस के प्रति वफादारी के सबूत रजनी पाटिल खोज पाएंगी।

> सत्ता तक पहुंची कांग्रेस ने अपना जोरदार विघटन करते हुए जो कुछ किया, उसके चश्मदीद गवाह रहे शुक्ला अपनी भूमिका को अप्रासंगिक बनाते रहे। यह दीगर है कि इस दौरान वह राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को अति महत्त्वपूर्ण बनाते हुए, बीसीसीआई के हर करिश्मे में एक सिद्ध पुरुष साबित हुए। किसी कांग्रेसी नेता को वह बीसीसीआई सहज स्वीकार कर रहा है, जहां सारे अहम पद भाजपाई परिवारों की संपत्ति की तरह हैं। इतना ही नहीं राजीव शुक्ला ने भले ही कांग्रेस की अहम बैठकें चंडीगढ़ में आयोजित कीं, लेकिन वह धर्मशाला के क्रिकेट स्टेडियम में अहम मैचों की वीआईपी गैलरी में मौजूद रहे। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी की दक्षता में शिमला विश्वविद्यालय की मानद डाक्टरेट डिग्री उन्हें तब मिलती है जब प्रदेश की सत्ता में भाजपा होती है। आश्चर्य यह कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने पार्टी की नब्ज टटोली होती, तो कई वरिष्ठ नेता आज न तो भाजपा में होते और न ही राज्यसभा की एक सीट पार्टी से लूटी गई होती।

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है

प्रगति यात्रा के सहारे चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

उमेश चतुर्वेदी

> छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष-दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है। जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है।

बिहार में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष-दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है। जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अतीत में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है। नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन बाद में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगात मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल भी उठे, इसके बावजूद बिहार की

राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को ज़मीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है। एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्योंकि नीतीश सरकार की नीतियों की वजह से पहले से ही समूचे राज्य में बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान नीतीश ने राज्य के तमाम जिलों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए सुनवाई की जगह पर ही अधिकारियों को सीधे निर्देश दिए। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवर ब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए। प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20,000 करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 121 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल चुकी है और उन्हें जमीनी हकीकत बनाने को लेकर तेजी से काम शुरू हो चुका है। इनमें से कई योजनाएं ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने, उनका पुनर्निर्माण करने और उनकी हालत पहले की तुलना में और बेहतर बनाने को लेकर हैं। इस दौरान समस्तीपुर और मधेपुरा जिलों में महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। साथ ही, सीवान, छपरा, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जिलों में सड़क चौड़ीकरण, बाईपास और पुल निर्माण कार्यों के लिए भी भारी धनराशि स्वीकृत की गई है। सत्ताधारी खेमे का दावा है कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत की वजह से बिहार का तकरीबन हर गांव पक्की और चौड़ी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। बहुत सारी सड़कें तैयार भी हो चुकी हैं। जिनकी मदद से बिहार के किसी भी कोने से पहले की तुलना में राजधानी पटना पहुंचना कहीं ज्यादा आसान हुआ है। इसकी वजह से लोगों के समय और ईंधन की बचत हो रही है। नीतीश की अगुआई में 2010 में मिली दूसरी जीत में बेहतर सड़कों की बड़ी भूमिका रही। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के लिए खजाना खोल दिया है। नीतीश के लिए चुनौती शराबबंदी बनी हुई है। सरकारी तंत्र के भ्रष्टाचार की वजह से शराब की तस्करी बढ़ी है। हालांकि शराबबंदी से महिलाएं खुश हैं। नीतीश को इस चुनौती से पार पाना होगा। वैसे प्रशांत किशोर जैसे उनके पुराने साथी विपक्षी खेमे की ओर से इसे बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। फिर भी कह सकते हैं कि बिहार की आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ा नीतीश सरकार का पहिया अब भी प्रमुख मुद्दा है। उम्मीद की जा रही है कि चुनावों की घोषणा होने तक नीतीश और बीजेपी इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर प्रचारित और विस्तारित करते रहेंगे। यह सच है कि जातिवाद से ग्रस्त बिहार की राजनीति पर विकास की राजनीति भारी पड़ती रही है। शायद यही वजह है कि नीतीश सरकार विकास पर जोर दे रही है और इसे ही अपना सियासी हथियार बनाने की तैयारी में है।

दृष्टि कोण

भाषा आंदोलन को याद करे बांग्लादेश

हिंदोस्तान के विभाजन से पूर्व 'अलीगढ़ विश्वविद्यालय' के कुलपति डा. 'जियाउद्दीन अहमद' ने एक बज्म में मशिवरा पेश किया था कि पाकिस्तान के वजूद में आने के बाद पाक की राजकीय भाषा 'उर्दू' होनी चाहिए। जियाउद्दीन की उस दलील के रद्देअमल में ढाका विश्वविद्यालय के बंगाली भाषाविद डा. 'मुहम्मद शाहिदुल्लाह' ने जवाब दिया था कि हमारे न्यायालयों व विश्वविद्यालयों में बंगाली भाषा के बजाय उर्दू या हिंदी का इस्तेमाल गुलामी के समान होगा। मुहम्मद शाहिदुल्लाह की उस तहरीर को 'बांग्ला भाषा आंदोलन' की तखलीक माना जाता है। शाहिदुल्लाह ने अखबारों के जरिए बांग्ला भाषा की हिमायत जारी रखी थी। विभाजन के बाद ढाका विश्वविद्यालय के बंगाली छात्रों ने आठ दिसंबर 1947 को बांग्ला जुबान को अपनी आधिकारिक भाषा घोषित करने की मांग कर दी तथा उस मांग को मनवाने के लिए ग्यारह मार्च 1948 को हड़ताल का ऐलान कर दिया। बंगाली छात्रों की वो कारकर्दगी पाकिस्तान के हुक्मरानों को नागवार गुजरी। उसी दौरान 21 मार्च 1948 को पाकिस्तान के गर्वनर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना ढाका में तशरीफ ले गए तथा रामना रेसकोर्स मैदान में बांग्ला आवाम से मुखातिब हुए। दौराने तकरीर में जिन्ना ने फरमाया कि 'मैं आपको स्पष्ट कर देता हूं कि पाकिस्तान की राजकीय भाषा उर्दू होगी। जो इसकी मुखालफत करेगा, वो पाकिस्तान का दुश्मन है।' हालांकि उस ऐलान के छह महीने बाद सितंबर 1948 में जिन्ना का इंतकाल हो गया था। लेकिन जिन्ना द्वारा बांग्ला आवाम पर थोपी गई उर्दू जुबान की मुनादी ने बंगाली लोगों को अपनी मातृभाषा व अलग मुल्क बांग्लादेश के लिए जद्दोजहद का एहसास करा दिया था। 16 अक्तूबर 1951 को पाकिस्तान के प्रथम वजीरे आजम 'लियाकत अली खान' का 'रावलपिंडी' में कत्ल कर दिया गया था। उसके बाद मजहबी मिजाज के 'ख्वाजा नजीमुद्दीन' पाकिस्तान के वजीरे आजम बने। नजीमुद्दीन ने भी जनवरी 1952 में ढाका के पलटन मैदान में उर्दू को पाकिस्तान की राजकीय भाषा करार देकर मोहम्मद अली जिन्ना की उस तकरीर को पुख्ता कर दिया था। ख्वाजा नजीमुद्दीन के ऐलान का बंगाली छात्रों ने पुरजोर विरोध किया। जब एहतजाज हिंसा में तब्दील हुआ तो पाक हुकूमत ने पूर्वी पाक में 20 फरवरी 1952 को धारा 144 लागू कर दी। बांग्ला भाषा तहरीक में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे 'ढाका मेडिकल कालेज' व 'ढाका विश्वविद्यालय' के छात्रों तथा 'ऑल लैंग्वेज एक्शन कमेटी' के लोगों पर पाक सुरक्षाबलों ने गोलीबारी करके कई छात्रों को हलाक कर दिया। आंदोलन में मारे गए छात्रों को खिराज-ए-अकीदत पेश करने के लिए बांग्ला लोगों ने 22 फरवरी 1952 को एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया था। मगर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने धारा 144 के उल्लंघन का हवाला देकर दोबारा गोलीबारी करके कई प्रदर्शनकारियों को मौत के घाट उतार डाला था। 'अमार भाई रोकटे रंगानों एकुशे फरवरी' ये मकबूल बंगाली नगमा बांग्ला भाषा आंदोलन के दौरान पाक सेना की क्रूरता का शिकार हुए लोगों की याद में ही लिखा गया था। उस 'एकुशेर गान' के मुसन्निफ बांग्ला सहाफी 'अब्दुल गफ्फार चौधरी' ने वो नगमा पाक सेना की गोली से घायल हुए एक शख्स के पास बैठकर लिखा था। भाषा आंदोलन में पाक सेना की गोलीबारी का शिकार हुए लोगों को खिराजे अकीदत इसी नगमें के जरिए पेश की जाती रही है। दिलचस्प बात ये है कि सन-1952 के दौर में जब बांग्लादेश की आवाम पाक सेना से अपनी मातृभाषा व तहजीब के वजूद की जंग लड़ कर शहीद हो रही थी, उस वक्त पाकिस्तान के वजीरे आजम ख्वाजा नजीमुद्दीन खुद बांग्लादेशी थे। मगर वजीरे आजम के औहदे पर काबिज रहने की लालसा में नजीमुद्दीन अपनी बंगाली जुबान की हिमायत नहीं कर सके। ढाका में बांग्ला भाषा के लिए विरोध प्रदर्शन तथा उसी दौरान लाहौर में मजहबी दंगों से बिगड़े हालात पर काबू पाने में नजीमुद्दीन नाकाम रहे। नतीजतन पाकिस्तान के गवर्नर जनरल 'मलिक गुलाम मोहम्मद' ने अप्रैल 1953 में ख्वाजा नजीमुद्दीन को बर्खास्त कर दिया था। भाषा आंदोलन में पाक सुरक्षा बलों द्वारा हलाक किए गए लोगों की याद में ढाका में 'शहीद स्मृतिस्तंभो' मिनार सन-1952 में ही तामीर कर दिया था। मगर पाक सेना ने उस शहीद मिनार को सन-1952 में तथा 1971 के आपरेशन 'सर्च लाइट' के दौरान पूरी तरह नष्ट कर दिया था। बांग्ला आवाम तथा 'टावर हैमलेट्स काउंसिल' ने मिलकर उस शहीद मिनार का जीर्णोद्धार किया। बांग्लादेश की राष्ट्रीय संसद के अध्यक्ष 'हुमायूं रशीद चौधरी' ने उस भाषायी विरासत के प्रतीक शहीद मिनार का अनावरण 17 फरवरी 1999 को किया था। उसी वर्ष 'यूनेस्को' ने बंगाली भाषा आंदोलन को मान्यता देकर 21 फरवरी को 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' घोषित किया था।

कुछ अलग

तीसरा आदमी

यह तीसरा आदमी यूं तो जीवन के हर क्षेत्र में मौजूद है, पर राजनीति और धर्म का ताना-बाना ऐसा है कि तीसरा आदमी दोनों ही जगहों पर मौज कर रहा है। कभी चुनावों के नतीजे आने से पहले वह तपस्या करता हुआ दिखाई देता है, तो कभी पूरे कपड़ों में महाकुंभ में गंगा में डुबकी लगाता है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सजायाफ्ता होने के बावजूद कभी चुनावों में पैरोल पर छूटता है तो कभी कहता है कि भगदड़ में मारे गए सभी लोग स्वर्ग पहुंच चुके हैं। कभी उस पर पत्नी को छोडऩे का आरोप लगता है तो कभी पत्नी की हत्या का। कभी तड़ीपार होता है तो कभी मिलावटी सामान बेचने या टैक्स न भरने पर करोड़ों का जुर्माना होता है। कभी उस पर लड़ाकू जहाजों की खरीद या अमेरिका में प्रोजेक्ट लेने के लिए करोड़ों डालर की घूस देने का आरोप लगता है। पर वह कभी तनाव में नहीं दिखता। तमाम आरोपों के बावजूद वह कभी देश की सत्ता पर काबिज होता है तो कभी जगतगुरु बन जाता है। यह तीसरा आदमी कभी कुश्ती नहीं खेलता, क्रिकेट नहीं खेलता, हॉकी या अन्य कोई खेल भी नहीं खेलता। पर अपनी प्रतिभा के दम पर ओलिम्पक्स के फाइनल में पहुंचे आम आदमी को वजन के आधार पर अयोग्य घोषित करवा देता है। उसे बल्ला पकडऩा नहीं आता, बॉल फेंकनी नहीं आती, पर वह अपने बाप के दम पर क्रिकेट में सबसे तेज पांच सौ विकेट लेने वाले आम आदमी को संन्यास लेने पर मजबूर कर देता है। यह तीसरा आदमी अपने मनचाहे बिजनेस हाऊस या संसाधनों पर हाथ रख देता है और सत्ता उस बिजनेस हाऊस या संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए देश के कानूनों का तिया-पांचा कर देती है। देश की तमाम सुरक्षा एजेंसियां आम आदमी को लपेटना शुरू कर देती हैं। इधर आम आदमी है कि उसका कोई गुनाह न होने पर भी उसे सालों जेल में रहना पड़ता है। अदालतों के पास उसकी जमानत की याचिका पर सुनवाई का वक्त नहीं होता। कभी भी टूटने के डर के बावजूद बेचारा साल भर कमान की तरह तना रहता है। पर उसकी डोर कभी ढीली नहीं होती। अपने नुचे हुए पंखों के साथ आम आदमी जिंदगी के आकाश में उडऩे की कोशिश में गरीबी और लाचारी के दलदल में अपने आखिरी दम तक छप-छप करता हुआ, तीसरे आदमी के हक और इकबाल के नारे बुलंद करता रहता है। झुके सिर और कमर के साथ जीने वाले आम आदमी के लिए पांच किलो राशन ही काफी है। उसे खाते हुए वह कभी सवाल नहीं करता कि यह तीसरा आदमी कौन है। उधर तीसरा आदमी आम आदमी से ही सवाल करता है कि यह तीसरा आदमी कौन है। अपनी जान बचाने के लिए आम आदमी पाकिस्तान का नाम लेता है। उसे पता है कि तीसरे आदमी का नाम बताते ही उसे गद्दार और देशद्रोही घोषित कर दिया जाएगा। पर आम आदमी कभी नहीं सोचता कि भेड़ की तरह भीड़ का हिस्सा होने पर उसे केवल अपने से आगे वाली भेड़ों का पिछवाड़ा और पूंछ ही दिखाई देगी। वह केवल यह सोचकर ही खुश रहता है कि उसके दुःखों के हरण के लिए ही तीसरा आदमी अवतरित हुआ है। वह उस तीसरे नॉन-बॉयोलॉजिकल आदमी को भगवान समझ कर पूजता है। इसलिए देश की संसद में मौन छाया है, तीसरे आदमी को लेकर भी और आम आदमी के मुद्दों और समस्याओं को लेकर भी। लेकिन संसद में खूब हंगामा बरपा है, बड़ा शोर है। लेकिन उसके पास कुंभ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए न समय है और न फुर्सत। ऐसे में हैदर अली आतिश का यह शे'र बड़ा मौजूं हो उठता है, 'बड़ा शोर सुनते थे पहलू में दिल का, जो चीरा तो इक कतरा-ए-खूं न निकला।' लेकिन सवाल है कि संसद के पहलू में दिल है भी या नहीं। कतरा-ए-खूं की बात तो बाद में होगी।

देश दुनिया से

गांवों में विकास अनुकूलता का परिदृश्य

इन दिनों ग्रामीण भारत में परिवर्तन और किसानों के बदलते जीवन विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि भारत के ग्रामीण परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है और इससे किसानों की आमदनी के साथ किसानों का जीवन स्तर बढ़ रहा है। हाल ही में 6 फरवरी को प्रकाशित मैकिन्से ग्लोबल फार्मर्स इनसाइट सर्वे 2024 में कहा गया है कि भारतीय किसान तेजी से डिजिटल पेमेंट को अपना रहे हैं। वर्ष 2024 में भारत में 40 फीसदी किसानों के द्वारा रुपयों का भुगतान डिजिटल माध्यम से किया गया है, वहीं वर्ष 2022 में केवल 11 फीसदी किसान ही डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल कर रहे थे। किसानों के बीच डिजिटल भुगतान का चलन बढऩे का कारण सस्ता डाटा और यूपीआई सेवा को माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में देश में फसल बीमा का इस्तेमाल करने वाले महज 8 फीसदी किसान थे, वह वर्ष 2024 में बढक़र 37 फीसदी हो गए हैं। इसमें सबसे अधिक योगदान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का है। यह भी पाया गया है कि 11 फीसदी किसान वर्ष 2024 में जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि वर्ष 2022 में 2 प्रतिशत किसान ही जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे थे। इस रिपोर्ट का यह निष्कर्ष भी महत्वपूर्ण है कि भारत के किसान औपचारिक ऋण की ओर बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 में 36 फीसदी किसानों ने बैंक से कर्ज लिया, जो वर्ष 2022 में केवल 9 फीसदी था। वहीं, 26 फीसदी किसानों ने सब्सिडी वाले सरकारी ऋण का उपयोग किया, जबकि वर्ष 2022 में यह आंकड़ा सिर्फ एक फीसदी था। रिपोर्ट ने यह भी बताया कि भारत के 53 फीसदी किसान फसल चक्रीकरण जैसे टिकाऊ खेती के तरीकों को अपनाने के लिए सरकारी सब्सिडी पर निर्भर हैं। सरकार इस दिशा में कई तरह से सहायता प्रदान कर रही है, जैसे कि लागत में छूट, कार्बन क्रेडिट से आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन आदि। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि मार्च 2024 तक, भारत में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। इनमें से 39.83 करोड़ ग्रामीण इंटरनेट ग्राहक थे। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च के द्वारा जारी रिपोर्ट भी महत्वपूर्ण है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य रूप से गरीबों को सीधे, लाभान्वित करने वाले सरकारी सहायता कार्यक्रमों के सकारात्मक प्रभावों और विकास के कारण गरीबी में कमी आई है। गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहां वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 14 सालों में आमदनी बढऩे से जहां शहरों में हर माह प्रतिव्यक्ति उपभोक्ता खर्च (एमपीसीई) 3.5 गुना हो गया, वहीं यह ग्रामीण इलाकों में करीब चार गुना हो गया है। वर्ष 2009-10 से 2023-24 के बीच शहरी इलाकों में एमपीसीई 1984 रुपए से बढक़र 6996 रुपए और ग्रामीण इलाकों में यह खर्च 1054 रुपए से बढक़र 4122 रुपए हो गया। ऐसे में शहरों की तुलना में गांवों की ग्रोथ ज्यादा है। निःसंदेह ग्रामीण एवं कृषि विकास के विभिन्न अभियानों के कारण देश में ग्रामीण गरीबी में तेजी से कमी आ रही है। यह पिछले वर्ष 2024 में घटकर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। साथ ही ग्रामीणों की आमदनी और क्रयशक्ति बढ़ी है। आज गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। लोगों को डेढ़ लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। आज डिजिटल तकनीक की मदद से बेहतरीन डॉक्टर और अस्पताल भी गांवों से कनेक्ट हो रहे हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए देश को किसानों को तीन लाख करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में कृषि ऋण साढ़े तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। बीते 10 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली सब्सिडी और फसल बीमे की राशि को बढ़ाया है। स्वामित्व योजना जैसे अभियान चलाए हैं, जिनके जरिए गांव के लोगों को संपत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है। यह भी महत्वपूर्ण है कि डिजिटल इंडिया, शौचालय, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना जैसे अभियानों से भी ग्रामीण भारत में गरीबी में कमी आ रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने ग्रामीण भारत में भी गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। निश्चित रूप से ग्रामीण भारत में सकारात्मक परिवर्तन, कृषि और ग्रामीण विकास तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने के मद्देनजर केंद्रीय बजट 2025-26 एक और आशा किरण लेकर आया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए इस बार केंद्रीय बजट 2025-26 में 188754 करोड़ का प्रावधान किया गया है। नए बजट में कृषि एवं किसान कल्याण का बजट आवंटन 1.71 लाख करोड़ रुपए किया गया है जो पिछले वर्ष के बजट की तुलना में 11 फीसदी अधिक है। केंद्रित कार्यक्रमों और निवेशों के माध्यम से ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने और समृद्धि बढ़ाने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन, भारतनेट परियोजना जैसी प्रमुख पहलों की रूपरेखा तैयार की गई है। ये सभी नई बजट व्यवस्थाएं ग्रामीण विकास और किसानों के जीवन स्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे सकेंगी। लेकिन हमें अभी भी ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। देश के 95 फीसदी किसान वर्तमान में भी आधुनिक खेती की तकनीक नहीं अपना रहे हैं। इसका कारण सेटअप में लगने वाला समय, ज्यादा लागत, निवेश पर रिटर्न को लेकर स्पष्टता की कमी जैसे कारक हैं। हमें इस तथ्य पर भी ध्यान देना होगा कि भारतीय किसान ऑनलाइन खरीददारी में दुनिया में बहुत पीछे हैं।

आप का नजरिया

यह साझेदारी छोटे-बड़े की

बेशक अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने 'व्हाइट हाउस' में प्रधानमंत्री मोदी का गदगद स्वागत किया। उन्हें 'महान नेता' कहा गया और ट्रंप ने अपनी किताब पर लिखा- 'यू आर ग्रेट।' ट्रंप ने मोदी को बहुत याद भी किया। यह औपचारिक व्यवहार हो सकता है, हालांकि ट्रंप ने किसी अन्य वैश्विक नेता के संबंध में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन दोनों की 'ग्यारह' वाली दोस्ती' के साथ-साथ वे अपने-अपने देश के सर्वोच्च नेता भी हैं, लिहाजा दोनों अपने-अपने देश को 'दोबारा महान' बनाने को भी प्रतिबद्ध हैं। भारत-अमरीका दोनों ही विशाल और प्राचीन लोकतंत्र हैं, लेकिन यह भी यथार्थ है कि इस शिखर संवाद में अमरीका की ताकत वरिष्ठ देश की है और भारत जूनियर साझेदार देश के तौर पर रहा। अमरीका और भारत के बीच यही परंपरा और यही ताकत का असंतुलन रहा है, क्योंकि वह हमसे 8 गुना बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। आतंकवाद पर दोनों देश न्यूयॉर्क में 9/11 आतंकी हमले के बाद से साझा लड़ाई लड़ते रहे हैं। अमरीका ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के एक शैतानी साजिशकार तहव्वुर राणा को भारत को सौंपने का फैसला किया है। उसके लिए आभार व्यक्त करना चाहिए, शायद आतंकवाद की कुछ बंद और रहस्यमयी कडियां खुल सकें। लेकिन तहव्वुर 2009 से अमरीकी जेल में है। लंबे 16 साल के बाद अमरीका उसे हमें सौंप रहा है, लिहाजा यह सवालिया स्थिति है। आतंकवाद पर वैश्विक नेता अपने सरोकार जताते रहे हैं और साझा लड़ाई के सार्वजनिक बयान भी देते रहे हैं, लेकिन यह हकीकत है कि आतंकवाद के खिलाफ प्रत्येक देश की अपनी ही लड़ाई है। तसल्ली रहेगी कि हमारी अदालत तहव्वुर के आतंकवाद पर फैसला लेकर उसे फांसी तक भी पहुंचा सकेगी। बहरहाल टैरिफ या सीमा-शुल्क के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी नीति साफ कर दी है। वह सभी देशों के संदर्भ में है। दोनों शासनाध्यक्षों ने भारत-अमरीका के बीच टैरिफ पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। साल के अंत में कोई व्यापार-समझौता हो सकता है, यह घोषणा जरूर की है। राष्ट्रपति ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारवादी मानसिकता के व्यक्ति हैं, लिहाजा भारत के साथ वह अमरीकी सैन्य सौदों को विस्तार देना चाहते हैं, ताकि व्यापार-घाटा कम किया जा सके। अमरीकी राष्ट्रपति ने अत्याधुनिक एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान भारत को देने की पेशकश इसी मंशा से की है। अमरीका ने यह विमान नाटो देशों को जरूर बेचा है। उनके बाहर भारत पहला देश होगा। बेशक यह 5वीं पीढ़ी का इकलौता लड़ाकू विमान है। फिलहाल पेशकश, प्रस्ताव तक ही मामला सीमित है, क्योंकि भारत को अपनी सैन्य जरूरतों को भी ध्यान में रखना होगा। भारत के पास राफेल लड़ाकू विमान की पर्याप्त शक्ति है, जो 4-5 पीढ़ी का विमान है। बेशक अमरीका ने भारत को जो बख्तरबंद वाहन देने की बात कही है, उसकी जरूरत लद्दाख, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश सरीखे क्षेत्रों में सार्थक साबित हो सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने अवैध भारतीय प्रवासियों पर भी बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने माना कि अवैध प्रवासियों को किसी अन्य देश में रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, लिहाजा उन्होंने ऐसे भारतीयों को वापस लेने पर अपनी स्वीकृति दे दी।

ट्रम्प का एक और कड़ा फैसला : बाइडेन युग के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश

वाशिंगटन, 19 फरवरी (एजेंसियां) । सत्ता संभालते ही एक के बाद एक सख्त फैसले कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को लेकर एक और बड़ा आदेश जारी किया है।

ट्रम्प ने अपने ताजा आदेश में बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश देकर खलबली मचा दी है। ट्रम्प ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- पिछले चार वर्षों में न्याय विभाग का जितना राजनीतिकरण हुआ है उतना कभी नहीं हुआ। इसलिए सभी बचे हुए बाइडेन युग के अमेरिकी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश दिया गया है। हमें तुरंत सफाई करनी चाहिए और विश्वास बहाली के लिए काम करना चाहिए। अमेरिका के स्वर्ण युग में एक निष्पक्ष न्याय प्रणाली होनी चाहिए- जिसकी शुरुआत हो रही है।

ट्रम्प के सत्ता संभालने के बाद से ही अमेरिकी न्याय विभाग निशाने पर रहा है। कई अटॉर्नी पहले ही पद छोड़ चुके हैं। कई अटॉर्नी ने सोमवार को भी पद छोड़ने का एलान किया। ट्रम्प ने राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान आरोप लगाए थे कि बाइडेन प्रशासन उनके खिलाफ न्याय विभाग को हथियार बनाकर काम कर रहा है। बाइडन प्रशासन में ट्रम्प के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए और जिन अटॉर्नी ने ट्रम्प के खिलाफ सुनवाई में हिस्सा लिया और ट्रम्प के खिलाफ जांच की, उन को ट्रम्प पहले ही न्याय विभाग से हटा चुके हैं।

अमेरिका के न्याय विभाग में राष्ट्रपति बदलने के बाद अटॉर्नी पद छोड़ने की एक परंपरा है जिसमें सामान्य तौर पर नया प्रशासन अटॉर्नी से इस्तीफा मांगता है, लेकिन इस बार ट्रम्प ने इसे बदलते हुए अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश दे दिया।

न्यूज ब्रीफ

1ट्रंप ने कहा- भारत वैसे ही मालामाल है उसे सहायता की जरुरत नहीं है और कर दी फंड में कटौती

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंन ने भारत को मालामाल बताते हुए करोड़ा डॉलर की सहयता की

जरुरत को नकार दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया दो दिवसीय अमेरिका दौरे का जिक्र करते हुए कहा, हम भारत को 108 अरब क्यों दे रहे हैं उनके पास पहले से ही बहुत पैसा है। वे दुनिया के सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक हैं। हम वहां मुश्किल से प्रवेश कर पाते हैं क्योंकि उनके टैरिफ काफी अधिक हैं। मुझे भारत और उनके प्रधानमंत्री को लेकर बहुत सम्मान है, लेकिन वहां के चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 1.8 अरब क्यों देना सूची में चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण के लिए समूह को 48.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान शामिल था, जिसमें मोल्दोवा में समावेशी और भागीदारीपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया के लिए 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर और भारत में चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर शामिल थे। पोस्ट में वित्त पोषण के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई। आपको बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने मस्क को नये सरकारी कार्यदक्षता विभाग का प्रमुख चुना था। शासन में सुधार और फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के लिए विभाग ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस कटौती की घोषणा की। विभाग ने कहा, अमेरिकी करदाताओं के पैसे निम्नलिखित मदों पर खर्च किए जाने वाले थे, जिनमें से सभी को रद्द कर दिया गया है। बता दें कि 16 फरवरी को एलन मस्क के नेतृत्व वाले डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) ने इस फंड को रद्द करने की घोषणा की। डीओजीई ने इस निर्णय के बाद एक पोस्ट जारी करते हुए अमेरिकी करदाताओं द्वारा विभिन्न देशों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए आवंटित फंड की सूची साझा की। इसमें 21 मिलियन डॉलर का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह राशि भारत में वोटर टर्नआउट के लिए निर्धारित थी।

प्रेग्नेंट ने वर्क फ्रॉम होम मांगा तो नौकरी से निकाल दिया, फिर देना पड़ा 1 करोड़ का मुआवजा

लंदन। ब्रिटेन में एक प्रेग्नेंट महिला ने वर्क फ्रोम होम मांगा तो कंपनी ने उसे नौकरी से निकाल दिया।

इसके बाद कंपनी को एक करोड़ का मुआवजा देना पड़ा। बर्मिंघम स्थित रोमन प्रॉपर्टी ग्रुप लिमिटेड में काम करने वाली पाउला मिलुस्का ने प्रेग्नेंसी से संबंधित दिक्कतों की वजह से घर से काम करने देने की इजाजत मांगी थी। हालांकि कंपनी ने ना सिर्फ पाउला को इसकी इजाजत नहीं दी, बल्कि उसे नौकरी से ही निकाल दिया। जानकारी के मुताबिक कंपनी के बॉस ने कंपनी के संघर्षों का हवाला देते हुए एक टेक्स्ट मैसेज भेजकर पाउला को काम से निकाल दिया। हालांकि एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल को यह बात रास नहीं आई। उन्होंने पाउला को काम से निकाले जाने को भेदभावपूर्ण माना और कंपनी को पाउला को 94,000 पाउंड यानी लगभग 1 करोड़ का मुआवजा देना पड़ा।इससे पहले पाउला ने मार्च 2022 में कंपनी ज्वाइन की थी। उन्होंने उसी साल अक्टूबर में बॉस को अपनी स्थिति के बारे में बताया था।

समुद्र के साढ़े छै हजार फिट नीचे खुदाई कर खजाना ढूंढ रहा चीन

बीजिंग। चीन ऐसे कई काम कर रहा है जो पूरी दुनिया को चौंकाने वाली हो सकती है। हाल में खबर आ रही है कि चीन समुद्र में 6,560 फीट नीचे खुदाई कर रहा है। यहां उसे एक अनोखे खजाने की तलाश है। दरअसल, चीन साउथ चाइना सी में 6,560 फीट नीचे 'डीप-सी स्पेस स्टेशन' बना रहा है। वैसे तो उसने इसका मकसद समुद्र की गहराई में छिपे 'खजाने' की खोज करना है। लेकिन इसकी कीमत जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। इस जगह मीथेन से भरपूर हाइड्रोथर्मल वेंट शामिल हैं। इन वेंट में मीथेन हाइड्रेट्स यानी ज्वलनशील बर्फ के विशाल भंडार हैं, यह ऊर्जा का बड़ा स्रोत हो सकते हैं। दूसरा, यहां से रहकर भूकंप जैसी गतिविधियों पर रिसर्च की जा सकती है। इतना ही नहीं, अगर जमीन के अंदर कोई देश हलचल करने की कोशिश करेगा, जैसे कोई परमाण परीक्षण करने की कोशिश करेगा, तो उसका पता पहले चल जाएगा। सुनामी के बारे में भी घंटों पहले सूचना मिल सकेगी। चीन का 'डीप-सी स्पेस स्टेशन' समुद्र तल से 2000 मीटर नीचे होगा। इसमें एक साथ 6 वैज्ञानिक एक महीने तक रहकर काम कर पाएंगे। 2030 तक यह स्पेस स्टेशन काम करने लगेगा।

धरती की और तेजी से आ रहा उल्कापिंड वैज्ञानिक टेलीस्कोप से रख रहे नजर

वायआर4 एक इमारत के आकार का, स्पीड 61 हजार किमी प्रति घंटा

वाशिंगटन, 19 फरवरी (एजेंसियां) ।

एक उल्कापिंड धरती की और तेजी से आ रहा है यह धरती पर तबाही मचा सकता है जिसको लेकर कई देशों के वैज्ञानिक इस पर नजर रखे हुए हैं। यह एक बड़ा खतरा बन रहा है। वैज्ञानिक शक्तिशाली टेलीस्कोप से इस देख रहे हैं।2024 वायआर4 नाम का एस्टेरॉयड एक इमारत के आकार का है, जिसकी स्पीड 61 हजार किमी प्रति घंटे है। नासा के एस्टेरॉयड टेरेस्ट्रियल-इम्पैक्ट लास्ट अलर्ट सिस्टम (एटलस) की ओर से इसे 2024 में खोजा गया था। यह उल्कापिंड दिसंबर 2032 में धरती से टकराने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में गणना के आधार पर 43 में से 1 बार इसकी टक्कर धरती से संभव है, जिसे देखते हुए नासा ने तैयारी की है। यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) की पोस्ट के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय खगोलविदों की एक टीम को जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत मिली है, ताकि इसका अध्ययन किया जा सके।

खगोलविदों का अनुमान है कि इस एस्टेरॉयड का व्यास करीब 55 मीटर है, जो पीसा की झुकी हुई मीनार की ऊंचाई के बराबर है। पृथ्वी पर मौजूद डायनासोर को चिक्सुलुब एस्टेरॉयड ने खत्म कर दिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024 वॉयआर4 उतना विनाशकारी नहीं होगा, लेकिन यह टुंगुस्का एस्टेरॉयड जितना नुकसान पहुंचा सकता है, जिसने 1908 में साइबेरिया के जंगलों में करीब 8 करोड़ पेड़ों को गिरा दिया था। 2024 वॉयआर4 का वर्तमान आकार ग्राउंड आधारित टेलीस्कोप का एक अनुमान है। ईएसए के मुताबिक धरती के वातावरण की वजह से ये टेलीस्कोप एस्टेरॉयड की सतह से परावर्तित होने वाले सूर्य के प्रकाश को ही देख पाते हैं, जिसके कारण इसके वास्तविक आकार की सीमित तस्वीर मिलती है। यह अनुमान से काफी बड़ा हो सकता है। ईएसए ने पोस्ट में लिखा कि सामान्य तौर पर एस्टेरॉयड जितना चमकीला होगा, उसका आकार उतना ही बड़ा होगा।

टीम का कहना है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम 2024 वॉयआर4 के लिए अपने आकार अनुमान में सुधार करें, क्योंकि 40 मीटर और 90 मीटर व्यास वाले एस्टेरॉयड का खतरा अलग होता है। ईएसए के मुताबिक जेम्स वेब टेलीस्कोप के जरिए एस्टेरॉयड के आकार और सतह की संरचना के बारे में हमारी जानकारी में सुधार होगा। जेडब्ल्यूएसटी के इन्फ्रारेड उपकरण एस्टेरॉयड से निकलने वाली गर्मी का अध्ययन करेंगे, जिससे इसके वास्तविक आकार और सतह की संरचना का पता चल सकेगा। जेडब्ल्यूएसटी दुनिया का सबसे महंगा टेलीस्कोप है, जो अंतरिक्ष में मौजूद है। धरती पर मौजूद टेलीस्कोप की तुलना में यह बहुत साफ तरह से एस्टेरॉयड को देख सकता है। ईएसए के मुताबिक जेडब्ल्यूएसटी पहली बार मार्च में 2024 वॉयआर4 का अवलोकन करेगा। तब इस एस्टेरॉयड की चमक चरम पर होगी।

बांग्लादेश की हेकड़ी निकली, बोला- हसीना को मत भेजो लेकिन उनके बोलने पर प्रतिबंध लगा दो

ढाका, 19 फरवरी (एजेंसियां) ।

पिछले कई महीनों से बांग्लादेश दूसरों के बहकावे में आकर भारत को अकड़ दिखाने की कोशिश करता रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस सौंपने के मुद्दे पर पड़ोसी देश बांग्लादेश की सारी हेकड़ी गुम हो गई है। हालात ऐसे हैं कि वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने भारत से दरख्वास्त की है कि अगर शेख हसीना को ढाका प्रत्यर्पित नहीं कर सकते तो कम से कम उन पर कुछ प्रतिबंध ही लगा दें।

एक इंटरव्यू में हुसैन ने कहा कि ऐसा करने से हसीना को भड़काऊ और झूठे बयान देने से रोका जा सकेगा और इससे बांग्लादेश में स्थिति काबू में हो सकेगी।तौहीद ने कहा कि हसीना के सार्वजनिक बयानों से बांग्लादेश के लोगों में रोष है और वे तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग हसीना के लंबे कार्यकाल के दौरान किए गए कामों से अभी भी नाराज हैं। तौहीद ने कहा, 15 साल तक, वह सत्ता में रहीं और लोगों में उनके कार्यों को लेकर बहुत, बहुत ज़्यादा गुस्सा है। इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि भारत सरकार कम से कम उन पर कुछ प्रतिबंध ही लगा दे ताकि वह भारत में रहते हुए भड़काऊ बयान न दे सकें। तौहीद ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों के ऐतिहासिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा, हम सिर्फ पिछले 15 वर्षों को ही क्यों देखें यहां तक कि बीएनपी के समय (2001-2006) के दौरान भी दोनों देशों के बीच व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई थी। उन्होंने आगे बताया कि 1996-1997 का गंगा जल समझौता राष्ट्रों के बीच मजबूत सहयोग का एक और उदाहरण है। बांग्लादेशी सलाहकार के अनुसार, भारत और बांग्लादेश के बीच आपसी संबंधों पर किसी भी देश के नेतृत्वकर्ता से प्रभावित नहीं होना चाहिए। अप्रैल में आगामी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार डॉ. मुहम्मद यूनुस के बीच बैठक की संभावना के बारे में तौहीद ने सकारात्मक उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। बता दें कि इससे पहले तौहीद हुसैन ने मस्कट में एक बहुपक्षीय सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक में दक्षेस को पुनर्जीवित करने के लिए भारत से समर्थन मांगा था।

तकनीक, अंतरिक्ष यात्रा और जलवायु परिवर्तन कैसे बदलेगी इंसानों की जिदंगी

जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ रही है, इंसानों में भी काफी तरह के बदलाव हो रहे हैं। तकनीक, अंतरिक्ष यात्रा और जलवायु परिवर्तन, ये तीन मुख्य कारण है, इसकारण दुनिया काफी तेजी से बदल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन चीजों की वजह से इंसान भी काफी ज्यादा बदल जाएंगे। एक शोध के बाद ये कल्पना की है कि मानव जाति किस तरह विकसित हो सकती है। शोधकर्ता का मानना है कि आने वाले एक हजार वर्षों महिलाओं को अपने साथी चुनने की अधिक स्वतंत्रता होगी। इसतरह महिलाओं द्वारा सफल, बुद्धिमान, अच्छे दिखने वाले या अन्य आकर्षक गुणों वाले पुरुषों के चयन की अधिक संभावना होगी। इससे औसत व्यक्ति अधिक आकर्षक, सफल या बुद्धिमान हो सकता है। एक अन्य शोधकर्ता का मानना है कि भविष्य में इंसान अधिक समान दिखाने वाले है। जैसे-जैसे मानवता अधिक मिश्रित होगी और सांस्कृतिक या नस्लीय बाधाएं टूटेंगी, इंसान की त्वचा का रंग गहरा और समानताएं बढ़ती जाएंगी।

पाक के बलूचिस्तान में हथियारबंद हमलावरों ने बस से उतार कर 7 यात्रियों की हत्या की

क्वेटा, 19 फरवरी (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक बस पर हमलावरों ने गोलीबारी की और बस से उतार कर कम-से-कम 7 यात्रियों की हत्या कर दी। मारे गए सभी यात्री पंजाब के विभिन्न हिस्सों के रहने वाले थे। हमला मंगलवार देर रात हुआ। बरखान सहायक आयुक्त (एसी) खादिम हुसैन ने बुधवार सुबह इसकी पुष्टि की। हथियारबंद हमलावरों ने मंगलवार देर रात बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक बस पर गोलीबारी की और बाद में बस से उतार कर 7 यात्रियों की हत्या कर दी। हमला रारकन इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने एक यात्री बस को रोका और हवा में गोलियां चलाईं। इसके बाद बंदूकधारी बस में चढ़े, यात्रियों के पहचान पत्रों की जांच की और 7 लोगों को जबरन पास के एक पहाड़ पर ले गए। कुछ ही देर बाद गोलियों की आवाज सुनाई दी। सुरक्षाबल के जवानों के घटनास्थल पर पहुंचने पर अपहृत यात्रियों के शव पहाड़ी इलाके से

मिले। मृतक पंजाब के विभिन्न शहरों के रहने वाले थे। बस सेवा कार्यालय के अनुसार, बस क्वेटा से फैसलाबाद जा रही थी और उसमें कम से कम 45 यात्री सवार थे। हमलावरों की संख्या करीब 10-12 थी और सभी अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादी निर्दोष और निहत्थे नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि शांति के दुश्मनों का यह कायरतापूर्ण हमला असहनीय है।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के कई जिले कर सकते हैं स्वतंत्रता की घोषणा

सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने सदन में शहबाज सरकार को दी चेतावनी

इस्लामाबाद, 19 फरवरी (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में धर्मगुरु और सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने 1971 की याद दिला दी है, जब पूर्वी पाकिस्तान टूटकर बांग्लादेश बना था। मौलाना ने दावा किया है कि बलूचिस्तान के पांच से सात जिले टूटकर स्वतंत्रता की घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध का जिक्र करते हुए चेतावनी दी है कि ऐसी ही स्थिति एक बार फिर बन सकती है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में खुलासा किया गया कि अगर बलूचिस्तान के जिले स्वतंत्रता की घोषणा करते हैं तो संयुक्त राष्ट्र स्वतंत्रता को मान्यता दे सकता है।

सेना पर निशाना साधते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि कुछ ताकतवर लोग बंद कमरों में फैसले करते हैं, जिसे सरकार को मानना पड़ता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र कुर्रम में फिर से हिंसा भड़क गई है। नवंबर में शुरू हुई लड़ाई में

अब तक 150 लोगों की मौत हो चुकी है। यह पाकिस्तान का पहाड़ी इलाका है, जो अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। भारी हथियारों से लैस लड़ाकों की झड़पों से यह दुनिया से कट चुका है। कई बार सीजफायर की कोशिश की गई, लेकिन हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है।

जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने पिछले महीने कहा था कि पाकिस्तान सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में पूरी तरह से अपना नियंत्रण खो दिया है, जिससे बीते दो दशकों में बड़े पैमाने पर पलायन हुआ है।

एआई की दुनिया में तहलका मचाने मस्क ले आए ग्रोक 3 का थर्ड वर्जन

वाशिंगटन। अब एआई की दुनिया में एलन मस्क तहलका मचाने को तैयार हैं। धरती का सबसे स्मार्ट एआई ग्रोक 3 का थर्ड वर्जन सुबह 9.30 बजे लांच किया है। इसकी जानकारी खुद मस्क ने दी। मस्क ने बताया कि ये एआई पृथ्वी का सबसे स्मार्ट एआई होने वाला है। मस्क ने इस दुनिया का सबसे शक्तिशाली चैटबॉट बताया है।

बताया जा रहा हैं कि ये चीन में खलबली मचा देगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि वे आज धरती का सबसे फास्ट ग्रोक 3 एआई लांच कर रहे हैं। हालांकि मार्केट में पहले ही एआई चैटबॉट मौजूद हैं। इस एआई के बारे में ज्यादा जानकारी अभी नहीं दी गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि इसमें टेक्स्ट-टु-विडियो जैसी नई और एडवांस सुविधाएं हो सकती हैं। इससे यह ओपनएआई के जीपीटी-4, गूगल डीपमाइंड के जेमिनी को टक्कर दे सकता है। ग्रोक को पहले एक्स के प्रीमियम यूजर्स के लिए लांच किया गया था और अगर ग्रोक-3 भी इसी तरह आता है, तब एक्स के सब्सक्रिप्शन बढ़ सकते हैं। ग्रोक-3 का लाइव डेमो सबसे बड़ा टेस्ट होगा। अगर यह शानदार प्रदर्शन करता है, तब यह एआई जगत में बड़ा बदलाव ला सकता है। लेकिन अगर यह उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, तब मस्क की दावों पर और सवाल खड़े हो सकते हैं। इस घोषणा के बाद टेक कंपनियों के शेयरों में हलचल देखी जा रही है। निवेशक और टेक जानकार यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ग्रोक-3 वास्तव में एआई की दुनिया में क्रांति ला सकता है या सिर्फ एक और अपग्रेडेड वर्जन होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार खेलेंगे दस भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में इस बार भारतीय टीम में पिछली बार के केवल 5 ही खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में इस बार करीब एक दस खिलाड़ियों को भारतीय टीम की ओर से डेब्यू का अवसर मिल सकता है।

इस बार कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के अलावा सारे ही नए खिलाड़ी हैं। यशस्वी जायसवाल और जसप्रीत बुमराह के संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर होने के कारण वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा को अवसर मिला है साल 2017 में आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी को खेला गया था। अब 8 साल बाद इस आईसीसी टूर्नामेंट की वापसी होने जा रही है। पिछली बार पाकिस्तान ने भारत को हराकर इस ट्रॉफी को अपने नाम किया था। तब से अब तक आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन नहीं किया है। अब एक बार फिर से इस मेगा इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इतने लंबे अंतराल में कई भारतीय खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया है तो कुछ टीम में जगह नहीं बना पाए। भारतीय दल में शामिल 15 में से 5 खिलाड़ियों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी खेला है.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम में 10 खिलाड़ी पहली बार खेलेंगे। इसमें शुभमन गिल (उपकप्तान), श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। उप कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, कुलदीप यादव और हर्षित राणा का खेलना तो पक्का माना जा रहा है। वहीं ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना थोड़ा मुश्किल है।

टीम – रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जडेजा और वरुण चक्रवर्ती।

न्यूज ब्रीफ

वॉलीबॉल नेशंस लीग फाइनल 2025 की मेजबानी करेगा निंगबो

जिनेवा। पूर्वी चीन का निंगबो इस गर्मी में 2025 वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) पुरुष फाइनल की मेजबानी करेगा।–इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन (एफआईवीबी) ने मंगलवार को उक्त घोषणा की। निंगबो बेइलुन स्पोर्ट्स एंड आर्ट्स सेंटर 30 जुलाई से 3 अगस्त तक कार्यक्रम का आयोजन करेगा, जबकि महिलाओं का फाइनल 23 से 27 जुलाई तक पोलैंड के लॉड्ज़ में होगा। एफआईवीबी के अनुसार, हांगकांग और मकाओ ने 2024 में महिला वीएनएल के प्रत्येक दौर की मेजबानी की, 268 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया और चीन सेंट्रल टेलीविजन पर 168 घंटे का लाइव प्रसारण किया। एफआईवीबी ने यह भी कहा कि वीएनएल 2024 में चीन में दूसरा सबसे बड़ा खेल प्रसारण था, जिसकी अधिकतम दर्शक संख्या 23.6 मिलियन तक पहुंच गई थी। एफआईवीबी ने घोषणा की कि 2024 में वीएनएल ने वैश्विक स्तर पर उपस्थिति में 13 प्रतिशत की वृद्धि देखी।

मैक्सवेल विफल हुए तो ऑस्ट्रेलिया होगी बाहर : वॉन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि अगर ऑलरांउडर ग्लेन मैक्सवेल इस बार असफल रहे तो ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाएगी। वॉन के अनुसार मिशेल स्टार्क, नियमित कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही कमजोर है। ऐसे में नये गेंदबाजों के लिए पाकिस्तान और दुबई में बल्लेबाजों को रोकना कठिन होगा। कमिंस और हेजलवुड चोटों के कारण बाहर हो गए, जबकि स्टार्क ने निजी कारणों से टूर्नामेंट से बाहर होने का फैसला किया। वॉन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को अपने तीन मुख्य तेज गेंदबाजों की कमी खलेगी। मिचेल स्टार्क टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कमिंस और जोश हेजलवुड भी नहीं हैं। उनका मुख्य तेज गेंदबाजी आक्रमण पाकिस्तान और दुबई में नहीं होगा। ऐसा लगता है कि यह ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत बड़ा झटका है। वॉन ने स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाना सही फैसला है। साथ ही कहा कि सभी कप्तानों में से स्मिथ रणनीतिक तौर पर देखा जाये तो किसी भी अन्य कप्तान की तरह ही अच्छे हैं। हालांकि, तीन मुख्य तेज गेंदबाजों के गायब होने के कारण स्मिथ को चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को सफलता दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उनके अनुसार मार्कस स्टोइनिस और मिचेल मार्श के टीम में नहीं होने से भी मैक्सवेल पर दबाव रहेगा। स्टोइनिस ने कुछ हफ्ते पहले ही एकदिवसीय से संन्यास की घोषणा की जबकि मार्श घायल हो गए थे। वॉन के अनुसार, मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई टीम के ऐसे खिलाड़ी होंगे जिन पर सबकी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि ग्लेन मैक्सवेल और स्पिनर एडम जम्पा ऑस्ट्रेलिया के मुख्य खिलाड़ी होंगे, लेकिन मुझे लगता है कि बहुत कुछ मैक्सवेल के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

ब्राज़ीलियन क्लब बोटाफोगो जाने के लिए तैयार पुर्तगाली कोच माटोस

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ीलियन क्लब बोटाफोगो ने पुर्तगाली प्रबंधक वास्को माटोस को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त करने का समझौता कर लिया है। 44 वर्षीय माटोस ने दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमति जताई है, जो दिसंबर 2026 तक चलेगा। स्थानीय समाचार आउटलेट ओ ग्लोबो की रिपोर्ट के अनुसार, रियो डी जनेरियो स्थित क्लब ने पुर्तगाल की शीर्ष लीग टीम सांता क्लारा के साथ माटोस के अनुबंध में रिलीज क्लॉज को सक्रिय करने के लिए 1 मिलियन यूरो का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा से पहले कुछ प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी की जानी बाकी हैं। बोटाफोगो इस साल की शुरुआत से बिना स्थायी मैनेजर के था, जब पूर्व कोच अर्तुर जॉर्ज ने जनवरी में कतर क्लब अल–रेयान का दामन थाम लिया था। तब से टीम की जिम्मेदारी क्लाउडियो कैकापा को अंतरिम कोच के रूप में सौंपी गई थी। कैकापा अब फिर से अपनी पिछली सहायक कोच की भूमिका में लौट सकते हैं।

हैदराबाद एफसी पर लीग डबल पूरा करने उतरेगी मुम्बई सिटी एफसी

हैदराबाद, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

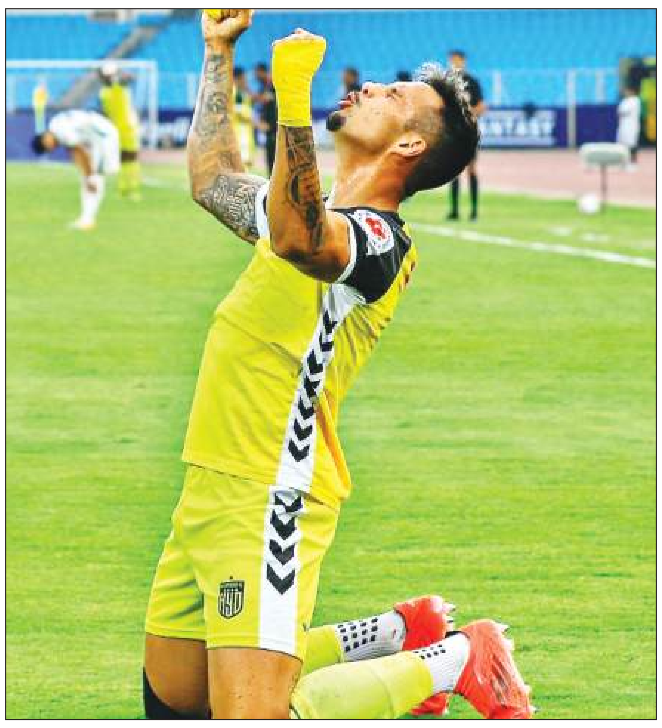

मुम्बई सिटी एफसी बुधवार शाम यहां जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024–25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो आइलैंडर्स का लक्ष्य हैदराबाद एफसी पर लीड डबल पूरा करना होगा, क्योंकि उन्होंने 30 नवंबर को रिवर्स फिक्स्चर 1–0 से जीता था। वहीं, मेजबान टीम अपने घर में लगातार तीसरी जीत हासिल करना चाहेगी, क्योंकि उसने अपने पिछले दो घरेलू मुकाबलों में जमशेदपुर एफसी को 3–2 से और मोहम्मडन एससी को 3–1 से हराया था।

मुम्बई सिटी 20 मैचों में आठ जीत, सात ड्रा और पांच हार से 31 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है। उसने पिछले पांच मैचों में दो जीते, दो ड्रा खेले और एक हार हारा है। हैदराबाद एफसी 20 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और 12 हार से 16 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में 12वें स्थान पर है। उसने अपने पिछले चार मैचों में दो जीते हैं।

हैदराबाद ने आईएसएल 2024–25 में हैडर से नौ गोल खाए हैं, जो संयुक्त सबसे अधिक है। उसने सबसे कम क्लीन शीट (2) रखी हैं, और सभी 13 टीमों में सबसे अधिक गोल (41) खाए हैं।

रामलुंचुंगा ने इस सत्र के दौरान फाइनल थर्ड में 17 बार कब्जा जीता है, जो सभी भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अधिक है। उन्होंने एक गोल किया, तीन असिस्ट किए हैं, और विपक्षी बॉक्स के अंदर 25 टच दर्ज किए हैं।

मुम्बई ने अपने कुल पास का 27.5प्रतिशत (कुल 9,104 पास में से 2,502) डिफेंसिव थर्ड में बनाया है, जो 94.6प्रतिशत सटीकता के साथ लीग में सबसे ज्यादा है।

हैदराबाद के अंतरिम मुख्य कोच शमील चेम्बकथ ने आगामी मैच के लिए अपनी टीम की संभावनाओं पर बात की।

उन्होंने कहा, खिलाड़ी मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच पर ध्यान लगा रहे हैं। हमने कड़ी ट्रेनिंग की है और घरेलू मैदान पर सकारात्मक प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी ने कहा कि मुम्बई सिटी में माकूल नतीजे पाने की क्षमता है।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों में क्षमता है और इसने हमें पूरे सत्र में महत्वपूर्ण अंक जीतने में मदद की है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम तालिका में यथासंभव उच्च स्थान पर पहुंचने की कोशिश करें।

आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए हैं। मुम्बई सिटी एफसी ने चार बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद एफसी ने दो मैच जीते हैं। पांच मुकाबले ड्रा रहे हैं।

डीविलियर्स के नाम हैं कई रिकार्ड

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज एबी डीविलियर्स अपने आक्रामक क्रिकेट के कारण जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी तेज पारियों से कई बड़ें रिकार्ड कायम किये हैं जिन्हें तोड़ना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। इसए बल्लेबाज ने एक से बड़कर एक ऐसे शॉट लगाये जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। डीविलियर्स के नाम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का विश्व रिकॉर्ड है। यह रिकॉर्ड उन्होंने एक दशक पहले बनाया था जो आज तक कोई बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। उन्होंने 16 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया था। डीविलियर्स ने साल 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 16 बॉल पर ये रिकार्ड बनाया था। उन्होंने तब श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या के रिकॉर्ड को तोड़ा था। जयसूर्या ने साल 1996 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। डीविलियर्स एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने सबसे कम गेंदों पर शतक लगाया है जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया। यह विश्व कीर्तिमान उन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडज के खिलाफ बनाया था।

शार्दुल ठाकुर काउंटी क्रिकेट में करेंगे डेब्यू, एसेक्स के लिए खेलेंगे सात मैच

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर काउंटी क्रिकेट में अपना पहला अनुभव हासिल करने के लिए तैयार हैं। 33 वर्षीय ठाकुर को 2025–26 काउंटी चैम्पियनशिप सीज़न के शुरुआती भाग में एसेक्स के लिए सात मैचों के अनुबंध पर साइन किया गया है।

शार्दुल ठाकुर ने अपने इस नए सफर को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं इस गर्मी में एसेक्स में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं। यह मेरे लिए नई चुनौतियाँ और अवसर लेकर आएगा। काउंटी क्रिकेट हमेशा से मेरे लिए एक सपना रहा है और मैं ईगल्स का प्रतिनिधित्व करने को लेकर रोमांचित हूं।

मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन

2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ठाकुर भारतीय टीम में अंदर–बाहर होते रहे हैं। वह आखिरी बार 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के लिए खेले थे। हालांकि, इस समय वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में हैं। उनकी गेंदबाजी के साथ–साथ निचले क्रम में उपयोगी पारियां खेलने की क्षमता ने मुंबई को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

एसेक्स ने क्यों चुना ठाकुर

एसेक्स के क्रिकेट निदेशक क्रिस सिल्वरवुड ने ठाकुर को साइन करने को लेकर क्लब की ओर से जारी बयान में कहा, हम एक ऐसे तेज गेंदबाज की तलाश में थे, जो निचले क्रम में बल्लेबाजी में भी योगदान दे सके। शार्दुल इस भूमिका के लिए पूरी तरह फिट बैठते हैं और हम उन्हें अपनी टीम में शामिल कर बहुत खुश हैं।

एसेक्स का हमेशा से बल्लेबाजी में गहराई और निचले क्रम में आक्रामक ऑलराउंडर रखने का दृष्टिकोण रहा है। ठाकुर का यह संक्षिप्त कार्यकाल उन्हें नए अवसर प्रदान करेगा, जबकि एसेक्स को भी उनकी हरफनमौला क्षमताओं का फायदा मिलेगा।

अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोरों पर

सेन्ट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में प्रकाश सोनकर व सुरेश एरन की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोर–शोर से जारी है। नेहरू स्टेडियम के मैदान को विशेष रूप से संवारा जा रहा है। मोयरा सरिया, खेल एवं युवक कल्याण विभाग तथा नगर पालिक निगम इन्दौर के सहयोग से हो रही इस स्पर्धा में देश की जानी मानी टीमें भाग लेगी। पहला चरण 23 फरवरी से खेला जाएगा, और फिर उसके बाद देश की दिग्गज टीमें अपनी चुनौती पेश करेगी। स्पर्धा की तैयारियों का जायजा व मैदान का अवलोकन महापौर पुष्पमित्र भार्गव, विधायक महेन्द्र हार्डिया, रमेश मूलचंदानी, संजय लुणावत, पवन सिंघानिया व एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाडिया ने किया। इस दौरान भारत मथुरावाला, रविन्द्र राठी, मनीष मित्तल, अरविन्द तिवारी, के.के. गोयल, पिल्लू कौशल, जितेन्द्र गर्ग, महेश दलोदरा, मोहन कप्तान, रमेश खण्डेलवाल, बी.के. गोयल, संजय विजयवर्गीय, मनोहर मस्ताना, अजय रावका, मुकेश जैन व अतुल अग्रवाल मौजूद थे। मैदान को संवारने का कार्य जमना सिलावट, नारायण खरबडीकर व शेख हमीद कर रहे है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने जीता श्याम लाल मेमोरियल महिला हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल हॉकी टूर्नामेंट के महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में एलुमना ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस को 2–1 से मात दी।

श्याम लाल कॉलेज के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में विजेता टीम के लिए दोनों गोल अक्षिता ने दागे, जबकि पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल सोमवती ने किया। शानदार खेल के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना की अक्षिता को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि मनिता को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि रोहतास नगर के विधायक एवं भाजपा नेता जितेंद्र महाजन ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर, दिल्ली यूनिवर्सिटी की फिजिकल एजुकेशन विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता त्यागी, डीयूएससी के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. सुशील कुमार, एम्यूनोथेरेपिस्ट डॉ. जमाल अनोनो खान और जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. नरेंद्र ने खिलाड़ियों को अन्य पुरस्कार वितरित किए।

श्याम लाल कॉलेज की स्पोर्ट्स कमेटी के संयोजक वी.एस. जग्गी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि जितेंद्र महाजन ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारी बेटियां पूरे जोश और उत्साह के साथ हॉकी टूर्नामेंट में उतरीं। कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई। गौरतलब है कि मेजबान श्याम लाल कॉलेज ने इस टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग का खिताब जीता।

बांग्लादेश के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले में अर्शदीप को शामिल करे भारत : पोंटिंग

दुबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच गुरुवार को बांग्लादेश से खेलेगी। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को इसमें हर्षित राणा की जगह पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शामिल करना चाहिये।

पोंटिंग के अनुसार इस टूर्नामेंट में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में अर्शदीप अहम भूमिका निभा सकते हैं। राणा ने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर अंतिम ग्यारह के लिए अपनी दावेदारी पक्की की थी।

पोंटिंग ने कहा कि मैं पहले मैच के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को रखना चाहूंगा। इसलिए मैं राणा की जगह अर्शदीप को टीम में रखना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि अर्शदीप कितना अच्छा गेंदबाज है और अगर कौशल की बात करें तो शायद उसके पास भी बुमराह जैसा कौशल है। वह नई गेंद से डेथ ओवरों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सक्षम है।

पोंटिंग ने कहा कि हर्षित भी एक अच्छा गेंदबाज है। मुझे लगता है कि वह काफी प्रतिभाशाली हैं और हम सभी जानते हैं कि नई गेंद से वह क्या कमाल कर सकता है पर मुझे नहीं लगता कि डेथ ओवरों में वह अर्शदीप जैसी भूमिका निभा सकता है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अंतिम एकादश में बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होना अंतर पैदा करता है। इससे आक्रमण को विविधता मिलती है। टीम में नई गेंद संभालने और मूव करने में सक्षम गेंदबाज की हमेशा ही जरुरत होती है।

पाक के पूर्व गेंदबाज गुल ने कहा, करीबी दोस्त की मौत से टूटकर लिया था संन्यास

कराची। पाकिस्तान में एक ओर जहां आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी शुरु हो रहा है। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें उमर ने अपने अचानक संन्यास का कारण सबसे करीबी दोस्त की मौत से लगे सदमे को बताया है। जब एक टीवी शो में उमर से जब एंकर ने उनसे पूछा कि क्या उनके जीवन में कभी ऐसा पल आया जिससे वह टूट गये तो उन्होंने कहा, हां, ऐसा हुआ है, उमर ने पाकिस्तान के लिए 47 टेस्ट, 130 एकदिवसीय और 60 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने 16 अक्टूबर 2020 में अचानक ही खेल से संन्यास ले लिया था। अब गुल ने पहली बार इसका कारण बताया है और कहा है कि करीबी दोस्त की अचानक हुई मौत से वह दुखी हो गये थे। गुल ने बताया कि सबसे अच्छ दोस्त की अचानक मौत ने उनके तोड़कर रख दिया। उन्होंने कहा कि इस बात को आज तक अपनी पत्नी को भी नहीं बताया है। गुल ने कहा, ईमानदारी से कह रहा हूं, आज तक मैंने कभी अपनी पत्नी को भी नहीं बताया, कि मेरे संन्यास लेने की वजह क्या है। इसका कारण मेरे करीबी दोस्त करीम की सड़क हादसे में हुई मौत है।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में :लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में :लगातार दूसरे दिन कोई उतार-चढ़ाव नहीं हुआ है। सोना :300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। :की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये से लेकर 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना :79,710 रुपये से लेकर 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में :भी 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना :87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी :सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

स्पोर्टी और प्रीमियम लुक के साथ इलेक्ट्रिक एसयूवी सेलियोन7 भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता बीवायडी ने भारतीय बाजार में नई इलेक्ट्रिक एसयूवी सेलियोन 7 लॉन्च कर दी है। यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी दो वेरिएंट्स में उपलब्ध होगी। प्रीमियम वेरिएंट की कीमत 48.9 लाख रुपए और टॉप-स्पेक परफॉर्मेंस वेरिएंट की कीमत 54.9 लाख रुपए एक्स-शोरूम रखी है। कंपनी ने कहा कि सेलियोन 7 की पहली 70 यूनिट्स की डिलीवरी 7 मार्च 2025 से शुरू होगी। सेलियोन 7 का डिज़ाइन इसे एक स्पोर्टी और प्रीमियम लुक देती है। इसमें प्रीमियम वेरिएंट के लिए 19-इंच और परफॉर्मेंस वेरिएंट के लिए 20-इंच अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं। यह एसयूवी अटलांटिस ग्रे, ऑरोरा व्हाइट, कॉसमॉस ब्लैक और शार्क ग्रे जैसे चार रंगों में बाजार में आएगी। केबिन में 15.6-इंच का रोटेटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पैनोरमिक ग्लास रूफ और वायरलेस चार्जिंग जैसी आधुनिक सुविधा से लैस है। सेफ्टी के लिहाज से सेलियोन 7 में 11 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन, फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग, इमरजेंसी ब्रेकिंग और इंटेलिजेंट क्रूज़ कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस एसयूवी में 82.56 केडब्ल्यूएसच एलएफपी बैटरी पैक है, जो 482 किमी की डब्ल्यूएलटीपी-प्रमाणित रेंज प्रदान करता है। परफॉर्मेंस वेरिएंट में 530एचपी की पावर और 690एनएम का टॉर्क मिलता है, जिससे यह 4.5 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार से चलती है।

बाइक 390 ड्यूक की कीमत में 18,000 रुपये तक की कटौती

नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी केटीएम ने अपनी लोकप्रिय बाइक 390 ड्यूक की कीमत में 18,000 रुपये तक की कटौती कर दी है।

सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में किए बदलाव असेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में बदलाव करते हुए असेट मैनेजमेंट कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को समय सीमा में ही निवेश करें। साथ ही रेगुलेटर ने निवेशकों को ज्यादा पारदर्शिता देने के लिए म्यूचुअल फंड स्कीम्स के स्ट्रेस टेस्टिंग की जानकारी देने को भी कहा है। ये बदलाव 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इसका मकसद म्यूचुअल फंड्स के लिए कामकाज में लचीलापन लाना और निवेशकों के बीच जवाबदेही और भरोसा तय करना है।

सेबी ने 14 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में कहा था कि एनएफओ में मिली राशि का इस्तेमाल तय समयसीमा में किया जाएगा। इस बारे में बोर्ड समय-समय पर निर्देश जारी कर सकता है। यह बदलाव सेबी बोर्ड द्वारा दिसंबर में एक प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। इसमें फंड मैनेजरों को एनएफओ के दौरान इकट्ठा की गई रकम को स्कीम के तय असेट एलोकेशन के मुताबिक 30 दिनों में निवेश करने को कहा था।

रेगुलेटर ने कहा था कि अगर तय समय सीमा में पैसा निवेश नहीं किया जाता है, तो निवेशकों को बिना एग्जिट लोड चुकाए स्कीम से बाहर निकलने का विकल्प होगा। ये बदलाव एएमसीएस को एनएफओ के दौरान ज्यादा पैसा इकट्ठा करने से रोकता है। इसकी वजह ये है कि निवेशक बाद में मौजूदा नेट असेट वैल्यू (एनएवी) पर ओपन-एंडेड स्कीम्स में निवेश कर सकते हैं। असेट मैनेजमेंट कंपनियों के कर्मचारियों के लिए काम करने में आसानी के लिए भी सेबी ने कदम उठाए हैं। सेबी का कहना है कि एएमसी ऐसे कर्मचारियों के वेतन का एक फीसदी म्यूचुअल फंड स्कीम की यूनिट में निवेश करेगा। यह कर्मचारियों के पोस्ट या भूमिका के आधार पर होगा।

फोनपे ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए डिवाइस टोकनाइजेशन सॉल्यूशन किया लॉन्च

नई दिल्ली। फिनटेक मेजर फोनपे ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए डिवाइस टोकनाइजेशन सॉल्यूशन लॉन्च करने का ऐलान किया है। इस लॉन्च के साथ यूजर्स फोनपे ऐप पर अपने कार्ड को टोकनाइज कर सकेंगे। फोनपे यूजर्स बिल पेमेंट, रिचार्ज, ट्रैवल टिकट बुकिंग, बीमा खरीदना, पिनकोड पर पेमेंट कार्ड के जरिए कर सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन मर्चेंट जहां फोनपे पेमेंट गेटवे सर्विस इंटीग्रेट हैं, वहां भी कार्ड टोकनाइज किया जा सकेगा। फोनपे के सह-संस्थापक और सीटीओ ने कहा कि यह लॉन्च डिजिटल पेमेंट को सुरक्षित और सहज बनाने की दिशा में अच्छा कदम साबित होगा। कार्ड पेमेंट नेटवर्क के साथ इंटीग्रेट कर और सभी फोनपे पीजी व्यापारियों को डिवाइस टोकनाइज्ड कार्ड तक पहुंच सक्षम कर इस पेशकश का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि फोनपे में हमने हमेशा ऐसे इनोवेटिव सॉल्यूएशन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है, जो ग्राहकों के विश्वास और सुविधा को बढ़ाते हैं। बिजनेस और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लेन-देन को सुरक्षित, तेज और बाधा रहित बनाते हैं। कंपनी के मुताबिक उपभोक्ताओं के लिए कार्ड को टोकनाइज करने से कई लाभ हैं। फोनपे ग्राहकों को अब मर्चेंट प्लेटफॉर्म पर अपने कार्ड की डिटेल्स सेव या हर ट्रांजैक्शन के लिए सीवीवी एंटर करने की जरूरत नहीं होगी, जिससे सक्सेस रेट ज्यादा होगा और चेकआउट के समय कम ड्रॉप-ऑफ होंगे। डिवाइस से सुरक्षित रूप से जुड़े टोकनाइज किए गए कार्ड के साथ चोरी या लीक हुए कार्ड डिटेल से धोखाधड़ी का जोखिम भी काफी कम हो जाता है, जिससे उपभोक्ताओं को सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मिलता है और ऑनलाइन पेमेंट में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अब सोलर पैनल और बैटरी बनाने लगाएगी प्लांट

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अब रिन्यूएबल एनर्जी यानी सौर और पवन ऊर्जा से जुड़े उपकरण बनाएगी। इससे कंपनी का विस्तार होगा। इस नए काम को संभालने के लिए इवान साहा और मुश्ताक हुसैन को सीईओ बनाया गया है। इवान साहा रिन्यूएबल मैन्युफैक्चरिंग के सीईओ होंगे। वहीं मुश्ताक हुसैन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग के सीईओ होंगे।

सूत्रों ने बताया कि आरइंफ्रा रिन्यूएबल एनर्जी मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में रणनीतिक रूप से प्रवेश कर रही है। कंपनी अपनी रणनीति के साथ इस क्षेत्र में कदम रख रही है। कंपनी ऐसा प्लांट लगाएगी जहां सोलर पैनल और दूसरे जरूरी उपकरण बनाए जाएंगे। इससे भारत में सोलर पैनल का प्रोडक्शन बढ़ेगा। सोलर मैन्युफैक्चरिंग का काम इवान साहा देखेंगे। उन्हें सेमीकंडक्टर और सोलर टेक्नोलॉजी में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है। वह विक्रम सोलर और रिन्यू पावर जैसी बड़ी कंपनियों में काम कर चुके हैं।

कंपनी का काम संभालने इवान साहा और मुश्ताक हुसैन को बनाया सीईओ

आरइंफ्रा बैटरी का निर्माण भी करेगा। ये बैटरी बिजली स्टोर करने के काम आएगी। इनका इस्तेमाल बिजली ग्रिड और इलेक्ट्रिक गाड़ियों में होगा। मुश्ताक हुसैन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग का काम देखेंगे। उन्हें ऑटोमोबाइल, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पावर टूल्स के क्षेत्र में 25 साल से ज्यादा का अनुभव है। वे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और टेस्ला जैसी बड़ी कंपनियों में अहम पदों पर रह चुके हैं।

कंपनी के इस फैसले के साथ ही इसके शेयर में कुछ तेजी आई है। मंगलवार को रिलायंस कंपनी के शेयर 1.70 फीसदी की बढ़त के साथ 248.80 रुपए पर बंद हुए। कई दिनों बाद कंपनी के शेयर में तेजी देखी गई। सोमवार को यह 244.65 रुपए पर बंद हुआ और मंगलवार को 248.30 रुपए पर खला था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत और हिंदुओं...

यह पाया गया कि विकिमीडिया फाउंडेशन को ओपन सोसाइटी फाउंडेशन, रॉकफेलर फाउंडेशन, टाइड्स फाउंडेशन और इनके ही जैसे अन्य प्रेरित-निर्देशित फंडों से करोड़ों डॉलर प्राप्त होते हैं। गूगल भी विकिमीडिया फाउंडेशन को लाखों डॉलर दान करता है और विकिपीडिया सामग्री को बढ़ावा देता है, जिसमें एब्सट्रैक्ट विकिपीडिया जैसी परियोजनाओं का वित्तपोषण शामिल है, जिसका उद्देश्य इंटरनेट पर वर्चस्व स्थापित करना है। विकिमीडिया फाउंडेशन के वित्तीय संबंध टाइड्स फाउंडेशन के साथ हैं, जिस पर अमेरिकी धनपशु और षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस के साथ मिलकर अमेरिकी विश्वविद्यालयों में हमास के समर्थन में विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग करने का आरोप है।विकिमीडिया और टाइड्स फाउंडेशन कई ऐसी संस्थाओं को भी फंड देते हैं, जो विशेष रूप से भारत के हितों के खिलाफ कार्य करती हैं और विभिन्न स्तरों पर इसकी संप्रभुता को कमजोर करती हैं। विकिमीडिया फाउंडेशन और टाइड्स फाउंडेशन के संबंध संदिग्ध संगठनों जैसे हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स, इक्वालिटी लैब्स, आर्ट प्लस फेमिनिज्म, एक्सेस नाऊ और भारतीय उद्योगपतियों के खिलाफ हिंडनबर्ग जैसे मामलों के साथ जुड़े पाए गए हैं।विकिमीडिया फाउंडेशन की भारत में कोई भौतिक उपस्थिति नहीं है। इसकी पंजीकृत सोसायटी पहले भारत में थी, लेकिन 2019 में बंद हो गई थी। भारत में उपस्थित न होते हुए भी विकिमीडिया फाउंडेशन दान के रूप में लाखों रुपए एकत्र करता है और भारत में भारत विरोधी और हिंदू विरोधी एनजीओ को फंड देता है। ये एनजीओ विकिमीडिया फाउंडेशन के व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाते हैं। इन संगठनों में सभी वामपंथी झुकाव वाले हैं। विकिपीडिया पर भारत से संबंधित सामग्री के संदर्भ में यह पाया गया कि संपादकों और प्रशासकों का एक छोटा समूह सामग्रियों को विकृत (डिस्टॉर्ट) करता है। इसमें एक वह संपादक भी शामिल है, जिस पर मणिपुर राज्य में असंतोष फैलाने और कलह उत्पन्न करने के लिए केस दर्ज किया गया है। ये संपादक अक्सर विकिपीडिया के लेखों में तथ्यों से छेड़छाड़ करते हैं और वैकल्पिक दृष्टिकोण जोड़ने के प्रयासों को बाधित करते हैं। इसके अलावा, गूगल और विकिमीडिया फाउंडेशन की साझेदारी के कारण सामग्री में विशिष्ट हिंदू-विरोधी और भारत-विरोधी पक्षपात देखा गया है।शोध में यह सिफारिश की गई है कि विकिमीडिया फाउंडेशन को विकिपीडिया पर सभी विवादास्पद सामग्री के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और भारतीय कानूनों के अधीन रहने के लिए भारत में अपनी उपस्थिति स्थापित करनी चाहिए, जिसमें एफसीआरए, एनजीओ, आईटी दिशा-निर्देश, वित्तीय प्रकटीकरण मानक और अन्य कानून शामिल हैं। शोध में विकिमीडिया फाउंडेशन को मिलने वाले अनुदान, इन्हें देने वाली संस्थाएं और एनजीओ एवं अन्य इकाइयों को दिए गए अनुदानों के विस्तृत विवरणों का अध्ययन किया गया है। इसके अलावा, यह समझने का प्रयास किया गया है कि भारत में अपनी भौतिक उपस्थिति बनाए बिना, विकिमीडिया फाउंडेशन कैसे भारत में कार्यरत है और अपने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए विभिन्न संस्थाओं को कैसे धन दे रहा है।इस शोध से यह भी उजागर हुआ है कि विकिमीडिया फाउंडेशन ने विकिपीडिया के व्यवस्थापक न्यूजलिंगर को हजारों डॉलर का भुगतान किया, ताकि एक ऐप और ब्राउजर एक्सटेंशन तैयार किया जा सके, जो विकिपीडिया के पक्षपाती स्रोतों को टेम्पलेटाइज कर सके। इसका मतलब है कि जब भी कोई व्यक्ति इंटरनेट पर किसी वेबसाइट को पढ़ेगा, तो विकिपीडिया संपादकों के पक्षपाती विचार सामने आएंगे, जो यह तय करेंगे कि कौन सा स्रोत विश्वसनीय है और कौन सा नहीं। विकिमीडिया फाउंडेशन और गूगल के सहयोग से इस परियोजना को लागू करने की तैयारी है। सिफारिश की गई है कि भारत सरकार को एक ब्राउजर एक्सटेंशन पर काम करना चाहिए जो विकिपीडिया लेखों में, कम से कम भारत से संबंधित, पक्षपाती विचारों, गलत जानकारी, फर्जी खबरों और मिथ्या सूचना को चिन्हित कर सके।

छत्रपति संभाजी...

छत्रपति संभाजी महाराज को लेकर विकिपीडिया पर लिखी गई विवादित बातों का हम निषेध करते हैं, राज्य सरकार ने आईजी साइबर को विकिपीडिया से बात कर विवादित बातों को हटाकर सही जानकारी प्रेषित करने का आदेश दिया है।महाराष्ट्र के सीएम ने कहा, उनके अपने नियम हैं। हम उन्हें सुझाव दे रहे हैं कि हमारी ऐतिहासिक चीजों को विकृत करने के बजाय, एक अनुशासित नियम बनाएं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं है। यह दूसरों की स्वतंत्रता का अतिक्रमण नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि इतिहास के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि संभाजी महाराज को लेकर कमाल राशिद खान ने विकिपीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की थी, जिसे प्रकाशित-प्रसारित करने की स्वीकृति विकिपीडिया ने दी थी।

35 लाख...

आकार को कम करने को प्रभावित करती है।

कनाडा में भी इमिग्रेशन विभाग (आईआरसीसी) ने अगले तीन वर्षों में अपने कर्मचारियों में 25 प्रतिशत कटौती करने की घोषणा की है, जबकि वहां भी 22 लाख आवेदन लंबित हैं। इससे कनाडा में भी पीआर का प्रोसेस धीमा हो जाएगा। अमेरिका के रहने वाले राणा टुट का कहना है कि आव्रजन न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिसके कारण देश में अवैध अप्रवासियों की संख्या में वृद्धि हुई है। चूंकि मामलों को सिस्टम से गुजरने में बहुत समय लगता है, इसलिए प्रतीक्षा करने वाले कई लोग अपने समुदायों में जड़ें जमाना शुरू कर देते हैं। निश्चित तौर पर इमिग्रेशन प्रकिया धीमी हो जाएगी और इसका नुकसान काफी पंजाबी युवाओं को होगा।इस महीने अमेरिका से डिपोर्ट हुए भारतीयों की संख्या 332 है, जिन्हें तीन खेप में भारत भेजा गया। पांच फरवरी को 104 भारतीय भेजे गए, जिनमें 30 लोग पंजाबी थे। 15 फरवरी को 116 भारतीय भेजे गए, जिनमें पंजाब के 67 लोग शामिल थे। फिर 16 फरवरी को 112 भारतीय आए जिनमें पंजाब के 31 लोग शामिल थे। यानी इन तीन खेपों में 128 पंजाबियों को अमेरिका से भारत भेजा गया।

चुनाव परिणामों ...

बूथ स्तर से पार्टी को मजबूत करने और ऐसे लोगों को बढ़ावा देने का आग्रह किया, जो संगठन के प्रति वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हैं। खड़गे ने संगठन में कुछ और बदलावों का भी संकेत दिया और कहा कि कुछ बदलाव पहले ही हो चुके हैं और कुछ और होने वाले हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा, मैं आपसे जवाबदेही की सबसे महत्वपूर्ण बात के बारे में बात करना चाहता हूं। राज्यों में संगठन को नया स्वरूप देने और भविष्य के सभी चुनाव परिणामों के लिए आप सभी को जवाबदेह ठहराया जाएगा।बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सभी महासचिव और विभिन्न राज्यों के प्रभारी शामिल थे। खड़गे ने पार्टी नेताओं से कहा, दिल्ली ने बदलाव के लिए मतदान किया और संसाधनों की कमी के बावजूद अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए राज्य नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की जाती है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि पार्टी नेताओं को अगले पांच वर्षों में जनहित के मुद्दे उठाने चाहिए और संगठन को दिल्ली में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरने का प्रयास करना चाहिए।

आतंकवाद का...

भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। इस पर पी. हरीश ने कहा कि आतंकवाद का कोई भी कारण या मकसद स्वीकार्य नहीं हो सकता। निर्दोष लोगों पर हमला किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान झूठ और गलत जानकारी फैलाने की कोशिश करता है, लेकिन इससे सच्चाई नहीं बदलती।उन्होंने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों ने भारत में कई हमलों को अंजाम दिया है। पाकिस्तान इन्हें सीमा पार से समर्थन देता है, जिससे भारत में हिंसा फैलती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन और व्यक्ति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति की सूची में शामिल हैं, जिन पर संपत्ति जब्त करने, हथियारों की आपूर्ति रोकने और यात्रा प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। भारत ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल ही में चुनाव हुए, जिसमें लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया और अपनी सरकार चुनी। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत और जीवंत है, जबकि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में पाकिस्तान खुद जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा किए हुए है और वहां के हालात खराब हैं। इसके साथ ही भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के मामले में कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अच्छे और बुरे आतंकवादियों के बीच अंतर नहीं करना चाहिए।

सुरक्षा परिषद ...

बैठक के दौरान यूएन में भारत के स्थायी राजदूत पी. हरीश ने कहा कि वैश्विक दक्षिण को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत और कई अन्य अहम देशों को भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। भारतीय राजदूत ने 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में विस्तार की मांग दोहराई और कहा कि यूएन में तीन बड़े बदलाव होने बेहद जरूरी हैं। हरीश ने कहा कि पहले तो सुरक्षा परिषद में स्थायी और गैर-स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, दूसरा दस्तावेज आधारित सुलह समझौते होने चाहिए और तीसरा बड़े वैश्विक मुद्दों पर नतीजों के लिए एक तय समय सीमा होनी चाहिए।भारतीय राजनयिक ने कहा कि जो देश सुरक्षा परिषद के विस्तार का विरोध कर रहे हैं, वे यथास्थिति बनाए रखना चाहते हैं और छोटी सोच के हैं। उनकी सोच प्रतिगामी है। इसे और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। पीएम मोदी के बीते साल सितंबर में दिए एक बयान का जिक्र करते हुए हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की अहमियत बनाए रखने के लिए सुधार जरूरी हैं। भारतीय राजनयिक ने कहा कि भारत लगातार यूएन में सुधार की मांग उठा रहा है। दुनिया बदल चुकी है और समय के साथ संयुक्त राष्ट्र को भी बदलने की जरूरत है। यह मौजूदा वैश्विक व्यवस्था को प्रदर्शित करना चाहिए न कि साल 1945 की व्यवस्था को।

संगम के दूषित...

पीठ ने यह भी कहा कि पानी की क्वालिटी पर यूपीसीबी की अनुपालन रिपोर्ट में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन और फेकल कोलीफॉर्म के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। उत्तर प्रदेश की एडिशनल एडवोकेट जनरल गरिमा प्रसाद ने कहा कि यूपीपीसीबी, सीपीसीबी की रिपोर्ट में किए गए खुलासे की जांच करेगा और पानी की क्वालिटी में सुधार के लिए सही कार्रवाई की जाएगी।

कुंभ में गंगा में पानी की क्वालिटी पर सीपीसीबी की रिपोर्ट में कहा गया, पानी में फेकल कोलीफॉर्म का लेवल काफी ज्यादा पाया गया है। असल में जांच टीम ने कई जगहों पर पानी की जांच की थी, उस जांच के दौरान ही यह बात सामने आई कि पानी में फोकल कोलीफॉर्म की मात्रा काफी ज्यादा रही। इतना ही नहीं इसकी वजह भी बताई गई और कहा गया कि इस समय क्योंकि संगम में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं, उस वजह से फोकल कोलीफॉर्म की मात्रा बढ़ गई है।

कानून को...

राजीव कुमार के मंगलवार शाम को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद उन्होंने बुधवार को 26वें सीईसी के रूप में शपथ ली। देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है, तब आधी रात को नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का फैसला लेना प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लिए अपमानजनक और अशिष्ट है ।

सनातन के बाद...

इसके अलावा, वीसीके अध्यक्ष टोला थिरुमावलवन ने भी कहा कि भाजपा हिंदी को इसलिए थोप रही है क्योंकि वह एक राष्ट्र, एक भाषा की नीति लागू करना चाहती है, जिससे हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाया जा सके।

उल्लेखनीय है कि सितंबर 2023 में स्टालिन ने सनातन धर्म का विरोध करते हुए कहा था कि कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए, जैसे डेंगू, मच्छर, मलेरिया और कोरोना वायरस को खत्म करने की जरूरत होती है, वैसे ही सनातन धर्म को भी समाप्त करना चाहिए।

विजया एकादशी पर भगवान विष्णु को अर्पित करें ये चीजें, मिलेगा दोगुना फल

फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को विजया एकादशी के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में विजया एकादशी सोमवार, 24 फरवरी 2025 को मनाई जाएगी। यह भगवान विष्णु की कृपा प्राप्ति के लिए एक खास तिथि मानी गई है।

जरूर अर्पित करें ये चीज

तुलसी के विष्णु की जी प्रिय माना जाता है, इसलिए इसे विष्णुप्रिया के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में एकादशी पर तुलसी का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस दिन आपको विष्णु जी के भोग में तुलसी के पत्ते जरूर शामिल करने चाहिए, ताकि आपको व्रत का पूर्ण फल प्राप्त हो सके।

प्रसन्न होंगे प्रभु श्रीहरि

एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले रंग के वस्त्र जरूर अर्पित करने चाहिए, क्योंकि पीला रंग उनका प्रिय माना गया है। इसी के साथ विष्णु जी का आसन भी पीला होना चाहिए। इसी के साथ पूजा के दौरान श्रीहरि को चंदन का टीका लगाएं। ऐसा करने पर आपके ऊपर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है।

लगाएं इन चीजों का भोग

विजया एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले रंग की मिठाई जैसे बेसन के लड्डू, केला, पंचामृत, खीर और पंजीरी आदि का भोग लगा सकते हैं। भोग में तुलसी दल भी जरूर शामिल करें। इससे भगवान विष्णु जल्दी प्रसन्न होते हैं और आपको अच्छे परिणाम मिलते हैं।

इन चीजों का करें दान

एकादशी के दिन गरीबों व जरूरतमंदों में दान करने का भी विशेष महत्व है। ऐसे में आप इस दिन पर अपनी क्षमता अनुसार, अन्न, पीली चने की दाल, पीले रंग के वस्त्र आदि का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से साधक को विष्णु जी के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी कृपा मिलती है।

दो राशियों की लगने वाली है लॉटरी चमक उठेगा किस्मत का सितारा

फाल्गुन का महीना कई राशि के जातकों के लिए शानदार रहने वाला है। इस महीने में सूर्य और बुध देव ने राशि परिवर्तन किया है। आने वाले समय में बुध देव फिर से राशि परिवर्तन करेंगे। इससे पूर्व (पहले) आत्मा के कारक सूर्य देव ने नक्षत्र परिवर्तन किया है। सूर्य देव के नक्षत्र परिवर्तन से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। इनमें 2 राशि के जातकों को सबसे अधिक फायदा होगा।

सूर्य गोचर

ज्योतिषियों की मानें तो सूर्य देव 19 फरवरी को नक्षत्र परिवर्तन किया है। आत्मा के कारक सूर्य देव ने आज दोपहर 12 बजकर 34 मिनट पर शतभिषा नक्षत्र में गोचर किया है। शतभिषा नक्षत्र में सूर्य देव 3 मार्च तक रहेंगे। इसके अगले दिन सूर्य देव नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। वहीं, 14 मार्च को सूर्य देव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे।

वृषभ राशि – सूर्य देव के नक्षत्र बदलने से वृषभ राशि के जातकों को अधिक फायदा मिलेगा। इस राशि के जातकों को सबसे अधिक लाभ कारोबार में होगा। नए काम का श्रीगणेश कर सकते हैं। अटके काम में गति आएगी। पार्टनरशिप में किए गए कामों से फायदा होगा। शुभ कामों में सफलता मिलेगी। किसी अपने की मदद मिलेगी। सेहत अच्छी रहेगी। सरकार की तरफ से धन लाभ हो सकता है। नौकरी की तलाश में लगे जातकों को सफलता मिल सकती है। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

कुंभ राशि –सूर्य देव के नक्षत्र परिवर्तन से कुंभ राशि के जातकों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। धन लाभ होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। धन अर्जन करने का राह मिलेगा। पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़ी बात बन बनेगी। करियर में सफलता मिलेगी। विद्या में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होंगे। धार्मिक यात्रा के योग हैं। दान-पुण्य में भागीदारी बढ़ेगी। भगवान शिव की पूजा करें और रोजाना सूर्य देव को जल अर्पित करें।

युधिष्ठिर के साथ कौन पहुंचा था स्वर्ग, अर्जुन या भीम नहीं है इसका जवाब

महाभारत काल के युधिष्ठिर एक निष्काम धर्मात्मा थे। वह कुंती की संतान थे ते, जो उन्हें एक दिव्य वरदान के रूप में यमराज से प्राप्त हुए थे। धर्मराज को यमराज का ही स्वरूप माना जाता है, इसलिए वह धर्मराज युधिष्ठिर कहलाते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि आखिर महाभारत के युद्ध की समाप्ति के बाद युधिष्ठिर सहित अन्य पांडवों का क्या हुआ।

अंत में कौन रहा जीवित

पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाभारत का युद्ध समाप्त होने के बाद पांचों भाई और द्रौपदी हिमालय की ओर स्वर्गारोहण के लिए निकल गए। स्वर्ग यात्रा के दौरान द्रौपदी समेत भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव का देहावसान (मृत्यु) हो गया। अंत में केवल युधिष्ठिर और एक कुत्ता, जो यमराज के दूत का स्वरूप था केवल वही जीवित बचे और स्वर्ग तक पहुंचने में सफल रहे।

स्वर्ग में मिली दिव्य देह

जब युधिष्ठिर स्वर्ग के द्वार पर पहुंचे, तो वहां उनकी मुलाकात इंद्र देव से हुई। इंद्र ने युधिष्ठिर के सामने यह शर्त रखी कि तुम जीवित अवस्था में ही स्वर्ग में रह सकते हो, लेकिन इसके लिए तुम्हें इस कुत्ते को यहीं छोड़ना होगा। इसपर धर्मराज इंद्र देव से कहते हैं कि 'जिस स्वर्ग के लिए आश्रित शरणागत धर्म का त्याग करना पड़े, मुझे ऐसे स्वर्ग की कोई आवश्यकता नहीं है'। तब यमराज के दूत अपने असली रूप में आ गए और युधिष्ठिर ने शरीर के साथ ही स्वर्ग में प्रवेश किया। स्वर्ग में उन्हें एक दिव्य देह प्राप्त हुई।

केवल धर्मराज ही क्यों पहुंचे स्वर्ग

युधिष्ठिर के रूप में यमराज ने पूरे जीवन धर्म और सत्य को सर्वोपरि रखा था। उन्होंने अपने पूरे जीवन में केवल अच्छे कर्म किए थे और धर्म के मार्ग से नहीं भटके, जबकि अन्य पांडवों ने युद्ध जीतने के लिए सभी मांपदंडों को अपनाया था। यही कारण है कि सभी में से केवल युधिष्ठिर को ही मोक्ष मिला, अर्थात वह जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो गए।

हथेली में मौजूद तिल व्यक्ति को दिलाते हैं मान-सम्मान

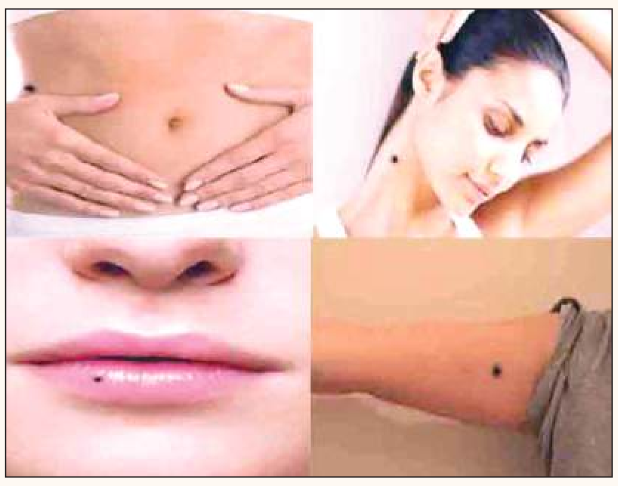

हस्तरेखा शास्त्र ज्योतिष शास्त्र की ही एक शाखा है, जिस प्रकार ज्योतिष शास्त्र की मदद से किसी भी व्यक्ति के जीवन के बारे में पता लगाया जा सकता है, ठीक उसी प्रकार हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेलियों में बनी रेखाओं और चिन्हों का आकलन करके व्यक्ति के जीवन के विषय में जानकारी दी जाती है। हस्तरेखा शास्त्र में रेखाओं और हाथों में बने चिन्हों को देखकर व्यक्ति के भविष्य या जीवन के बारे में मूल्यांकन किया जा सकता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक हथेली में मौजूद तिल के निशान भी भविष्य के बारे में बहुत कुछ संकेत देते हैं। हथेली में अलग-अलग जगह पर मौजूद तिल के शुभ और अशुभ दोनों परिणाम मिलते हैं। इन तिलों से व्यक्ति के जीवन से जुड़ी कई बातों के बारे में पता लगाया जा सकता है।

अंगूठे पर तिल

अंगूठे पर तिल का होना शुभ संकेत देता है। जिन लोगों के अंगूठे पर तिल होता है वो लोग बहुत ही भाग्यशाली माने जाते हैं। ऐसा व्यक्ति साहित्य और कला का प्रेमी होता है। साथ ही ऐसे लोगों को व्यापार में काफी सफलता मिलती है।

तर्जनी अंगुली पर तिल

जिन लोगों की तर्जनी अंगुली पर तिल होता है, वे बेहद भाग्यशाली होते हैं। ऐसे लोगों पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहती है। ऐसे लोग धनवान होने के साथ ही सभी सुख-सुविदधाओं से परिपूर्ण रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग काफी मेहनती भी होते हैं।

मध्यमा अंगुली पर तिल

जिन जातकों की मध्यमा अंगुली पर तिल होता है वे तेज-तर्रार होते हैं। साथ ही ऐसे लोग महंगी चीजें खरीदने का शौक रखते हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार ऐसे लोग ऐशोआराम में जिंदगी बिताते हैं।

कनिष्ठा अंगुली पर तिल

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिन लोगों की सबसे छोटी यानी कनिष्ठा अंगुली पर तिल का निशान होता है वे मान-सम्मान के साथ-साथ खूब धन-दौलत अर्जित करते हैं। ऐसे लोगों का व्यक्तित्व भी काफी शानदार होता है।

गुरु पर्वत पर तिल

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेली में गुरु पर्वत पर तिल का होना बताता है कि व्यक्ति को जीवन में भरपूर धन-दौलत मिलेगी। उसे अपने जीवन में सारे सुख मिलेंगे।

शनि पर्वत पर तिल

मान्यता है कि किसी जातक की हथेली में मौजूद शनि पर्वत अच्छी तरह विकसित हो और उस पर तिल हो तो वह व्यक्ति अपनी मेहनत और बुद्धिमानी से अकूत धन-संपत्ति कमाता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

हनुमान जी कृपा की बरसती है उन लोगों पर जिनका नाम इस अक्षर से शुरू होता है

हनुमान जी को कलियुग का शाश्वत देवता कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि बजरंगबली आज भी पृथ्वी पर मौजूद हैं और जीवित हैं। बजरंगबली की पूजा के लिए मंगलवार का दिन सबसे शुभ माना गया है। इस दिन किए पूजा-व्रत से भगवान प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। लेकिन कुछ ऐसे नाम वाले लोग भी होते हैं, जिनपर बजरंगबली की खूब कृपा बरसती है।

किसी भी व्यक्ति के लिए नाम ही उसकी पहचान होती है। हरेक नाम का खास अर्थ भी होता है। ज्योतिष के अनुसार व्यक्ति के नाम पर उसका व्यक्तित्व और जीवन भी निर्भर करता है। इसलिए यह कहावत बिल्कुल गलत है कि नाम में क्या रखा है। क्योंकि नाम में बहुत कुछ रखा है। ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास कुछ ऐसे अक्षरों के बारे में बताते हैं, जोकि भगवान हनुमान को प्रिय है। जिन लोगों का नाम इन अक्षरों से होता है, वे हनुमान जी के बेहद करीब माने जाते हैं।

अक्षर "D'- अगर आपका नाम ऊ से शुरू होता है तो आप बहुत भाग्यशाली हैं। क्योंकि आप पर हमेशा बजरंगबली की कृपा रहेगी और उनकी कृपा से आपके सारे कार्य सफल भी होंगे।

अक्षर "K'- आपके नाम का पहला अक्षर K है तो आप भी बहुत लकी हैं। K अक्षर से शुरू होने वाले नाम के लोग अपने कार्य को अच्छे तरीके से करते हैं और किसी काम में हड़बड़ी नहीं दिखाते हैं और ना ही इन्हें किसी तरह की गलती पसंद होती है। इन पर भी हनुमान जी की कृपा रहती है।

अक्षर "M'- जिन लोगों के नाम का पहला अक्षर M होता है वे भी हनुमान जी के बेहद करीब माने जाते हैं। साथ ही म अक्षर के नाम वाले लोग हर परिस्थिति को पार करने में माहिर होते हैं।

अक्षर "P'- अगर आपके नाम का पहला अक्षर P है तो खुश हो जाइए, क्योंकि इन लोगों को हनुमान जी के प्रति गहरी आस्था होती है, जिस कारण इन्हें भगवान का आशीर्वाद मिलता है।

अक्षर "S'- जिनका नाम S अक्षर से शुरू होता है वे मेहनती, सुंदर, ईमानदार और कोमल स्वभाव के माने जाते हैं। ये अपने स्वभाव से लोगों को आकर्षित कर लेते है। इस अक्षर के नाम वाले लोग हनुमान जी को भी प्रिय होते हैं।

जानकी जयंती कल इन चौपाइयों के साथ करें सीता माता की पूजा

पंचांग के मुताबिक हर साल फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जानकी जयंती मनाई जाती है। धार्मिक व पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि पर राजा जनक ने पुत्री के रूप में देवी सीता को स्वीकार किया था। इसे सीता अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है।

इस दिन माता सीता और भगवान राम की पूजा अर्चना करनी चाहिए। माता सीता को साक्षात लक्ष्मी अवतार माना जाता है। इसलिए जानकी जयंती पर इसकी पूजा करने से घर पर सुख-समृद्धि की कमी नहीं रहती। विशेषकर विवाहित महिलाओं को जानकी जयंती की पूजा जरूर करनी चाहिए।

इस साल जानकी जयंती 21 फरवरी को मनाया जाएगा। फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 20 फरवरी को सुबह 9:58 पर शुरू हो जाएगी और 21 फरवरी को सुबह 11:57 पर समाप्त होगी। उदयातिथि के आधार पर गुरुवार 21 फरवरी को ही जानकी जयंती मनाई जाएगी और पूजा-अर्चना जैसे कार्य किए जाएंगे।

जानकी जयंती पूजा विधि

जानकी जयंती पर माता सीता की पूजा कर उन्हें प्रसन्न किया जा सकता है। अगर आप माता सीता का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं तो इस दिन विधि-विधान से उनकी पूजा अर्चना करें। साथ ही कुछ चौपाइयां भी पढ़ सकते हैं। पूजा के लिए 21 फरवरी को जानकी जयंती के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि के बाद साफ कपड़े पहनकर व्रत का संकल्प लें। आप मंदिर या फिर पूजाघर में ही जानकी जयंती की पूजा कर सकते हैं। पूजा के लिए एक चौकी सजाकर उस पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं और माता सीता एवं श्रीराम की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद रोली, अक्षत, फूल, भोग आदि अर्पित करते हुए पूजा करें और जानकी जयंती की व्रत कथा का पाठ करें। पूजा के बाद आप माता जानकी के मंत्र और चौपाइयां भी पढ़ सकते हैं। आखिर में आरती करें।

जानकी जयंती पर पढ़ें ये चौपाईयां

राम भगति मनि उर बस जाकें। दु:ख लवलेस न सपनेहुँ ताकें।।

चतुर सिरोमनि तेइ जग माहीं। जे मनि लागि सुजतन कराहीं।।

अगुण सगुण गुण मंदिर सुंदर, भ्रम तम प्रबल प्रताप दिवाकर ।

काम क्रोध मद गज पंचानन, बसहु निरंतर जन मन कानन।।

कहु तात अस मोर प्रनामा। सब प्रकार प्रभु पूरनकामा ।।

दीन दयाल बिरिदु संभारी। हरहु नाथ मम संकट भारी।।

जा पर कृपा राम की होई, ता पर कृपा करहिं सब कोई।

जिनके कपट, दंभ नहिं माया, तिनके हृदय बसहु रघुराया।

गृहस्थ जीवन और सन्यास जीवन में से कौन श्रेष्ठ

प्रेमानंद जी महाराज एक महान संत और विचारक हैं जो जीवन का सच्चा अर्थ समझाते और बताते हैं। प्रेमानंद जी के अनमोल विचार जीवन को सुधारने और संतुलन बनाएं रखने में मार्गदर्शन करते हैं। प्रेमानंद जी महाराज कहते हैं जैसे हम अपने दोनों नेत्रों में कौन श्रेष्ठ है इस बात को नहीं बता सकते हैं। उसी प्रकार ग्रहस्थ और सन्यास में कौन श्रेष्ठ है यह बताना भी मुश्किल है। दोनों को ही प्रेमानंद जी महाराज से श्रेष्ठ बताया है। गृहस्थ जीवन से ही सन्यास की शुरुआत होती है। संत महात्मा गृहस्थ से पैदा होते हैं। इसके बाद बिरक्त हो जाते हैं। इसके बाद उनका पालन पोषण गृहस्थों से होता।

प्रेमानंद जी का मानना है कि गृहस्थ हमारी दाहिनी आंख के समान है। गृहस्थों को उपदेश देकर भागवत प्राप्ति संत ही कराते हैं। संत जन ही हमें पाप रहित बनाते हैं। सत मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी संत ही दिखाते हैं। तो दोनो आंखों के समाना गृहस्थ और दूसरी बिरक्त को रखा गया है। साथ ही यह भी बताते हैं कि दोनों आंखों की एक ही दृष्टि है और वो हैं भगवान। अगर भगवान की प्राप्ति नहीं हुई तो गृहस्थ, गृहस्थ नहीं और विरक्त, विरक्त नहीं। अपनी जगह दोनों महान है। कोई छोटा बड़ा नहीं। आप संत को बड़ा मानते हो और प्रणाम करते हो उनका सम्मान करते हो, वहीं संत आपको बड़ा मानते हैं वो सब में भगवान को देखते हैं। संत भिक्षा लेता है और शिक्षा देता है दोनों का बराबर का नाता है, भिक्षा और शिक्षा का, माया जीव अपनी माया के द्वारा संत सेवा करता है, वो ज्ञानी महापुरुष अपने ज्ञान के द्वारा गृहस्थ की सेवा करते हैं। गृहस्थ अन्न, वस्त्र के द्वारा संत की सेवा करता है, संत भजन, तपस्या, साधना के द्वारा गृहस्थ की सेवा करते हैं। दोनों एक दूसरे के पुरख है, और दोनों ऐसे हैं जैसे दोनों दृष्टि हो हमारी। लेकिन दृष्टि एक है, दोनों का लक्ष्य भगवान की प्राप्ति है। किसको ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?

गृहस्थ और संत दोनों का ही मार्ग चुनौती भरा है। गृहस्थ का मार्ग साधारण नहीं, उसके पास ना ना प्रकार की चिंताएं हैं, साथ में मनुष्य सेवा करता है भगवान का नाम लेता है। साथ ही विरक्त के पास अपनी चुनौतियां है पूरे जीवन में ब्रह्मचर्य से रहना, ना मनोरंजन, ना प्रेम किसी लोभ में नहीं रहता। वो इन चिंताओं से जलता है, विरक्त के पास भी जलन है और वह अपनी हर मांग को दबा रहा है हर मांग को रोक रहा है। दोनों सामान चुनौतियों वाले हैं। साधु पूरे जीवन भर किसी का प्यार नहीं पाता, ना मां का, भाई का, पत्नी का। किसी प्रकार का कोई मनोरंजन सुख नहीं ले पाता। भगवान ने जन्म दिया अपने अपने कर्तव्यों का पालन करते रहें।भगवान की प्राप्ति करनी है तो अपनी-अपनी पूजा करें, साथ ही नाम जप जरुर करें और पाप-कर्म ना करें।

गुरुदत्त के शादीशुदा जीवन में वहीदा रहमान ने मचा दी थी उथल पुथल!

अभिनय की दुनिया में प्यार, शादी, धोखा और फिर तलाक शुरुआत से ही आम है। फिल्म इंडस्ट्री में बहुत कम कपल हैं, जिनके प्यार को मुकाम मिला है। फिल्मी दुनिया में तो शादीशुदा स्टार्स का दूसरे प्यार पड़ जाना और फिर अपना घर बर्बाद करना आम है। इसमें एक नाम है 50 से 60 के दशक के उस एक्टर का, जिसकी शादीशुदा जिंदगी में आई इस लड़की ने तबाही मचा दी थी।

आखिर में ना मिला प्यार ना परिवार

इस एक्टर का परिवार जीते-जी नरक की खाई में डूबने लगा, आखिर में इस एक्टर को ना तो प्यार मिला और ना ही परिवार। कभी यह एक्टर हिंदी सिनेमा की शान हुआ करता था। यह ना सिर्फ एक्टर बल्कि फिल्म डायरेक्टर और निर्माता भी था।

ना प्यार मिला ना ही परिवार

दरअसल, बात कर रहे हैं गुरुदत्त की, जिनका असली नाम वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण था। गरीबी में पले-बढ़े गुरुदत्त 10वीं क्लास से आगे नहीं पढ़ पाए, लेकिन संगीत और कला में रूचि होने के चलते स्कॉलरशिप मिली और उदय शंकर इंडिया कल्चर सेंटर में एडमिशन ले लिया। यहां गुरुदत्त ने डांस सीखा और कोरिग्राफर बन गए। 1946 में फिल्म हम एक में बतौर कोरियोग्राफर करियर की शुरुआत की। साल 1953 में गुरुदत्त ने गीता से शादी रचाई और शादी के चार साल बाद ही गुरुदत की जिंदगी बर्बादी के रास्ते पर आ गई। रिपोर्ट्स की मानें तो गुरुदत्त गुजरे जमाने की एक्ट्रेस वहीदा रहमान के प्यार में पड़ गए थे। इसके बाद गुरुदत्त और गीता के झगड़े हद से ज्यादा बढ़ गए।

शादी भी टूटी और प्यार भी छूटा

दूसरी तरफ गुरुदत्त की आंखों से वहीदा की तस्वीर नहीं जाती थी। गुरुदत्त वहीदा के प्यार में पत्नी और परिवार सबको भूलते जा रहे थे। गीता ने गुरुदत्त को रंगे हाथ पकड़ने के लिए वहीदा के नाम से एक खत भेजा और पत्र में लिखी लोकेशन पर जब गुरुदत्त अपने दोस्त अबरार संग पहुंचे तो, थोड़ी देर में गीता अपनी सहेली संग वहां पहुंचीं। इसके बाद गुरुदत्त भड़क गए और यहां से दोनों का रिश्ता टूट गया। वहीं, गीता ने वहीदा पर भी खूब भड़ास निकाली थी। गीता ने कहा था जब से वहीदा की हमारी जिंदगी में एंट्री हुई, तबसे हम लोगों की जिंदगी नर्क से बदतर हो गई'। वहीं कहा जाने लगा कि गुरुदत्त और वहीदा ने धर्म बदल शादी कर ली, लेकिन इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई। गुरुदत्त शराब के नशे में डूबते गए और वहीदा भी दूर होती गईं और एक दिन वह अपने बिस्तर पर बेसुध मिले।

लाइव कॉन्सर्ट में अरिजीत सिंह को आया पापा का वीडियो कॉल

अरिजीत सिंह बॉलीवुड के ऐसे सिंगर हैं जो अपनी आवाज से फैन्स के दिलों में खास जगह बना चुके हैं। वो अपनी सिंप्लिसिटी के लिए भी खूब पसंद किए जाते हैं। उनकी कॉन्सर्ट में फैन्स की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे शोज में अपने चेहरे पर मुस्कान रख कर अरिजीत सिंह अपने एक एक फैन को खुश करते हैं। उनके फेवरेट सॉन्ग सुनाते हैं और उनसे स्टेज पर रह कर ही अपने अंदाज में इंटरेक्ट भी करते हैं। ऐसे ही एक कॉन्सर्ट में अरिजीत सिंह के फोन पर एक खास कॉल आ गया। उसके बाद सिंगर ने जो किया वो फैन्स का दिल फिर जीत ले गया।

लाइव कॉन्सर्ट में आया फोन

सोशल मीडिया पर अरिजीत सिंह के फैन उनका ये वीडियो खूब वायरल कर रहे हैं। इस वीडियो में अरिजीत सिंह का लाइव कॉन्सर्ट दिख रहा है। ये कॉन्सर्ट चंडीगढ़ का बताया जा रहा है। इस कॉन्सर्ट में अरिजीत सिंह एक गाना गा रहे होते हैं। इसी बीच एक वीडियो कॉल आता है। आमतौर पर जब कॉन्सर्ट के बीच ऐसे कॉल आते हैं तो आर्टिस्ट या तो कॉल ड्रॉप कर देता है या फिर गाना रोक देता है। अरिजीत सिंह ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कुछ ऐसा किया कि कॉल पर बात भी हुई और गाना भी नहीं रुका।

इस तरह की बात

असल में ये कॉल अरिजीत सिंह के पापा का था। उन्होंने अपने बेटे को वीडियो कॉल किया था। अरिजीत सिंह ने कॉल रिसीव किया और पापा को कॉन्सर्ट का वीडियो दिखाया। वो गाना गाते रहे और फैन्स की तरफ फोन की स्क्रीन घुमा दी ताकि उनके फादर कॉन्सर्ट का नजारा देख सकें। गाना गाते हुए उन्होंने बीच में कहा, मेरे पापा का फोन था। इसके बाद फिर उन्होंने गाना कंटिन्यू रखा। उनके इस खूबसूरत जेश्चर को देखकर फैन्स फिर उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक फैन ने लिखा कि आपके जज्बात आपकी आवाज जितने ही खूबसूरत हैं। एक फैन ने लिखा कि एक ही दिल अरिजीत सिंह कितनी बार जीतेंगे।

सिकंदर से सलमान का नया पोस्टर आउट

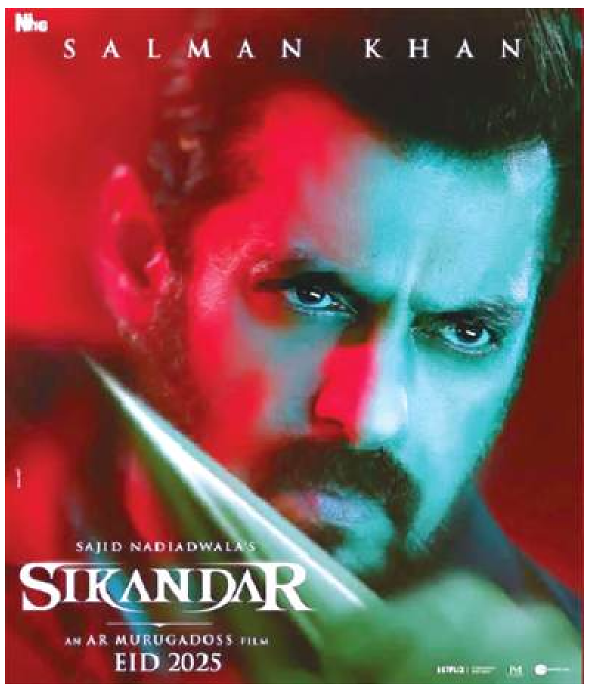

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की मोस्ट अवेटेड मास एक्शन फिल्म सिकंदर के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला का बर्थडे है। इस बाबत सलमान ने साजिद नाडियाडवाला को बीती रात को जन्मदिन विश कर दिया। सलमान ने साजिद को बर्थडे विश कर फिल्म सिकंदर के सेट से एक तस्वीर भी शेयर की है। इस तस्वीर में सलमान खान सिकंदर लुक में दिख रहे हैं और साथ में साजिद नाडियाडवाला भी नजर आ रहे हैं। बता दें, सलमान और साजिद अपने फैंस को सिकंदर से बड़ा सरप्राइज देने का वादा किया था, जो पूरा कर दिया है। फिल्म सिकंदर से सलमान खान का नया पोस्टर रिलीज हो गया है।पहले आपको बता दें कि सलमान खान ने साजिद खान को बर्थडे विश करते हुए लिखा है, हैप्पी बर्थढे ग्रैंडसन, आज 3।33 बजे पोस्टर रिवील करने जा रहे हैं। बता दें, बीती 27 दिसंबर को सलमान खान के बर्थडे के मौके पर फिल्म सिकंदर का टीजर जारी किया गया था, जिसमें सलमान खान का डेयरिंग अंदाज देखा गया था। आज फिल्म सिकंदर से सलमान खान का नया लुक पोस्टर रिलीज किया गया है। अब सलमान खान के फैंस के लिए यह नया पोस्टर किसी बिग सेलिब्रेशन से कम नहीं है। बता दें, सलमान और साजिद की जोड़ी ने बॉलीवुड को एक से एक हिट फिल्में दी हैं।बता दें, सलमान खान, रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल स्टारर फिल्म सिकंदर को आमिर खान के साथ फिल्म गजनी बना चुके डायरेक्टर एआर मुरुगदास डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म ईद 2025 (मार्च के अंत) के मौके पर रिलीज होने जा रही है। सिकंदर एक मास एक्शन फिल्म बताई जा रही है, जिसमें सलमान खान का नेवर सीन अवतार देखने को मिलेगा। सलमान खान के फैंस को फिल्म सिकंदर का बेसब्री से इंतजार है और सलमान भी अपने फैंस के लिए ईदी की तैयारी में लगे हुए हैं। सिकंदर की खास बात यह भी है कि रश्मिका मंदाना पहली बार सलमान खान के साथ काम करने जा रही हैं।

3 फिल्मों से कमाए 3000 करोड़, रश्मिका है नेशनल क्रश

किसी भी एक्टर और एक्ट्रेस की सक्सेस का मीटर उसकी फिल्म की कमाई से तय होता है। अब अगर बॉलीवुड एक्ट्रेसेज की कमाई और सक्सेसफुल फिल्मों की बात की जाए तो एक ऐसी एक्ट्रेस का नाम आता है जो असल में बॉलीवुड से है भी नहीं। इनका कनेक्शन असल में साउथ से है और करियर की शुरुआत भी साउथ की फिल्म से ही हुई है। उम्मीद है आप समझ गए होंगे कि हम यहां ब्लॉक बस्टर क्वीन रश्मिका मंदाना की बात कर रहे हैं। रश्मिका हिंदी फिल्मों का लकी चार्म बनती जा रही हैं।

अब तक तीन फिल्में कर चुकी हैं करीब तीन हजार करोड़ से ज्यादा की कमाई

रश्मिका मंदाना को अगर फिल्म मेकर्स का लकी चार्म कहा जाए तो गलत नहीं होगा क्योंकि उनकी बैक टु बैक तीन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर छप्पर फाड़ कमाई की है। इस लिस्ट में सबसे पहले आती है एनिमल। साल 2023 की ये धांसू एक्शन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्ड वाइड करीब 900 करोड़ से ज्यादा की कलेक्शन की थी। इस फिल्म का फर्स्ट डे से लेकर आखिरी शो तक फुल ही रहा था। यही वजह है कि ये इनती बड़ी हिट कहलाई।

इसके बाद 2024 में रश्मिका मंदाना श्रीवल्ली बनकर आईं और पुष्पा-2 से बॉक्स ऑफिस पर नोटों का तूफान ला दिया। ये एक पैन इंडिया फिल्म

थी और इसने सबसे ज्यादा कमाई हिंदी वर्जन में की थी। अगर इस फिल्म की वर्ल्ड वाइड कलेक्शन

कमाई में दीपिका, कैटरीना और प्रियंका से निकली आगे

की बात करें तो आंकड़ा करीब 1800 करोड़ था। इस फिल्म ने पहले थियेटर्स में और फिर ओटीटी पर भी लोगों को एंटरटेन किया और दुनियाभर में अब ओटीटी के जरिए भी खूब देखी जा रही है। रश्मिका की हालिया रिलीज छावा भी दर्शकों की उम्मीद पर खरी उतरी और एक्ट्रेस ने साबित कर दिया कि वो वाकई लकी चार्म बन गई हैं। विक्की कौशल के साथ आई ये फिल्म भी अब तक 116.5 करोड़ की कमाई कर चुकी है। बात करें आने वाली फिल्म की तो रश्मिका सलमान खान के साथ सिकंदर में नजर आएंगी। उम्मीद है ये फिल्म भी सुपर-डुपर हिट होगी।

मेरे हस्बैंड की बीवी का नया गीत सांवरिया जी जारी

अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुलप्रीत सिंह स्टारर कॉमेडी ड्रामा मेरे हसबैंड की बीवी का नया गाना सांवरिया जी आउट हो चुका है। सांवरिया जी में रकुल और भूमि के बीच नोकझोंक देखने को मिली।गोरी है कलाइयां और इक वारी के बाद सांवरिया जी भी मजेदार गाना है, जिसमें रकुल और भूमि के बीच नोकझोंक देखने को मिली। गाने में रकुल और भूमि में अर्जुन कपूर को हासिल के लिए आपस में भिड़ती दिखीं। गाने में उनकी नोकझोंक और प्रतिस्पर्धा को खूबसूरती से पेश किया गया है।सांवरिया जी गाने को आवाज सोहेल सेन और वर्षा सिंह धनोआ ने दी है, और बोल मुदस्सर अजीज ने लिखे हैं। ट्रैक में संगीत सोहेल सेन ने दिया है। ट्रैक को प्रतीक लालजी के साथ मिलकर अजीज ने निर्माण भी किया है।मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी का ट्रेलर हाल ही में निर्माताओं ने जारी किया, जिसमें लव ट्रायंगल नहीं बल्कि सर्कल देखने को मिला।फिल्म मेकर्स ने ट्रेलर को सोशल

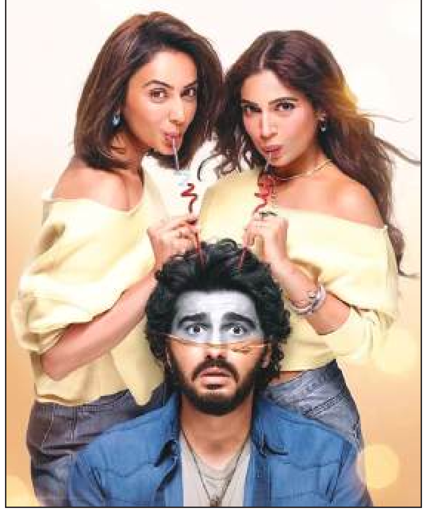

मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, इस सीजन के सबसे बड़े पागलपन के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि ये लव ट्रायंगल नहीं, फुल सर्कल है! मेरे हसबैंड की बीवी का ट्रेलर आउट हो चुका है।फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, भूमि पेडनेकर, अर्जुन कपूर के साथ स्टैंड-अप कॉमेडियन हर्ष गुजराल, आदित्य सील, शक्ति कपूर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।हाल ही में निर्माताओं ने रिलीज की तारीख के साथ फिल्म का पहला मोशन पोस्टर दर्शकों के सामने पेश किया था।मेरे हसबैंड की बीवी लव ट्रायंगल पर आधारित कॉमेडी फिल्म है, जिसके निर्देशक मुदस्सर अजीज हैं और निर्माता वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख हैं।अजीज पति पत्नी और वो, खेल खेल में जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। मेरे हसबैंड की बीवी 21 फरवरी को रिलीज होगी।

अक्षय कुमार का गीत महाकाल चलो जारी

शिवलिंग से लिपटे दिखे अभिनेता

महाशिवरात्रि से पहले अभिनेता अक्षय कुमार का गाना महाकाल चलो रिलीज हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि महाकाल को समर्पित यह गीत अक्षय ने पलाश सेन और विक्रम मोंट्रो के साथ मिलकर गाया है। इसके बोल शेखर अस्तित्व ने लिखे हैं। गाने का निर्देशन गणेश आचार्य ने किया है।महाकाल चलो में अक्षय भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। गाना गाते हुए वह शिवलिंग से लिपटे दिखाई दे रहे हैं।अक्षय ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर महाकाल चलो गाना साझा किया है। उन्होंने लिखा, शिव भक्ति में एक और कदम, महाकाल चलो उम्मीद है कि जिस दिव्य अनुभव को मैंने गाते समय महसूस किया, वही आप भी महसूस करेंगे।काम के मोर्चे पर बात करें तो अक्षय जल्द ही फिल्म केसरी: चैप्टर 2 में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अनन्या पांडे और आर माधवन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

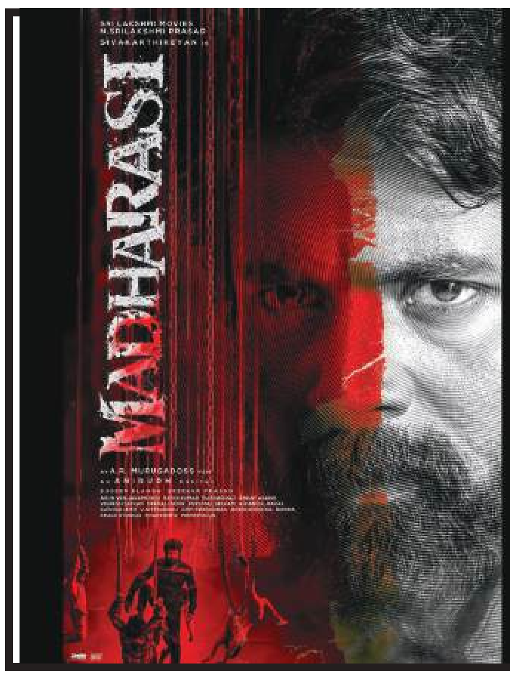

शिव कार्तिकेयन के जन्मदिन पर प्रशंसकों को मिला तोहफा

आगामी फिल्म के टाइटल संग एक्टर का फर्स्ट लुक आउट

तमिल एक्टर शिवकार्तिकेयन के 40वां जन्मदिन के मौके पर एक्टर को हर तरफ से बधाइयां मिल रही हैं। इसी कड़ी में एसके23 के मेकर्स ने शिवकार्तिकेयन के जन्मदिन पर उनके फैंस को एक नया तोहफा दिया है। मेकर्स ने एसके23 का ऑफिशियल टाइटल जारी करते हुए एक्टर की पहली झलक दिखाई है।17 फरवरी को एसके23 के डायरेक्टर एआर मुरुगादास ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ऑफिशियल टाइटल का पोस्टर साझा किया और फिल्म के हीरो शिवकार्तिकेयन को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हैप्पी बर्थ शिवकार्तिकेयन। बड़े पैमान पर एक्शन के लिए ग्राउंड तैयार है। तबाही शुरू। एसके23 का ऑफिशियल टाइटल मद्रासी है। पोस्ट के कैप्शन में टाइटल के ग्लिम्प्स का लिंक भी दिया गया।वहीं, शिवकार्तिकेयन ने भी अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, हमारे फेवरेट एआर मुरुगादॉस सर और मेरे प्यारे अनिरुद्ध के साथ हमारी हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर, मद्रासी टाइटल की झलक पेश करने के लिए एक्साइटेड हैं।शिवकार्तिकेयन स्टारर को 5 भाषाओं तमिल, तेलुगू, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। एसके23 का तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम टाइटल मद्रासी है। जबकि हिंदी में इसका टाइटल दिल मद्रासी है।मेकर्स द्वारा जारी किए गए टाइटल ग्लिम्प्स की शुरुआत एक जंग की तैयारी के साथ होती है। इसमें दमदार एक्शन, बम विस्फोट, गोलीबारी समेत कई हिंसक सीन दिखाए गए हैं। वहीं, विद्युत जामवाल की एंट्री ने ग्लिम्प्स में जान डाल दी हैं। गिटार बजाते हुए फिल्म की हीरोइन रुक्मिणी वसंत की भी झलक दिखाई गई है। इस सीन के बाद शिवकार्तिकेयन की एंट्री दिखाई गई है। वहीं आखिरी में शिवकार्तिकेयन की झलक दिखाई गई है, जो साइलेंट, लेकिन वायलेंट लुक में नजर आ रहे हैं।दिल मद्रासी को पहले एसकेएक्सएआरएम के नाम से जाना जाता था। एआर मुरुगादास की निर्देशित एक्शन फिल्म में शिवकार्तिकेयन अहम भूमिका में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर-ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 20 फरवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 10:01 तक
नक्षत्र : विशाखा दोपहर 01:30 तक
योग : ध्रुव प्रातः 11:32 तक
करण : बव प्रातः 10:01 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:19 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:26 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 06:11 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान बजट 2025 :

दीया कुमारी ने राजस्थानवासियों को दिया बजट में तोहफा

मुफ्त बिजली के साथ किसानों और युवाओं के लिए किए कई बड़े ऐलान

जयपुर,19 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। बजट के दौरान वित्त मंत्री ने मुफ्त बिजली, स्वामित्व योजना के अंतर्गत 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित करने, किसानों और युवाओं के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं।

राज्य वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि 6000 करोड़ की लागत से 21000 किमी नॉन पेचेबल सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। प्रथम चरण में हर विधानसभा क्षेत्र में 10-10 करोड़ और मरुस्थली क्षेत्र में 15-15 करोड़ की लागत से सड़कों का निर्माण होगा।

उन्होंने कहा कि सुगम यातायात, हमारी प्राथमिकता है। रोडवेज को 500 नई बसें मिलेंगी और शहरी क्षेत्रों में भी 500 नई सिटी बसें मिलेंगी। इसके अलावा उन्होंने 150 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की है। मुफ्त बिजली के लाभार्थियों के घरों पर सोलर प्लेट लगाई जाएंगी।उन्होंने किसानों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 50 हजार कृषि और 5 लाख घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी होंगे।

राज्य वित्त मंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित किए जायेंगे। 25000 घुमंतू और अर्ध घुमंतू परिवारों को पट्टे दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष के प्रथम चरण में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10-10 करोड़ रुपये की लागत से नॉन पैचेबल सड़कों के कार्य करवाए जाएंगे। तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों का संविदा कैडर बानते हुए 1050 पद सृजित किए जाएंगे। राज्य वित्त मंत्री ने युवाओं को नौकरी की भी सौगात दी है। उन्होंने 1 लाख 25 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू साइन किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि 750 चिकित्सक और 1500 पैरामेडिकल स्टाफ के पद सृजित होंगे। 50 करोड़ की लागत से फिट राजस्थान अभियान शुरू होगा। 20 ट्रॉमा सेंटर को अपग्रेडेशन किया जाएगा। आगामी वर्ष में 5700 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन के कार्य किए जाएंगे। राज्य वित्त मंत्री ने कहा कि पंच गौरव योजना के तहत 550 करोड़ रुपये के कार्य करवाने और नवगठित नगरीय निकायों समेत अन्य क्षेत्रों में आगामी वर्ष महिलाओं के लिए 175 करोड़ रुपये की लागत से 500 पिंक टॉयलेट के निर्माण का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाई जाएगी।

औद्योगिक विकास को मिलेगी रफ्तार

जयपुर,19 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने वर्ष 2025-26 के बजट में उद्योगों के विकास के लिए कई घोषणाएं की है। इससे राज्य में औद्योगिक विकास को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। राजस्थान में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए सरकार ने कई बड़े कदम उठाए हैं। खास तौर पर 'राइजिंग राजस्थान' के तहत हुए एमओयू को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का गठन किया गया है।

राज्य में 'सिंगल विंडो वन स्टॉप शॉप' व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए ऑनलाइन परमिशनों की संख्या बढ़ाकर 149 कर दी गई है, जिससे निवेशकों को तेज़ और पारदर्शी सेवाएं मिल सकेंगी। औद्योगिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए विभिन्न विभागों हेतु कॉम्पिटिटिव इंडेक्स लागू किया जा रहा है।राज्य में 'प्लग एंड प्ले मॉडल' पर आधारित औद्योगिक क्षेत्रों का विकास होगा, जिससे उद्यमियों को तुरंत उत्पादन शुरू करने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, 'फ्लैटेड फैक्ट्री' व्यवस्था भी लागू की जा रही है। सेवा क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी लाई गई है।

20 लाख महिलाएं बनेंगी लखपति दीदी

जयपुर,19 फरवरी (एजेंसियां)। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत राजीविका मिशन के तहत 20 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' की श्रेणी में लाने की योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को 1.5 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 1 लाख रुपये तक का लोन प्रदान किया जाएगा। इससे पहले ब्याज दर 2.5 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से आंगनवाड़ी केंद्रों पर अगले पांच महीनों के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण किट योजना लागू की जाएगी, जिससे 2 लाख 35 हजार महिलाएं लाभान्वित होंगी। इस योजना पर 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

बालिकाओं की देखभाल के लिए भी अहम घोषणाएं की गई हैं। बालिका गृह में रहने वाली बालिकाओं के लिए 50 बेड वाले 'सरस्वती होम' बनाए जाएंगे। साथ ही, 10 जिला मुख्यालयों पर गर्ल चाइल्ड केयर सेंटर भी खोले जाएंगे।

करोड़ की लागत से 'मां फंड' योजना, राज्य के बाहर इलाज की सुविधा

जयपुर,19 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने 3500 करोड़ रुपये की लागत से मां फंड बनाने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा प्रदान करना है। मां योजना के तहत राज्य के बाहर इलाज की सुविधा।70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा पैकेज में नए विकल्प और आयुष पैकेज जोड़े जाएंगे।

सभी जिला अस्पतालों में डायबिटिक क्लीनिक खोले जाएंगे और पीएचसी पर डिजिटल एक्सरे मशीन लगाई जाएगी। कारीगरों के लिए आंखों की फ्री जांच और चश्मे दिए जाएंगे। फिट राजस्थान अभियान के तहत स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाई जाएगी, इसके लिए 50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नई आयुष नीति के तहत गांवों को आयुष्मान आदर्श गांव घोषित किया जाएगा और उन्हें 11 लाख रुपये की मदद दी जाएगी।

राजस्थान के जन-जन, प्रदेश के कण-कण को समर्पित बजट : भजनलाल

जयपुर,19 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और राज्य की जनता से संकल्प पत्र में किये गये वादों के अनुसार राज्य बजट 2025-26 प्रस्तुत किया गया है। राज्य सरकार ने एक वर्ष के कार्यकाल में संकल्प पत्र के 58 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे कर दिये है। उन्होंने कहा कि सर्वजनहिताय बजट राजस्थान के जन-जन और प्रदेश के कण-कण को समर्पित है। यह बजट राज्य का समग्र एवं सतत विकास सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को विधानसभा में उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा राज्य बजट वर्ष 2025-26 प्रस्तुत किये जाने के बाद पत्रकार वार्ता में बताया कि हमारी सरकार पंडित दीन दयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा डॉ. भीम राव अम्बेडकर की विचारधारा के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गत जुलाई माह में प्रस्तुत परिवर्तित बजट की 96 प्रतिशत से अधिक घोषणाओं में हमने भूमि आवंटन कर दिया है तथा लगभग 85 प्रतिशत से ज्यादा घोषणाओं से संबंधित प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी जा चुकी है। श्री शर्मा ने कहा कि संभवतया ऐसा पहली बार है कि सात माह के अल्प समय में ही बजट घोषणाओं को इतने वृहद स्तर पर धरातल पर उतारा

गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि देश की चार जातियों युवा, महिला, मजदूर और किसान के उत्थान से ही देश का विकास संभव है और प्रदेश का यह बजट आठ करोड़ राजस्थानियों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर इकोनॉमी में बदलने के लिए कटिबद्ध है।

उन्होंने बजट को जनहित में समर्पित और विकासोन्मुख बताते हुए कहा कि इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में ठोस प्रावधान किए गये हैं, जो राज्य के सम्पूर्ण विकास को सुनिश्चित करेंगे। आगामी वर्ष में 20 लाख घरों तक पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य लेकर राज्य सरकार कार्य करेगी। नगरीय क्षेत्रों में घर-घर नल से जल पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन शहरी शुरू किया जाएगा। इसमें 5 हजार 830 करोड़ रूपए की लागत से काम किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान भी अब ग्रीन बजट पेश करने वाले देश के चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है। सस्टेनेबल ग्रीन प्रणाली को प्रोत्साहित करने, क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने, बायोडायवर्सिटी, वाटर हार्वेस्टिंग, ग्रीन एनर्जी, रिसाइक्लिंग आदि को प्रोत्साहित करने के लिए कुल राज्य बजट की 11.34 प्रतिशत राशि का प्रावधान ग्रीन बजट के लिए किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ा कर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

इस क्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रदेश में दी जा रही 8 हजार रूपए की राशि को बढ़ा कर 9 हजार रूपए प्रति वर्ष करने की घोषणा की गई है। किसानों को गेहूं के एमएसपी पर दिए जा रहे 125 रूपए प्रति क्विंटल के बोनस के स्थान पर अब 150 रूपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले बजट में हमने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना शुरू की थी, अब इस बजट में इस योजना में बीमित पशुपालकों की संख्या को दोगुना किया जाएगा।

बीकानेर की नेशनल चैंपियन पावर लिफ्टर यष्टिका आचार्य की मौत

जिम में 270 किलो की रॉड गिरने से टूटी गर्दन, गोवा में जीता था गोल्ड मेडल

बीकानेर,19 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर की 17 वर्षीय नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियन यष्टिका आचार्य की मंगलवार शाम जिम में प्रैक्टिस के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। प्रैक्टिस के दौरान 270 किलो वजनी रॉड अचानक उनकी गर्दन पर गिर पड़ी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यष्टिका ने हाल ही में गोवा में आयोजित 33वीं नेशनल बेंच प्रेस चैंपियनशिप में इक्विप्ड कैटेगरी में गोल्ड और क्लासिक कैटेगरी में सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

यह दर्दनाक हादसा नया शहर थाना इलाके की द पावर हेडक्टर जिम में हुआ। हादसे का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें यष्टिका भारी वेट उठाने की कोशिश कर रही हैं। ट्रेनर की मौजूदगी में जैसे ही उन्होंने वेट उठाया, संतुलन बिगड़ा और 270 किलो वजनी स्क्वॉट्स रॉड उनकी गर्दन पर आ गिरी। घटना के तुरंत बाद कोच और अन्य प्लेयर्स ने वेट हटाया और यष्टिका को सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। हॉस्पिटल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यष्टिका के पिता ऐश्वर्य आचार्य एक कॉन्ट्रैक्टर हैं और तीन बेटियों के पिता हैं। यष्टिका की एक बहन भी पावर लिफ्टिंग में सक्रिय है। हादसे के वक्त परिवार शादी समारोह के लिए हनुमानगढ़ गया हुआ था, लेकिन यष्टिका ने प्रैक्टिस की निरंतरता बनाए रखने के लिए जिम जाना चुना।

नया शहर थानाधिकारी विक्रम तिवाड़ी के मुताबिक, परिजनों ने अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं करवाया है। हालांकि, पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवा लिया है और जांच जारी है।

इस बार सरसों की सरकारी खरीद होगी 15 मार्च से शुरू : नायब सिंह

चंडीगढ़,19 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस बार सरसों की फसल के मंडी में जल्द आगमन को देखते हुए 28 मार्च की बजाए 15 मार्च से ही सरकारी खरीद शुरू कर दी जाए।मुख्यमंत्री रबी विपणन मौसम 2025-26 के दौरान सरसों की खरीद करने बारे आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने सरसों की खरीद की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसान हितों को हमेशा सर्वोपरि रखती है और हमेशा किसानों की भलाई के कार्यों को तवज्जो देती है। हरियाणा ऐसा पहला प्रदेश है जहां सभी फसलों को एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीदा जा रहा है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सरसों की खरीद के लिए 108 मंडियां निर्धारित की गई हैं। उन्होंने खरीद एजेंसियों, मंडी बोर्ड व संबंधित विभागों को सरसों की खरीद सुचारू रूप से करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य में आम तौर पर 17 से 20 लाख एकड़ क्षेत्र में सरसों उगाई जाती है जबकि रबी फसल सीजन 2024-25 के दौरान 21.08 लाख एकड़ क्षेत्र में सरसों उगाई गई है। ऐसे में अनुमानित उत्पादन 15.59 लाख मीट्रिक टन होने की संभावना है। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। उन्होंने बताया कि उक्त समर्थन मूल्य का लाभ लेने के लिए किसानों को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत व सत्यापित करवानी आवश्यक होती है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में सरसों की खरीद हैफेड एवं हरियाणा राज्य भण्डारण निगम द्वारा की जाएगी। बैठक में कृषि तथा किसान कल्याण विभाग, हैफेड, हरियाणा राज्य विपणन बोर्ड, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग व हरियाणा राज्य भण्डारण निगम के अधिकारी मौजूद थे।

हिसार में कांग्रेस को बड़ा झटका

पूर्व प्रत्याशी रामनिवास राड़ा समेत कई नेता भाजपा में शामिल

हिसार,19 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में आगामी चुनावी गतिविधियों के बीच कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। हिसार विधानसभा क्षेत्र से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास राड़ा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। उनके साथ पूर्व नगर निगम चेयरमैन बिहारीलाल राड़ा, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष रोहित, हिसार लोकसभा युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सनेत समेत एक दर्जन नेता भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए।इन सभी नेताओं को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पार्टी की पगड़ी पहनाकर विधिवत रूप से भाजपा में शामिल कराया। इस राजनीतिक घटनाक्रम को भाजपा के लिए बड़ी जीत और कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

रामनिवास राड़ा व उनके समर्थकों के भाजपा में शामिल होने के पीछे कई राजनीतिक समीकरण बताए जा रहे हैं। वहीं, भाजपा ने भी उन्हें पार्टी में शामिल कर हिसार की राजनीति में अपनी स्थिति मजबूत करने के संकेत दिए हैं। इस मौके पर रामनिवास राड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियां और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में किए जा रहे विकास कार्य सराहनीय हैं। मैं खुद भी

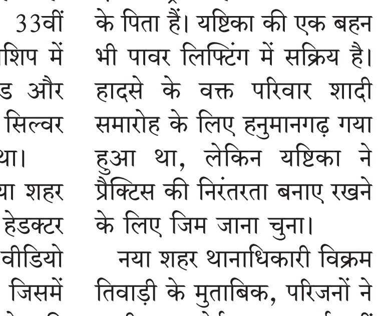

हरियाणा की जनता की सेवा करना चाहता हूं, इसलिए भाजपा में शामिल हुआ हूं।

हिसार में हुए इस राजनीतिक घटनाक्रम से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पिछले विधानसभा चुनाव में रामनिवास राड़ा कांग्रेस प्रत्याशी थे, ऐसे में उनका भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए संघर्षपूर्ण साबित हो सकता है। वहीं, पूर्व नगर निगम चेयरमैन बिहारीलाल राड़ा और युवा कांग्रेस के कई बड़े चेहरे भी भाजपा में चले गए, जिससे कांग्रेस की जमीनी पकड़ कमजोर हो सकती है। यह घटनाक्रम भाजपा के लिए चुनावी बढ़त साबित हो सकता है, क्योंकि कांग्रेस के इन नेताओं का हिसार लोकसभा सीट और विधानसभा क्षेत्रों में अच्छा प्रभाव है।हरियाणा में भाजपा लगातार विपक्षी दलों के प्रभावशाली नेताओं को अपने पाले में लाने में लगी हुई है।

सीएम नीतीश ने रोहतास को 379 करोड़ की सौगात दी

193 विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

रोहतास (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान रोहतास को 379 करोड़ की लगभग 193 विकास परियोजनाओं की सौगात दी है। रोहतास जिले के चेनारी प्रखंड के बादलगढ़ में बुधवार को पहुंचे मुख्यमंत्री ने लगभग 268 करोड़ की लागत से पूर्ण 69 योजनाओं का उद्घाटन किया और 111 करोड़ की लागत से शुरू होने वाली 124 विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री रोहतास जिले के चेनारी, बिक्रमगंज, संझौली और सासाराम प्रखंड में चल रहे कई विकास कार्यों का भी जायजा लिया और जमीनी हकीकत से रूबरू हुए।

जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री सबसे पहले चेनारी प्रखंड के बादलगढ़ पहुंचें। जहां उन्होंने 50 करोड़ की लागत से बने दुर्गावती इको टूरिज्म और एडवेंचर हब तथा हाट एयर बैलून का उद्घाटन किया। साथ ही 271.19 लाख की लागत से बनने वाले बोट हाउस कैंप की आधारशिला रखी। इसके अलावा बादलगढ़ में खेल मैदान, मल्हीपुर पंचायत सरकार भवन परिसर स्थित तालाब निर्माण, सोख्ता निर्माण, पशु शेड, चेनारी प्रखंड के ग्राम बैरिया में महादलित सामुदायिक भवन, वर्क शेड, डाकघर, पुस्तकालय, वीडियो कॉन्फ्रेसिंग कक्ष और आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन कर विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से बिक्रमगंज के घुसियां खुर्द गांव पहुंचे। जहां उन्होंने इंटीग्रेटेड फॉर्मिंग और उत्कर्ष बायोफ्यूल प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान बिक्रमगंज स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालयों में एसीआर भवन, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोसियाकला में विद्यालय भवन निर्माण, विद्यालयों में बॉयज शौचालय समेत विभिन्न प्रखंडों में विद्यालय भवन, शौचालय, सामुदायिक भवन, वर्क शेड, राज्य कल्याण छात्रावास भवन, सबडिवीजन कार्यालय, उच्च स्तरीय आरसीसी पुल निर्माण, विद्यालयों में नवनिर्मित लैब, एसपी जैन महाविद्यालय में पुस्तकालय, गर्ल्स हॉस्टल, नौहट्टा में डिग्री कॉलेज के चारदीवारी और पीसीसी सड़क, जीविका ग्राम संगठन कार्यालय, दिनारा प्रखंड में प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय आदि का उद्घाटन किया।

प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रोहतास जिले में कुल 124 योजनाओं का शिलान्यास किया, जिसमें वन स्टॉप सेंटर, अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी आवास निर्माण, सामुदायिक भवन, महादलित वर्कशेड, ई-किसान भवन समेत मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क यूनियन योजना के तहत सासाराम प्रमंडल वन के कुल 115 पथ, सासाराम प्रमंडल दो के 102 पथ, बिक्रमगंज प्रमंडल के 81 तथा डेहरी प्रमंडल के 51 पथों का शिलान्यास शामिल है।

प्रगति यात्रा के दौरान सासाराम पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिला समाहरणालय स्थित डीआरडीए संवाद कक्ष में अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक भी की। बैठक के दौरान सर्वप्रथम डीएम उदिता सिंह ने जिले में चल रही विकास कार्यों की प्रगति और उसके अद्यतन स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस दौरान स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, हर घर नल का जल, हर घर तक पक्की गली-नाली, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, हर खेत तक सिंचाई का पानी, कृषि फीडर निर्माण, मुख्यमंत्री कृषि विद्युत कनेक्शन योजना, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहन, टेलीमेडिसीन के माध्यम से चिकित्सा परामर्श, पशु चिकित्सा सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी और पंचायत सरकार भवन के निर्माण कार्य के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

इसके अलावा खेल-कूद को बढ़ावा देने हेतु स्पोर्ट्स क्लब का गठन, प्रत्येक पंचायत में खेल मैदान, मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों का गठन, राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, दाखिल खारिज, परिमार्जन, परिमार्जन प्लस एवं जल-जीवन-हरियाली के तहत जीर्णोद्धार कराए गए सार्वजनिक कुओं, पोखर तथा तालाबों की अद्यतन स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान समीक्षा बैठक में मौजूद जिले के जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री के समक्ष अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं रखीं।

आंदोलन के बीच बीपीएससी ने 70वीं मेंस परीक्षा की तारीखों का किया एलान

25 अप्रैल से एग्जाम

पटना (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग ने 70वीं लिखित परीक्षा की तारीखों का एलान कर दिया है। आयोग 25 अप्रैल से इसकी परीक्षा लेगी। इसके लिए 21 फरवरी ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। यह आवेदन 17 मार्च तक स्वीकार किए जाएंगे।

बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी किए गए अधिसूचना में लिखा गया कि 70वीं प्रारंभिक परीक्षा पास कर चुके अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा 25 अप्रैल से शुरू होगी और 30 अप्रैल तक चलेगी। यह परीक्षा दो पालियों में ली जाएगी। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बीपीएससी मेंस परीक्षा 25 अप्रैल को दो पाली में ली जाएगी। इस दिन पहली पाली की परीक्षा साढ़े नौ बजे से साढ़े 12 बजे तक होगी। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दो बजे से शाम पांच बजे तक होगी। वहीं 26, 28 और 30 अप्रैल को एक एक पाली में परीक्षा होगी। इन दोनों ने परीक्षा सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होगी। वहीं 29 अप्रैल को दो पाली में परीक्षा ली जाएगी। पहली पाली 10 बजे से 12 बजे तक चलेगी। वहीं दूसरी पाली दो से पांच बजे तक चलेगी। आइए जानते हैं किस दिन किस विषय की परीक्षा होगी।

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई 70वीं पीटी परीक्षा को दोबारा कराने की मांग को लेकर पटना में मंगलवार को भी प्रदर्शन हुआ। बीपीएससी अभ्यर्थियों ने गर्दनीबाग और मुसल्लहपुर हाल में विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार की तरह ही मंगलवार को भी पटना में छात्र और शिक्षक सड़क पर उतर गए। कई अभ्यर्थी गर्दनीबाग धरनास्थल पर भी प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षकों में खान सर समेत कई लोग शामिल हैं। यह सभी छात्रों के प्रदर्शन को अपना समर्थन दे रहे हैं। सभी लोग बीपीएससी और नीतीश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। इनकी मांग है कि बिहार लोक सेवा आयोग 70वीं पीटी परीक्षा को जल्द से जल्द रद्द करे और दुबारा एग्जाम ले।

दिनदहाड़े बैंक सीएसपी में हथियार लहराते घुसे अपराधी

डेढ़ मिनट में डेढ़ लाख की लूट

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। गरौल थाना क्षेत्र के गोदियां बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक के कस्टमर सर्विस प्वाइंट (सीएसपी) में महज डेढ़ मिनट में नकाबपोश बदमाशों ने डेढ़ लाख रुपये लूट लिए। पूरी घटना सीएसपी सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिससे पुलिस जांच में मदद मिल रही है।

जानकारी के मुताबिक, घटना दोपहर 12:45 बजे की है जब दो नकाबपोश बदमाश सीएसपी सेंटर में घुसे। एक बदमाश ने संचालक को पिस्तौल के बल पर बाहर निकाल लिया और उसे केबिन के बाहर एक कोने में खड़ा कर दिया। बदमाश लगातार गोली मारने की धमकी देते रहे, जिससे मौके पर मौजूद ग्राहकों में दहशत फैल गई। जैसे ही संचालक केबिन से बाहर आया, अपराधियों ने उसके साथ हाथा-पाई की और एक बदमाश अंदर घुसकर झोले में रुपये भरने लगा। पूरी लूट की वारदात को अपराधियों ने महज डेढ़ मिनट में अंजाम दिया। लूटपाट के बाद बदमाशों ने बाहर से कुंडी लगाई और फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही गरौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ताकि अपराधियों की पहचान हो सके। इस मामले को लेकर महुआ के एसडीपीओ सौरभ सुमन ने बताया कि लूट की सूचना मिलने पर तुरंत घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास के इलाकों में छापामारी कर रही है। उन्होंने बताया कि 17 से 18 साल के दो युवकों द्वारा लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। सीएसपी से डेढ़ लाख रुपये की लूट हुई है। इसका फुटेज भी सामने आया है, हम लोगों ने लोगों से अपील की है कि पहचान कर इसकी जो सूचना मिले, वह गोरौल थाना पुलिस को दें।

सड़क हादसे में युवती समेत तीन की मौत, स्टेशन जाने के दौरान हुआ हादसा

पटना (एजेंसियां)। नालंदा में मंगलवार की देर शाम सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मामला राजगीर थाना क्षेत्र अंतर्गत आयुध निर्माण फैक्ट्री के समीप की है।

मृतकों की पहचान राजगीर थाना क्षेत्र के लोहरा गांव निवासी संजय यादव के पुत्र मंटू कुमार (18) एवं विंधेश्वरी यादव के पुत्र मुकेश कुमार (20) के रूप में की गई है। इस घटना में एक युवती की भी मौत हुई है, जिसकी पहचान नहीं हो सकी है।

घटना के संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस राजगीर से चलकर वाराणसी को जाती है। इसी ट्रेन को पकड़ने के लिए बाइक पर सवार होकर तीनों राजगीर स्टेशन जा रहे थे। गांव से एक ही बाइक पर सवार होकर सभी राजगीर स्टेशन जा रहे थे। इसी बीच आयुध निर्माण कारखाना के समीप सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इस घटना में तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने आनन-फानन में तीनों को राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। शव के शिनाख्त होने के उपरांत परिजनों को घटना की जानकारी दी गई।

घटना के संबंध में राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि घटना के बाद ट्रक को जप्त कर लिया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि युवती के संबंध में पूछने पर दोनो मृतकों के परिजनों का कहना है कि वेलोग युवती को नहीं पहचानते हैं। दोनों युवकों को वह युवती कब और कहाँ मिली, इस बात की जानकारी किसी को नहीं है। फिलहाल पुलिस उस युवती की पहचान में पुलिस जुट गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

दिल्ली रेल हादसे पर तेजस्वी यादव केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर बरसे

रेल मंत्री से मांगा इस्तीफा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राजस्व सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि रेल हादसा लगातार बढ़ गए हैं, लेकिन रेल मंत्रालय द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाती है और न ही इसकी जांच बेहतर तरीके से करवाई जा रही है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रयागराज घाट से लेकर रेलवे प्लेटफार्म तक हादसे हो रहे हैं, जिसको लेकर किसी न किसी की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। यह सरकार की नाकामी है। उन्होंने बताया कि बदइंतजामी के यह हादसा हुआ है और हो रहे हैं।

तेजस्वी ने आगे कहा कि बिहार के बड़े तादाद में लोग प्रयागराज जाते हैं और मारे जाते हैं। यह व्यवस्था पूरी तरीके से चौपट हो चुकी है। इसकी निष्पक्ष जांच और मामले में कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि बिहार के सभी स्टेशनों पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लगती है। इसे लेकर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है, जिसको लेकर रेलवे मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

दरअसल, नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव अपने निर्वाचन क्षेत्र राघोपुर विधानसभा क्षेत्र में कई निजी कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान मीडिया ने उनसे सवाल किया तो तेजस्वी यादव बिहार और केंद्र सरकार पर जमकर हमलावर दिखे।

पटरी पार कर रही महिला की ट्रेन से कटकर मौत

पटना (एजेंसियां)। पटना में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे के बाद हड़कंप मच गया। सचिवालय थाना अंतर्गत भिखारी ठाकुर पुल के पास रेलवे पटरी पार कर रही एक महिला अचानक एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोग घबरा गए और घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने शव को कपड़े से ढक दिया और तुरंत जीआरपी थाना पुलिस को सूचना दी। लेकिन सूचना मिलने के बावजूद एक घंटे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इससे नाराज लोगों ने पटना से बक्सर जाने वाली दो ट्रेनों को वापस पटना जंक्शन लौटा दिया। हालांकि कुछ देर बाद जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

मृतक महिला की अब तक पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन उसके पास से एक मोबाइल फोन और कई कागजों पर लिखे नंबर बरामद किए गए हैं। स्थानीय लो-गों ने उन नंबरों पर कॉल कर परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला कौन थी और वह पटरी पार करते समय लापरवाही से क्यों गुजर रही थी।

बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर इंटर की छात्रा से गैंगरेप

पटना (एजेंसियां)। भागलपुर जिले के कहलगाव इलाके में एक नाबालिग लड़की के साथ पांच लड़कों ने सामूहिक दुष्कर्म किया है। दरिंदों ने लड़की के प्रेमी के सामने ही इस वारदात को अंजाम दिया। घटना बीते मंगलवार रात की है। इधर, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इस मामले में चार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एक आरोपी फरार है। गिरफ्तार सभी आरोपी पूरब टोला के रहने वाले हैं। वहीं पीड़ित का इलाज चल रहा है। उसके परिजनों ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

बताया जा रहा है कि पीड़ित लड़की (17) इंटरमीडियट की छात्रा है। वह अपने प्रेमी (दरभंगा निवासी) के साथ भागलपुर से किसी ट्रेन से उतरकर रात करीब आठ बजे कहलगांव नगर के वार्ड नंबर 14 स्थित अपना डेरा (किराया का मकान) जा रही थी। इसी बीच प्लेटफार्म नंबर 2 के पीछे स्थित रास्ते में ही पांच लड़कों ने लड़की के प्रेमी को पकड़ लिया। सभी लडको ने पास के एक झाड़ी में ले जाकर लड़की के साथ बारी -बारी से दुष्कर्म किया।

इस बीच प्रेमी किसी तरह चंगुल से छूट कर इस घटना की सूचना 112 नंबर पुलिस को दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एक आरोपी गुड्डु को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया किया। और उसकी निशानदेही पर तीन आरोपी विक्की, चुन्नु एव सनी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि एक लड़का अधेरा का फायदा उठाकर भाग खड़ा हुआ। चारों आरोपित वार्ड नंबर 14 के निवासी है। सभी फल बेचना का काम करते हैं। इधर, महिला पुलिस अभिरक्षा में पीड़ित लड़की का बुधवार को अनुमंडल अस्पताल में मेडिकल जांच कराया गया। पुलिस ने बताया कि एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की हैं। स्थल से कुछ कपड़े व अन्य चीजों को एकत्र किया गया है। सभी आरोपी को जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com